









Ms. No. 12  
148



१६ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो धर्मोय ॥ नमो संन्यास ॥ नमो गवर्ज्याय महायुगि सनाथे ॥ नमो मायाशुत  
मकसि ससय रगर्वाः ॥ महावज्रमन्त्रि रवन कठाम्बु विरुलति स्म ॥ महावज्रसमा धिह मिप्रतिष्ठा  
नमो महावज्रकल्पवृक्ष समलंकृत महावज्रयुक् किलि निनलप्रमयु हाइनसित ॥ महावज्रवासिनि का  
कृत ह मिह गम हा वजा धिष्ठा नमो महावज्रसंलु लमाताऽ क म्यदवाना मिद्रु ह्य रगव नमो महावज्रसि  
हासनका सि नियुतऽ हा हस विलाति स्म ॥ धर्मोद सनाथा तिहायो सर्वे वृक्षा धिष्ठा ना धिष्ठा न सर्वे वृक्ष  
धर्मो सप्रका यवर्धन सर्वहृता निजा स्वतुल सि ति रिवा धि सत्त का नि नियुक्त सऽ सह मेऽ साह सर्वे प्रका

सं १५  
जाति युति वरुण वरुण कान्त रुलाया सम्यक संवा ॥ महाका मया क महा वज्र विमाकृ समि धि वृद्ध कृ  
विक्र वन हाया ति हायो सदऽ कऽ ॥ नक विरुक्त नल व म्भु स्त सव सत्त विरु व लिगानू यय स विवि  
नमऽ प्रनादा नग सि धर्म यऽ ना युति हायो समचा गते नन क वृद्ध कृ न सर्वे त था गता महायुजा मद्या  
वल्ग विमाकृ म्भु धाल लि समा धि वसि ता ति हा वनिक वा व्यक्ते मार्ग ति मि ता गय न म द्या ला मि ता या  
यका सत्यं गं हव म्भु मणि क कृ ना म्भु दि ता यु क्रो मे ती वल नि वि क यय व दा विरु सप्त ताने स्त य थ ॥ व  
ज्रगर्भ नवनाम वादि हा लन ॥ वज्र न स्त ल वना म वादि हा लन महा सत्त न ॥ वज्र गम स्त ल वना म वा धि



सुखनमहासुखनमैव नमिनाव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥  
नव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥ वरुहसुनव ॥  
नामवाधिसुखनमहासुखन ॥ नवैयुमुरवेऽवमुलासितिगीवाधिसुखकासिनियसुगसुसमे ॥  
सादसुमुरुलेऽवमहाऽवकेऽसवलहुरिऽकिनाऽवलेकिनरुवेसैयाऽनेऽसम्यगसुविभक्तविते ॥  
सुविभक्तसुप्रहलविन्यानसमाधिपादिम्वलयासिहायाविकवनमहासुमयाकेलसंगहानुद  
सिहि ॥ सुवविगकमलनिदग्धसर्वकृशम्यासनावीर्येद्रसावसालक्षित्यसुनज्यायमागावयुल्लु

मेगायनिनाव ॥ आयुष्मातासकदित्यनव ॥ आयुष्मातावसुहसिना ॥ आयुष्मातावलवसुन ॥ आयुष्मा  
वमहासौगल्यायननव ॥ आयुष्मातावमहाकात्यायनव ॥ आयुष्मातादुवदन ॥ आयुष्मातावानेयन ॥ आयु  
ष्मातालगायाकात्यायन ॥ आयुष्माताववकलन ॥ नवैयुमुरवेऽसवलहुरिऽकिनाऽवलेकिनरुवेसैयाऽनेऽसम्यगसुविभक्तविते ॥  
युमुरवेऽवसुवेलेयुनिमानानहिलायानरीलार्थऽसुहावामसकायिकदवयुसुप्रमुरवेवक्रना  
वसहायुसिना ॥ वक्रकायिकादवयुसुप्रमुरवेलेनकदवयुसुऽसुवभनवदवयुगल ॥ सुयाम्यनव  
यवयुसुलसुयामकायिकयवयुगयलिवालन ॥ सुसुविनवयवयुगनानिमोलवसिनाव ॥ युल



निमिगवसवहिनावः॥ शकलवयवानामिडनसर्वेयवयस्ययलिवानन॥ वमयिस्तिनावासूलद्रुल॥ व  
निनावयुक्तादकनव॥ लाहलनव॥ नाहनाव॥ वलावननव॥ नवयुम्नरेनयुलिमितायुम्ययासंखर  
यासूलद्रुः॥ सागलनवनागलाशन॥ सुकुकनव॥ वासुकिनाव॥ शरवयाननव॥ ककासुकनव॥  
युमनव॥ महायुमनव॥ अनसुकनव॥ कलिकनव॥ नवयुम्नरेनयुलिमितायुम्ययासंखर्येनागनाश  
कुमनवकिवलनाशन॥ अनककिन्नलानयुलिवालनव॥ यवमिथ्येनवगधिवनाशन॥ अनकगध  
वनाशेनयुलिवालन॥ सद्यथसिद्धनवनविद्याधलनाशन॥ अनकविद्याधलनाशनयलीवालन॥ सूव

२  
३

नुकनवगच्छनाशन॥ अनकगलदनाशनसहस्रयुलिवानन॥ सिद्धाथसिद्धनव॥ वंशवनव॥ मानिर  
रुदनव॥ यलुरुदनव॥ याविकनव॥ महाशक्रनाशनअनकयकलानाशसुगलुयुलिवालन॥ हनीया  
वयवयुसुगलुयुलिवालन॥ सुगलुवमहानाशसिद्धिःसुसुगलुमहविहिः॥ अस्तनीकवल्लिस्वसवनकुरुगुरु  
यवगदिगिरुस्वविदिगिरुस्व॥ यथिथावससाव॥ सुगलुस्वविद्मस्वविनायकास्व॥ यगुरुसमहदिके॥ सर्वस्वय  
वसुनाशेवकननलाकयालनव॥ सर्वसमृद्धयवगायलिवालन॥ सुनासुनवविक्रयाकनव॥ इलुयानिना  
व॥ नैअएनव॥ शासुथनुसाव॥ सुसुगलुस्व॥ महावायुहिलिसाननव॥ अनकगनकाठिनियसुगलुसहस







गालहायकृषलकृषलवलवकुलशाखनृथैनालीकृषगगगभर॥महालक्षयभगगसिहासननीरवकुशजन  
कवगललभकाकिंकीनिगालकललानादिस्त॥जनकवगनलथदि कासंकिस्तयायिदयिथस्यसिस्तित्त॥  
जनकवगनलभरवकृभरवाओनुलाहिसुभगावलनिवदागनुवक्त॥जनकवगनलथभकसि विलभक  
कस्तभहाककस्तनिद्रनीलयखलागलसिहागावरायिस्त॥सभस्तयासादिक॥जनकवगनलहामायुष्ट  
हिसु॥जनकवगललसलाकविसुयितादुक्तस्तयहकासिनियकगहभकस्तकायायकय॥जनककल्य  
दभयसुहिदस्तवितालसुम्यत्रमास्तललवगयमासननिवलेष्ट॥काञ्चनयवेस्तनागुव॥गियागानव

नसूर्येसहमागिलकयुगभसिलकयुगामीलुनविनाशिसुसुमिराग॥यलीयुलुवमेनुलवसर्वलाक  
यियेदसक॥महाल्यवृक्तुवावृद्धधमे॥संकस्तमित॥धमौदशयसिस्त॥जादाकल्यानेनव्यकल्यानेय  
येवसानेकल्यानेस्वर्थसुयज्ञनेकवलंयलियुन्ययलिसुद्वयर्थवदास्तवेक्रवक्तसंयकशयसिस्त॥अथरव  
लुगगवान्मदु॥सत्त्वलुकोशभहविवलास्तनासवेवृद्धसन्दर्शनेनाममलानसीगालेयुमृक्तसिस्त॥तनव  
लसिगालनायासिस्तहसुमरुसालाकधस्तलवरायिस्त॥सुठिकुतास्तगायावस्तगगनैदिवालकासमा  
निवृद्धस्तालिगानिसवानिस्तनावरास्यनसुठान्यवन॥यवस्तुवृद्धस्तुवृद्धागवस्तजनकसिहा







नास्तु संज्ञय ॥ निस्तुलकं किं ददनागलाज्ञास्तुर्थे वव ॥ वाषिस्तुत्वा महाविद्याः दधायुत्तकनाकाः ॥ ३॥ वका ॥ स  
वेदव्यानीविद्यादद्या महादिका ॥ लका कृवे निगतास्तु प्रतिसना धलकस्तुर्व ॥ वज्रयानि स्वज्जुला लाज्ञा नः वस्तु  
तथा ॥ स्तुलका कलिष्यस्ति दिवा ला ह्ये नः सय ॥ ३॥ कृद्विदो माई वक्रा विष्णु मरुध्वला ॥ नदि कहत महाक  
लका किं के योगला स्वल ॥ सवे मा ह्ये नः स्तुलका न्य माल कायी या ॥ लिष्ययध्व महास्तुज्ञा देवा ह्ये व मः ह्ये व मः  
ह्ये का ॥ निस्तुलका कलिष्यस्ति प्रसि सला धलकस्तुर्व ॥ दधायुत्तकनाका विद्या दद्या महा वला ॥ महाविद्या म  
हास्तुज्ञा महा वल प्रला क्रमाः ॥ मा मकि रु कृदि व वता ला दविस्तुत्वा कृणा ॥ वज्रगी कलया ह्ये ता ॥ महा ह्ये ता स्तुर्थे वव

महाकालि वद्वि ववज इति न्नायला ॥ स्तुयासि वज्रयाणावः वज्रयानि महा वला ॥ वज्रमला महाविद्या स्तुर्थे वा  
मस्तु कृन्तु ली ॥ जयला जि स्ता महा दवि ॥ कल कर्तु महा वला ॥ स्तुत्वा धन्या महा राग मय म कृन्तु लि न वव ॥ यद्यद  
नीमनि वस्तु स्व लो कं शा वयी लग्ना ॥ नवेरि वरु वा विद्याः सत्वा नूगह कालिका ॥ महा स्तुज्ञा तथा धन्या मा हा वना  
ला कृति वज्र स्ता वव ॥ दधायुत्तकनायिका ॥ काया लिनि महा राग मः धन्या ली कः ह्ये लि स्तुत्वा ॥ न्या ह्ये वरु  
वा विद्या ॥ सत्वा नूगह कालिका गा तस्य कं लका कलिष्य निगता स्य विद्या कलस्ति ता ॥ ह्ये लि स्ति यि वि कः ह्ये व  
संखि नि कृ स्त दनी नि ॥ ३॥ दवि सल स्व गि ह्ये वस्तु न कानि सदा नूगः महा प्रसि सला म्य गाया स्ती धल यम











[illegible][illegible]







वरु कालाय स्वाहा ॥ समैरु कालाय स्वाहा ॥ उमानिरु दाय स्वाहा ॥ यल्लु रु दाय स्वाहा ॥ समैरु रु दाय स्वाहा ॥ ॥  
उमानिरु दाय स्वाहा ॥ यल्लु रु दाय स्वाहा ॥ समैरु रु दाय स्वाहा ॥ महा समैरु रु दाय स्वाहा ॥ कालाय स्वाहा ॥ ॥  
माहा कालाय स्वाहा ॥ माहा गनाय स्वाहा ॥ यक्रीनिनी स्वाहा ॥ लाक्रीनिनी स्वाहा ॥ व्यसुयि सावदा किनिना स्वाहा ॥  
आकाशमाकिना स्वाहा ॥ समुद्रनामिनिनी स्वाहा ॥ समुद्रवासिनिनी स्वाहा ॥ लासि यलानी स्वाहा ॥ दिवसेव  
लाली स्वाहा ॥ सिस्व वलानी स्वाहा ॥ वलानी स्वाहा ॥ अथ वलानी स्वाहा ॥ गुरु हल य स्वाहा ॥ ग  
रुसेपालनी स्वाहा ॥ ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ रुद्र १ स्वाहा ॥ ॥ १२

विली १ स्वाहा ॥ ॥ विली १ स्वाहा ॥ वलनि स्वाहा ॥ वलनि स्वाहा ॥ अमि १ स्वाहा ॥ रुद्रा वायु स्वाहा ॥ विलि १ स्वाहा ॥ वि  
लि १ स्वाहा ॥ मिलि १ स्वाहा ॥ वल्लु १ स्वाहा ॥ मंगुल वं व्य स्वाहा ॥ सिमा वं व्य स्वाहा ॥ सर्व समुद्र सुय १ रु सुय १  
स्वाहा ॥ विडु य १ स्वाहा ॥ रुद्रु य १ स्वाहा ॥ रुद्रु १ स्वाहा ॥ वय १ स्वाहा ॥ माहय १ स्वाहा ॥ मनि विडु रु स्वाहा ॥ सुय  
सुय विडु रु स्वाहा ॥ ॥ मयनि स्वाहा ॥ विडु मयनि स्वाहा ॥ वय १ रुद्रु रुद्रु स्वाहा ॥ गुरु य स्वाहा ॥ पिडा वय स्वाहा  
गो वय स्वाहा ॥ मं वि विडु रु स्वाहा ॥ सुय सुय विडु रु स्वाहा ॥ ॥ मयनि स्वाहा ॥ विडु मयनि स्वाहा ॥ ॥ मयनि स्वाहा ॥ ॥  
युक्ति य स्वाहा ॥ स्वसुयनः स्वाहा ॥ ॥ कलि स्वाहा ॥ ॥ वं रुद्रि स्वाहा ॥ ॥ रुद्रा सिनि स्वाहा ॥ ॥ रुद्रि स्वाहा ॥ नम



[illegible]

अस्यामहायुतिसलाया महाविद्यालाह्वी ॥ १ ॥ वनमास्तमहावाक्रलनस्यकलपूगा वाकलदाहिगार्वा सवो  
सर्वेयायविनिम्मीका एवस्ति ॥ यस्ययूनलियंरुदयगस्तुवति ॥ समस्तवाक्रलवज्रकायसलीस्तुस्तिथिदि  
स्तुथा ॥ नागिस्तस्यकाया ॥ क्रमिष्यस्तिकिमिति संज्ञा संज्ञा कविलवस्तुनिमहानगलवत्यनालारुद्रः क्रमा  
लामास्तुः क्रकिगगोरुस्तु ॥ यद्वद्वयास्तिकास्तुसवाथसिद्धनक्रमालनममनाहिः यादीगुस्तनयिगानिग  
स्तुः ॥ दाज्ञानामिनान्या किंहीदिस्ति ॥ यलिकिनागिनाविषनादकनस्तुक्रलकयास्तुयमानानरुष्ययं  
गुरुवामिनादालमयायासाकुकन्यायाआत्माअगिरवदायायुक्तिस्तुस्तुयमिनिपाइरुगा ॥ सुदालारुद्रः ॥



कमालामासुः कृष्णिगसुः ॥ ॐ मा विद्या मनस्य काष्ठि दस्या विद्यायाः ॥ अत्र स्मलनमा सुलसा गिरव दाशासि  
 हावमयुगफु ॥ सा गि नाने पृथ्वी ॥ तत्कस्य रुताः ॥ नृणा विद्याया सर्वे सुथागता विधिस्तु ॥ सेन हनुना महवार  
 मलमगि हृदरुसि ॥ नयविषनशर्क विविताद्य यलाययिगु ॥ तत्कथमिति य दामरा वाक्रलसूयाल कमहन  
 मलवलकाशवनिकस्य सुस्तनः ॥ यना विद्यावादि कावसुस्तु ॥ सुतु फु दि या वलन सुक्र का नागनागलाजा आ  
 कसिस्तुः ॥ अ क र्पयि ला वयुसा दवसाद्य नदनाया वस्तु नासा काष्ठादृष्टः ॥ सति वीरवली ॥ क मु काव दय  
 सि ॥ या ना फिवयथा वरु सतथा विविस्तु म यलनिलुधमिति ॥ सुक वरु वा वादि काष्ठादृष्टः ॥ नवकश्चिद्व

प्रातिविषे कि विसर्द्ध ॥ अथ सुत वसूयाल कमहन गलवल विमलविष्टुदि नामाया सिकायुसि वसुनि  
 समसु कलूला समलागसु स्याये महाविद्यालाह्नी मुरवारु इरुतासा तस्यानि कस्ययसंक्रानः ॥ उयसंक्रम्य  
 ॐ मा म्य वमहाविद्याय वसुयामासा ॥ सा न स्या म्य वयलायी मनस्मते ॥ ॐ मा म्य वविद्याहृ दयग तु कालयेति स्म ॥  
 यथ विषि वद नूला सुमिति ॥ अयिवा ॥ महा वाक्रल विपुलिह्य गमि ॥ यदा वा नालसी महान गयी मनूय वेला  
 नूविवलमानालाजा वक्रदस्ते ॥ ॐ ति सखागर्क सि ॥ नस्य यातिगामिका वलवक्र वसि नाजावकुली गवल काय  
 सवाक्र वा ना न सा महान गली म्यलि वाये विनाशायि गुमालध्ववान ॥ सुता नाहा वक्रद रुस्या माथे नि वदिस्ते







सु०० गि वदि सु था ॥ स हा लि सु स लि न ०० सि वि दि लु था ॥ स ज र य व व ०० सि वि दि सु था ॥ सर्व न ल क ग गि वि र  
 ०० य न ०० सि वि दि त था ॥ कि मि सि य व ह स मि गि वा क्र ला ज न्य सु म सि य य स गि क न ह म क स था ग स क क ल स  
 का ख ल क ॥ अ ड ला दा यी य था स खे म र वा य अ न हा ल क ॥ सां धि के वा गु डि सि के सा यि के ग ल या स खे य द य  
 सु यो ग लि के कृ त्वा स व म धि ला य र क य सि ॥ या व दा य य वा स म य न म ह ला था वि न स्य य म रु गि इ ॥ र वा सि वा  
 य ना क क को थ द ना म नू र व ली । स सु य खी ॥ अ ग ल म य ना य ल अ य सि स ल ल म मा न म का स ना ॥ द क ना सि  
 अ थ त सि न व य धि वी य य ॥ उ या स का वा क्र ला ॥ य गि व स सि व स गि ए न सु क द ॥ ३ ॥ त्वा च य न य न स गि इ

१०

१० क

सु ना य स का सु ॥ उ य स क म्य सु स गि कृ लि मा म हा य सि स ना म हा वि था ना ली लि रि व त्वा क ल व ध्र नि स्य म न ना  
 व व धा यी व म हा य सि ॥ ना यी म हा वि था ना ला सु स गि का ॥ स वी व द ना ॥ य सा ना ॥ स व था धि रि म्ब य नि म्ब का  
 स ल ॥ स र ल ०० गि । त था न व ना ला म्ब य य ल म्ब य सि त स ल नी ॥ का ल ग स ॥ स य सि क य व उ ल स य म्ब वि वी म  
 हा म ल के उ य य न स व स स स ल नि र रि क ॥ कृ स था यि र । सा स स्य म हा य सि स ना म हा वि था ना ली क ल ॥  
 ब द्ध वा व सि ता ॥ स म न स ल य य न स व स स गि का कृ सि न वी वी म हा न ल स यी ना व कानां स ली स व इ व व द ना  
 ॥ य सा ला स व ना ल का ॥ स ल ॥ स व स र व स म थि ता ॥ अ र व ना य व स म हा ला ॥ वी वि का यि क न्थ स यि स व



सर्वदास सर्वप्रयसाका वृत्तिः ॥ अथ सुप्रयस्युत्तवा विस्तृतमायनयमस्य धर्मेनाजस्य मेनिऽवयविसृत्य  
 नावयक्तिस्मा ॥ अस्मि विस्तृतमिदं यवः ॥ इत्यस्य नलकसंकेदाय साक्षादाकृता इत्याः सत्त्वा नाकर्मज्ञाय स  
 पुसाता सुप्रियवीगा नाय हलादहिनां सदा कलयन् न वाधुः सुकृतधालनस्य पुता अयः ॥ अस्म नया ह  
 ॥ यसाका लाहक सुयः ॥ अस्मि य सुवनेय गा न वाधनकर्मता इय न ॥ यमस्तु धर्मा नाजासि धर्मे लखस  
 यः ॥ यज्ञाः ॥ इतः कालननाल्यः मस्माकं वकुमहमिता सा धर्मे नाजा वै धर्मा धर्मा नीऽवयः ॥ ककनासय  
 नव्यताः वाक्कः ॥ इतः मिदि सः ॥ किम्यस्य कथां तां ॥ इत्येकथनि स्मि वया ॥ इतः ॥ कतः सुइष्ट सत्त्वानायमह

एतस्मात्तुल्यः यमस्य धर्मनाशस्य ०० देववनमकुवन ॥ अयं देवमहासत्त्वउत्पन्नानलकसंकुठः अविचिय  
 स्यनाभदेकनासोकमसंकुठकमेनास्य वैचीत्यः सर्वे त्वयि हि सखी कृताः सुखिनास्तु वसवै त्वय्यनयानि  
 सुखीनास्तु वसवैस्तु पुनरास्ति सुखालय ॥ धर्मनाशायमः अयि दृष्टुं वदस्ति विस्मिन् ॥ महद्विकामरु  
 द्रस्याहली नैयुवदमि कै ॥ यथा धमकुशस्तु रुन्दे सुयं भगिस्तु ता तु ॥ स्तथास्तु भगस्तु कायः युस्ति सनावर  
 द्देककुठकः अथ स्तनलकया नायकाय कृत्य धर्मनाशस्य देववनमकुवन ॥ कथमियं देवयुस्ति सलस्तु वस्तु  
 धर्मनाशा वाच ॥ युतियस्तु नययस्तु सगदस्तु न इग्नस्तु ॥ सुगति यास्तु न सोनिह्यं युस्ति सनावावरा विग







महासुप्रडावकिनाः यौवकिभिर्गिरिमाय्यनयागावक्ष्यः विनासयिमुकामानांसकृष्टाः ॥ ४ ॥ महानेगरेतासु  
 र्कवेकि। विडकासुताः सिवडासनियवययिमुमालकासुतकवसिजापरताः ॥ ५ ॥ वनायाहसुविस्तारः  
 महाकंनागसंवाहविकावडासनिवाहृजोडिस्ति। येवकिभिर्गिरिमाय्यसुमवर्धदृष्टमहेसुकाशना  
 सदेकसुमाहाययवगाविस्वयासु॥ यावयकिनकडिहवर्धयलिस्तदहवकि॥ तसुकवनिजः ॥ साथवाहसु  
 यगम्यकरुनाववनमकुवव॥ यलिगायसुमहसुसुमावयासुमहसुहयासु॥ धिखनससाथवाहइहविक्रम  
 हामगिबनिजाविक्रीवयगादिदवननमवुविसु॥ माहमाहवनिजाहवकावीलगीवुजन॥ अहंवासावयि

१०

३ मुदा॥  
 व्यामिजलाइः स्वमहादेवान॥ सुगोपिलमनसाहवाः वाराजद्वंदवनमकुवन॥ किमगुल्लहासुवकुहि  
 सिधुमविद्युस्तः॥ यावडूविस्तमसाकल्लयरायमहामंताकथातोह्यनमाहास्यैः यैः अर्चैर्किंकलिव्यसिः  
 ॥ सुक॥ साथयसि गयी० मीविद्याहयसु। अस्तिप्रममाहायुनिसनानामविडुस्त॥ ५ ॥ मनिसुवेइष्टानामहव  
 लयनाकुमा॥ ननाहंमावयिष्यामिः असाइस्वमहहयासुताः ॥ ६ ॥ समहासाथवाहसुहयावलायी० मीम  
 हागुल्लिसनामहाविद्यालाहलिरिवाधवागवलायिगीकुलाधलयसिस्म॥ समनेकलेधवागवलायिगी  
 यामस्यामहयसिसलायाअहाविद्यानाह्यमनुस्मयन्नसवेस्तः किमिगितासुह्यातस्यकडिहसुयस्यसिस्म







[illegible]

याभिः प्रसालयन्तु नानाकृपाविसत्त्वः सनातनसुनरुम्भनायकस्य दूषाहियसना दवस्मादिद्ये न हविष्ठा र्थः सु  
वर्णे मनिमूक्या हिष्ठयाभिः यिलियेन यनि । सुडासलाजाग्रागस्तथायावनकजनया इनुययकसि । यथाविनि  
सुमायन्नसवेयावनकानी सुवेसुरवसस्यथि कामादादासि । यवस्तानी वमहसि यडासका नाठिकलासि ॥ य  
गुरुतान्नवयूक्तं लह ॥ सुपीनानास्तथागस्तथा नीयूलस्तु ॥ सुत्कार्ककमुमालक्षोमहसि वयन्धनिकलास्तु । इना  
नीवददासि उयवासानिवा महसि वयन्धनिकला मुञ्जकिणान्यम्बस्तानि डानानि ददासि । तत्कस्य रुता ॥ हस्तयवम्  
हवाक्रवाञ्जलिनिम्बम्बगधविषयमल्लानामजनयद ॥ कसिनगलमेहाय दूनम्बलहगवः ॥ ग्रहस्तनहस्तगथा



गतास्यऽमस्यना सम्ययना धर्मविरुक्तऽकठिविरुक्तस्य धर्मोऽस्मीनामहाष्टियतिवर्सेति। स सर्वसत्त्वानामनिक  
 मलकत्रुताविरुक्तमयस्त्वय्यऽहमा मवविद्यामहायसि सलामात्रकृष्णमदहायसिस्मा॥ अथ कठिवदवदत्ता  
 डविदयल्लुषर्कऽहत्वातमहास्यष्टिनमिदं ववन्नमस्ववीरु अहमाय्ये स्थनिथसनस्फुरिकमैकलिव्यामिधममे  
 अहमव्यामि॥ यदाकठिवद्विष्यसि॥ सुदाहं हंमैयययीव्यासिनिता तस्यहृदयायालीकृम्वीताधमैऽहदलमता  
 यावदपत्न्यासमयननं नहमसिनाय्येकैकदिनालीदस्तः नस्तनसर्वसत्त्वम्यलितानार्थ॥ वाविविरुक्तमत्या  
 यस्वसत्त्वसाधलनं कृत्वा महायसि सनास्तिनित्यासितऽनृद्वनिधनैकस्तमननदा नन्नमहं स हत्यनमम

२२

सर्वसत्त्वानीव दालिद्यऽहस्वसम्पदस्या॥ एतनकाले गस्तदानेयलिकुर्यंगच्छसि॥ नृद्ववद्विविधमन्यकविषा॥ यन्मा  
 हीसीकालऽकृत्वायवताऽवप्रतितायावधमस्तगर्वस्तऽप्रतिस्तानादाऽउक्तावासकायिकारिदवस्तस्तीऽस्वयद  
 जनैदस्तम्यवैवास्तिस्ववमहालाजसंभक्तकालामानास्तुलितविनामतिमृद्रुदयायनादिनामहाकालनाम  
 हाविद्यालाक्षीमहायनीसनानाभर्तायथाविधानाऽहिलिखेयथाविधिनाकल्यऽहिलिस्तनउयवास्वयिस्तयास्तथावि  
 धनाग्रमहिष्यादेयाऽसलिन्यमहास्तनकयुगुलीहाहविरुक्तसि॥ अथसलोकायसिद्विद्वस्तस्यानायाऽस्तयन  
 सीत्यालियिनकृत्वागहायिरीवकाकृलवाकृनास्तनित्यास्तयथाविधिनाकल्यायदिष्टेनप्रव्यनकृत्वासाजयसि



<sup>१५</sup>  
 यने सु सा सु ग गायी उय वा ॥ वि सु या ज ग म हि व्या दि या य थ वि वि ना रि लि खी मी म हा य रि सु ना म हा वि या ॥  
 क था व द्ध वा ने ॥ म रु सि ॥ म हा व द्ध व य य य ज का ॥ ज न का नि व न त वि स्य वा नि स त्वा ना या द न नि द न रि स्य  
 त स्मा न वा नी मा सा नी ज रु य रु ॥ य ग ग न ॥ ज रि न य ॥ या सा दि का द न नि य ॥ य ल म स र व ल य य क ल स या स म  
 वा ग स ॥ ० ॥ ॥ त स्मा ॥ म हा वा क ल स वे का म ग मा य ला रि सा ना म म हा य रि स ला न त रि मि मि सु ग म हा मि य  
 ला ॥ स वे त थ ग स य रि सा न क स्य यि य द्ध म नि ॥ स वे य द न का द वा ना मि दा म हा स ग म स ल ॥ सा द क स क  
 म रु द वा म्भ व म हा वि या ला ॥ क व व क्त्वा स ग म म थ इ व रि यो द्ध यी वा क्त्वा य रि ली स वा ने सु ला नि रि स व

२३

सु र व स रि ना क म ल द व य ल य ल य वि स रि ॥ स वे स ल न म्भ व क्त्वा व रि ॥ न र्दी रि म हा वा क्त्वा न य थ म वि सा ला द  
 म्भ या द य या व द्ध वि स त्वा स म हा स त्वा स मी म हा य रि म ला म हा वि या ला ॥ न्ध य ल य रु ॥ स वे माले न न म्भ म्भ य  
 रु व रि ॥ य स्य वा वि या का य ग ता वा क्त्वा ग ता वा क्त्वा वि व्य रि स स रु थ ग ता वि थ ग ता क वि व्य रि ॥ स वे स त्वा सी न रि  
 ग ता क वि व्य रि स वे य व मा नू खा सु ल स्य ला क स्य ना ज ना मा रु वा क्त्वा ल ग र ह य रि रि ॥ स रु स मि त म्भ दि रु ॥ य द्ध  
 रु ॥ स म्भानि ता क वि व्य रि ॥ स व य वा स ल ग ल द कि न ल म हा ल ग म्भ य रि रु ॥ य रि ता क वि व्य रि ॥ स वे य वा स ल  
 ग ल द कि न ल म हा न म्भ य रि रु ॥ य रि ता क वि व्य रि ॥ स म हा स त्वा ॥ य वा व ॥ सु ग वा मा व व य म द क ॥ स व



[illegible]

ॐ विमलवियलजयम्वचजयवाहिनिर्जसुविलकर्तुं शरदुशखाहा ॥ हलुशसंमल २०० दियुम्वलविहमवनिर्दुशरुदु  
लुशवलखाहा ॥ मनिधनि वदिनामहायुसिसत्यदुं शरदुशखाहा ॥ उम्यदुयम्विद्याः ॥ अहमर्थः सर्वेदुर्दवाविसर्त्तुव  
नुकखलसनियानु नुकखलनि धाधला ०० मानिर्मसुयदानि साविसानिमहायुसिमलामहाविद्यानाह्नीदुदयक  
म्ववानस्तानिर्मसुयदानिसवस्तुधगठधम्ममूयामूदीगानि ॥ नृसुइलमुम्वेयाह वलकिंयूनलिरवनयथनवाव  
नधालहखाधमयस्तनयलदसनादवकुसुम्यकदिसिह्यकथा ॥ ०० यं कृतिम्व सर्वस्तुधगर्थः यस्यसिगानूमादितायाव  
यलमइयमूयंमहाधालम्वयनादिसामहायुसिसनामखा नान्नसवनमयिम्वलमइलेस्तु सर्वेयायकुर्यंकलि ॥ म



हाम्बल्यनाक्रमस्तुतामहाप्रहावामहाम्बल्यज्ञावनीया॥ महानूरावा॥ सर्वमानकायिकाश्रीस्वीर्ध्वसनक  
लि॥ सवदासनानुरसंभीम्ब्यास्तनकनी॥ सर्वमालयासंकुडनकलाः यत्नमानुमुद्राम्बिरवकाथाईचूर्णकिल्लयाग  
विद्धरवनाहिवात्रुकानीचइस्तुवित्तानीम्बीः ध्वंसनकलिः सर्वद्वन्द्वोपासत्तनायलीयाल्लकलिमहायानउग्र  
हललिरवनवाम्बल्यथनखाध्यमयनसर्वेनाहियस्तानीयलियाल्लनकलिः यावद्द्वन्द्वोपासत्तयल्लीयाननकलाम्  
हवाक्रलमहायक्तिस्तनामहाविद्यालाक्षीनुक्कविद्यक्तिरुन्मासा॥ सर्वेगुवमहायज्ञायाम्बि॥ यथाहेमसाकिस्त  
विहीरवः किमितिपूर्वेयल्लिहास्तवस्तिर्यमेवाक्रलमहायक्तिस्तनामहाविद्यानाक्षीसर्वेविद्यविनायकानीविष्वस्य

ति। यदा वरगवाच्यं यन्नयुरुसि फलदनात्त्वा मनिकनकललाङ्गलस्मियुता स्वस्वकलाङ्गनामस्तथागता रुस  
संख्यकंद्वयप्रथमाही संवत्सायनादाविमंलु कनायसंक्रान्त ४७५ संकम्य सर्वद्वयसंक्रान्तमवक्रयम्वस्तुयि  
स्तु कामं कदास्तथागवस्तुः सर्वमालैः सयलिवालैः ननकमालकास्ति नियतगस्तु सुरुमयलिट्टु नानात्रय  
विप्रम्यरयर्हलवणद्वकल वक्रविविधमालस्वय विक्रवल्मविल्ला नाविष्टि स्तौ नायुरुललविष्टिलहि निमानाम  
त्यवम्भुद्विष्टायली वाय्यास्तु नायः कस्तु मालदः स्फुटतगवाच्ये लयुरुसिस्तु वदनमनिकनकललाङ्गलिस्मि  
युक्ता सा स्फुटस्तु नागामास्तथागता मद्रुल्लु लल्लु मास्तुय नूमी महायतिस्तुला महाविद्यालाह्मी अनस्यमफकस्तु



य व लया मा सा समन सुलयुग्म कि ताया म स्त्री महाय कि सला या महा विद्या ला ह्री सुकुल म दे व सर्वे त माला : या या या सा  
 द इ ३ सुस्य र ग वं सु ३ न के क स्मा द्रा म क य मि वला द न्य कानि नि मि सु माल का सि नि य न ग सु स रु मा ना य क र वा नी स ल  
 द व थ क म्ब वी ह लि सु य ल सु या ण म ड ला सि म्भ स ल सि ३ ल रु कानि ॥ न व वा व य या रु ल ल ना ग र कि स्म ॥ ग र्कें द्र सु  
 श्म य सु र स वे इ य मा ना वि र्ध स य ता इ य वि लानि व ल य ता नि वि सु स व इ य ग र वि य म्भी ना य का ना ॥ य सु ग वं गा वि  
 रु थ क म्ब सि त क सु स वे इ सु मा ना लै रि व डू ना सि नि नि ता न क लो क वि क्रि य दानि ग र हि सा ३ क वि द्या व द नू सु ला  
 या स म्भ सु वा ल या क ता सु ग म हा नू सा वा ३ अ न्य पु न र्ता सु थ ग ग ला म वि म्भ ना नि ग ता म्भ हा य क र वा न द द्वा सु स न्म न

ग ल्प मि रु ली रु ला षा दि य ली हि ल म न सु यु ति स्ता न म्भ ल य ना क मा ३ य ल सा वि र्ध स्ता ३ स र्मे ता म्भ यु लि ना डू रि त स्ता  
 र ग वं सा ष म्भे व कं य म्भ सि त य थ लो व र्द म्भ ग व र लि सि ॥ स र्वे वि द्वा वि ना का म्भ ला स्य या या य म्भ वि र्ध न स यि त्वा उ सु  
 लो या न ग सु ३ ३ ॥ न व र मा हा व्रा क्क ल म हा म्भ ल य ग स दि या ल मि स्ता या का ३ ३ य म हा य कि स ला स ल म्भि द्या ला ह्री ल  
 ल द मा फ ल स व य स नू सु य रेल य य ३ य लि मा व य सि । आ स य यु लि ३ ३ म्भ स लाना न्या न इ य व सु स ३ सु स्या रु हि म हा  
 व्रा क्क लानि य म्भ वा नू स म्भ मा सु न म न सि क सु था । स र्वे काल व लि रि व ला का य क ल ग र्ता कि लो म्भ ल य सु था की मि  
 सि य र्वे म्भ क य सा उ डू य न्मी म हा न ग यो ना ष्च व्रा क्क द सु स वि रि सु क न वि वृ द य ना य ना य ३ क सु ३ स ना गा डू द सु न म्भ







नेयकृषं वक्षानद्यायक्रियकृषकृषयूत्रवर्षनद्यायक्रियः समनसलपुक्रियकृषकृषवतामिहलहायकृषयसानदिनित्र  
इकिरुगायसूसायूत्रवर्षसूत्रगसूत्रवर्षवर्षति ॥ कानिबन्धेयनानिखलुखलुविबुद्धिगानिस्त्री ॥ नाह्नाह्नासू  
सूतानाज्ञाविस्मितासूलीसूवदनः कथयसि ॥ अहमिहसमयमिदंयूत्रवर्षसूत्रसूकीर्णकालनीत्यादिसि  
म्यवसूकः अथसूलाज्ञासूयूत्रवर्षनवमाह ॥ किंलंशः यूत्रवर्षज्ञानासि ॥ ॥ यूत्रवर्षावावा ॥ नाह्नाह्नाज्ञाकिंयिदय  
ज्ञानासि ॥ अथसूत्रमहायुगिसूत्रासूत्राविद्यानाह्नीधनयामिसूत्रस्यानृषइवयरावावाज्ञाह्ना ॥ अथयामिदं  
महसूत्रमहाविद्यासूत्रासि ॥ माह्नीमृह्नीसूत्रसूत्रवर्षलक्षिस्त्रीस्त्रीतानिसूत्रसूत्रासि

[illegible]



वाक्कलम इति मय्युक्तं सुमनसं सर्वं संयं वमं लुल्यक नाहिय नम्ययुक्तं सा नद्याः ॥ किं दृष्टं नरुग वेनि अन्यानम  
 मरुयसि सनामहा म्मी घा ना झीलिवी सुया ॥ रगवानो रु ॥ ४७ ॥ मरुत वाक्कल लतामहं म्म सुवे सत्वा नूकं यया  
 यन सत्वाः सुखी नाहानि म्म सुक कर्म संकता सु ॥ व्यापिता ना सुभा क्रासि नीग सु संमृ एव सु विषयसि यस  
 खाना डाली ड्र वन नाहनी ॥ उय वा सुखी ना सुखी नरु सुयय्य संमृ सु ॥ वृद्धय जाय ना गुल्या विरु म्मया द्रवा य य  
 ॥ कद्रु लम म्मदि सु विरु नमं या वायि म स ची सु ॥ रु सा अन यल म्म यिः सुवे सन्व य निरु ॥ ४८ ॥ सा ता वदन कयल  
 क सुलि सनाय नवा सुविम्व ना नीया व सु यो ना निम्व वयन ॥ ४९ ॥ ता मलु लकं रुखी म्म सुगम मयुः समचि सं

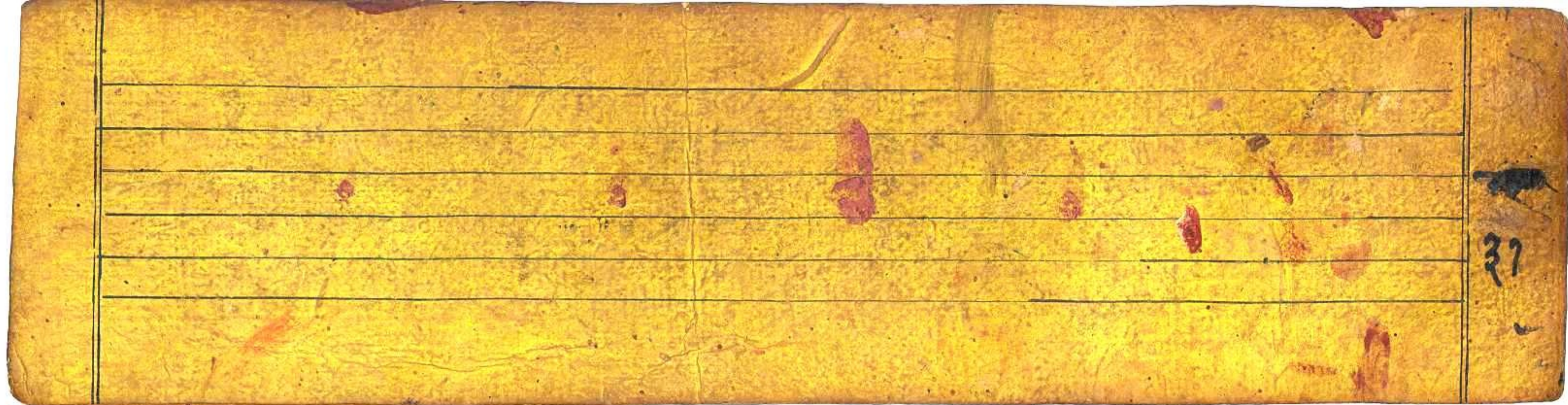
१८

रगी अनूली फा डीः यय ४ थ मव्य मं लुल ॥ यवा हि म्म र्वे निम्व य सुम्य ता म्मि द्र म्मया म्म डारु य सु ॥ सक साज कया वाय  
 लक्री कया दि अनय ॥ ५० ॥ म्म फल स्य नता थयः वानी थ क विसि ॥ उ डारु ल्या दि मा विद्या सर्व लाह य नय ॥ कय ४  
 सक वाला वे ४ म्म लि क्री ता ४ म फि ती ॥ यं म्म ली थ डय ल ना य लिय वी य थ विदि ४ ० ॥ व ड कि ल या ४ वे क्रि प्य सक स्य  
 नव सु ॥ य ४ वि मा या ४ स सं म्म उ सु ला य न थ दि सि ॥ ५१ ॥ उ थ ४ स यं म्म कि ता न क्रा वि दान य ४ न वं रु सु दि ज स्य  
 य ४ स ४ र व य म्म य थ ॥ न माल क्रा म या र्था ता सा व्म सि रु न ता यि नाः ला न्हा स्या य्य य ना का वि उ क्रा वि द्या फि ४ रु क ॥  
 न क स्य म्म रु त ज लान ना र्हा ॥ न ४ म्म यि या जा सु वि ला ग हा व ४ न वा यि या सु स्य हि सं य था र्थ र्था दि या र्हा रु वि व्य











रुतै नमो गवतो आर्यो माहासाहस्यमद्वयः ॥ रुतवने माहासाहस्यमाहि माहि बली ॥ इदं नमस्कृतं सैरुकि कृत्यवतिनमा  
 अहं ॥ नवमयाऽहं सत्यकामिनः सप्रयत्नगवान् ॥ साजगद्विरुत्तीक्ष्णमा ॥ गृहं कृत्यवतिनमा ॥ कृत्याहं वृद्धवत् ॥ नव  
 वृद्धतास वनखदे ॥ मरुमताहिकु संधानमाह्वै ॥ मयसु इति कृत्यवत् ॥ गद्यथा आर्यव्याच ॥ सानिपुणन ॥ आर्यव्याचम  
 रुमोगय्यायन ॥ आर्यव्याचमालकास्ययन ॥ आर्यव्याचवनडिकास्ययन ॥ आर्यव्याचवक्त्रिकास्ययन ॥ आर्यव्याचवद्व  
 पकोयन ॥ आर्यव्याचवमालकास्ययन ॥ आर्यव्याचवमृकलन ॥ आर्यव्याचववाय्वन ॥ आर्यव्याचवकदिल्लन ॥ आर्यव्या  
 ताववागस्यन ॥ आर्यव्याचवखडिकाव ॥ आर्यव्याचवसूक्तिन ॥ आर्यव्याचवसूवाहना ॥ आर्यव्याचवनिर्द्वेन ॥ आर्य

व्यतावलबस्फला ॥ ज्ञायव्यतावनदिकन ॥ ज्ञायव्यतावनदन्न ॥ नवयमूर्खेऽलक्षकया दडाहिकिद्रुहासे ॥ यस्मिंश्च  
 समय ॥ तगवान्नासमयतीकृसंघनमाला ॥ ननाह्वा ॥ शासकसकुलीयदहियुक्तन ॥ संकृतामानस ॥ यद्विफ ॥  
 चिक ॥ द्याम्वल ॥ यिलुयासमयना ॥ ॥ नाग्नानयस्यरह्ययोलिक्काल ॥ फनखल्लयूल ॥ समयन्त ॥ वैशाख्यामा  
 हनगयो ॥ मारुक्रमिवाला ॥ इह ॥ इह ॥ इह ॥ मरुतावाकालवागसनिमासम्यग्रहवसम्पत्तिगादवागङ्गीगु  
 उगुजयकविइसब्बलनि ॥ ॥ इहादिसब्बकलिहता ॥ ॥ समादकालरमिया ॥ इह ॥ वनि ॥ नक्राना वनराधिसं ॥ वयोयल  
 प्रसवस ॥ नरासत्यनकयुता ॥ नविना ॥ सववता ॥ खेऽवला ॥ वन्त ॥ ॥ अथरुगवान्नुक्तिडियेन ॥ नवक्रयाविद्वद्व



नमोस्तु कान्तिमान् नृपकन वेसाच्या मालन गय्यो मस्तु उदवा पाइह गाः अर्थे कल्याणा वं भलिनी विद्व विनाया ग्रामा  
 नः प्रानिया हूयेः लीकता हिमं स द्या न्याय्य कल्याण मस्तु मालिकाः गल कमल मात्या इ माय्ये धाः ॥ दस डाल कर्म कलन  
 गुरु पुस्त्या दद सा सन्य नाही पुस ना ॥ सुवाय्य नृप्य कल्याण लेह गेल विमिता ॥ सभ सुव वेः भलि नय दया रि कुरि  
 कृप्या ण काया ण काः ता रि ता सु फा ॥ सविग्रमै रुय विला मस्तु य जा ता उय मस्तु वायु का द का वद वं मी संध नमस्य फि ॥ २५५  
 फि का सु वल्हे थि व द्रा कल गुरु य सु या ॥ वय सा सन ना ही पुस ना ॥ सुवाय्य कल्याण वा कल गुरु पुस्त्या ॥ वा कल नमस्य फि ॥  
 कवि पूल ॥ ३८ कवि ला कयाना नमस्य फि ॥ मरु वलन स्य नि ॥ मानि रु इ नमस्य फि ॥ पुन रु इ नमस्य फि ॥ दल सि वद

२५५

सुर्यो गहन कस्तु यधे फ व नर वल्हे थि वि कल द्यु ल सा सु द क्यु न द ग वं सु थ न ड यि नमस्य फि ॥ कथं नार्थ गमा  
 अदय म्य व नृ पा इ य ड व गार य थ नः ललि म्पु य सु ॥ २५५ फि ॥ अथ ग व सु थ नृ य म्पु य फि स काल म का थि सु ॥ यथ  
 नृ य न स धा हि स सु कन र सि सा रु स मा रु सा रु स ला क थि सु वल्हे न वि रु य स ध व मा नृ थ ॥ सु व ला क ॥ पु सा ध स या सु  
 यामा न सा ॥ ज थ व मा स हा य फि ॥ व म्पु का थि का ॥ व द वा ड क व द वा ना मि डा ड वा ड गायी नी ॥ म्पु ल व मा रु न ज  
 ना व म्पु मा रु ला जा का यी का व द वा ॥ अ द्या वि ग सि अ म रु य क स्य ना य सु य ॥ डा र्कि ॥ ३८ ॥ मा हा य क स्य न मा रु ल  
 थि व स य फि का स य ला वा ना थि का सु वल्हे ॥ ३८ ॥ काना यी ला गी के व ली ॥ क स्य ग द कस्तु यधे फ व कल वल्हे नृ हा थ ना डा  
 नि



ननास्य गावहास यनरागवा कनाय संक्रान्त उय संक्रम्य रगवस्त या डोडाल सावडित्वा नक या सकञ्चल नैनितासय  
 ल्ने वडयहास्य नसिर्वेग वन वदालनना नामक नाद्रु सिसि र्दवाल लविका स मक मातय लाक्रम ॥ यवै गावा सुवले  
 स्थनिता जावा डनस्य व ॥ वडावा विमलया म्नि नक्रु सलिवूयस्क य ॥ मव्यसावक मंघस्यल कले समलीकृत् ॥ ला क  
 सडव कोरुवम्पनि सकनु मागस ॥ मनूव्या नीहिता थोय लक्रा का नडयुक्ति य ॥ माहा साहस युम डने ससु सवेव देय  
 कासि र्क ज्ञा वक्र वा डयर्थे न सीमा वक्ष म नूक म नम स्रय नूया विल नम स्रय नूया रु मे ॥ कर्ता ॥ लि नम स्यामि र व  
 मे ना जामरु म्पनि अथ रगवा मूरे न्द्र श्री हाय नादिवा स्य ॥ वस्तु लामा हा ना जाना मस्तु यामास ॥ नैव माहा ला जाना

३४

२ संधयुक्तिः

युक्ति नूय यय व्यत्यये डाः स्वखदा विरुथयिस्तु था म्मे चस्त ॥ सुस्तु स्य रुता हि मोयै लाक ॥ वदार्थो डाधर्म स्वाका गा  
 ययन्न गावा ॥ ००३ मसि चामवला य्य वदार्थ रगवस्त लाक उद्यधनो ॥ यथैक वक्राऽवहन ॥ ४४५ वकाऽवज्जमि नवलाक ॥  
 क्रसत्र मूलान्य नाय्य संडो गाडो र्फि सता द वनिकाया नाम च तला न्यस्तु य वनिकाये उद्यन्त लाजाना यिर वसि  
 वतुलमिन वस्तु द्विष्ट वनाऽवक्र वनी समूडयर्थे न मलायिथि विमंडल ॥ ४५५ मेल लार्थ का नयस्ति यथायु  
 सरुसु नावस्ति ॥ ४७७ लानी विना ली वनागत्रि लीनी महानग्र वन वस्तु अलिना यल सैन्य यम देका नां स  
 वत्समत्वागतानी ययुष्मा क मत्वात्सुक विहाय लविन रुता मव नूय ल विरुलता म्यमसि शाक नाय कि



रुम्बिष्य सिञ्जवर्षवनामहानाजो अथगम्यान्नायागना दन्समस्तनासंगदृष्टा दक्षिणजानुमैलुली यथिया  
 म्युमिस्काव्य यनरुगवान् सुनीजलिहृत्वा रागवस्तवनमस्यमाना जगवत्कमनदवावता सनिहृदन्तरग  
 वेस्तस्माकमूडालालीगृहस्तानरगवनानिनगनामाना विमानकठौगमलहृत्पुनिये हगोमल रागवाकृष्टु ह  
 त्रविल विविधविचिक यठदामधल्वामन मूकाजालयलिकितानीयुधसिकानिष्यथीकि किनानियवव  
 वर्ये नालिसफसरुसानियुलिष्टकानिष्यथीयुलेयुयैरिका मगुल्लेसमाधितासमन्वनिहृत्का विहनाम सुनामा  
 स्माकं हृदस्तुगवर्षकप्रमगानोप्रमा विहलविहलिनिविहलगी यव्ये इठामगाहसदिष्ठमन्नयानराजलानि

३४

माग्नेयनिष्ठयनायमानासि यत्रवदानकदालिका लज्जस्तुगहस्तानासि जज्ञानिगतानाम यिवयानिनामाजा  
 हलीसि विहयथीनि विधयन्ति मालयसि गिविताद्यपलाययन्ति स्ववयहृ इस्तुगवता निकवस्तुकव  
 दुयवेडायुलस्तु स्वकस्वकानीयव्येडात्रयलकल इठायिथ्याम यस्यायवेडायागदाहविद्यगिकस्तु नस्यामहानाज  
 थाडालवेद्यपुस्तिकाकस्तथा आगुलस्यवरुस्तन स्तुत्यमस्तलाजस्यना म्ना नानागवधूया युधययिस्तथा  
 यव्यारिकिना धलनिकित्वादियावाविद्यस्तु वेद्यप्रजाकस्तथा मदिवायाहृ इस्तुगवनयवेडायकृगु हग  
 हिस्तुस्य ०० हृसंयुपलकली रुसगिस्तुगारिहीकृ यलवक्रविद्यसि निद्रावायिस कस्तुम्यडलावायुयजायन











मालानिजिस्तु कनसहो न्यवलवारुन न कार्ये सर्वे सत्वानी सर्वे विद्याः ह्यथ म ॥ आद्यथ म ॥ असंख्यखगवस्तु सवस्तु व  
 लनिधो धसल ॥ इलवर्क वजसम्य वजंगम वजयल ॥ सुफुड्डुमल्य विल जाविलु सवनागप्राफ ॥ असन्य जलल्य ध  
 नायुक् रदिसिवियस्त्याहा ॥ ॥ स्वस्मस्तु मम सर्व सत्वानी व ॥ सुथगस्त्यनामा ॥ वलनेष्व यो वियक्त नवस्थाहा ॥  
 वृद्धस्य वचने सुत्वा लोकयाला च मुदिता उक्त गुणातिस्तु विग्र ॥ अस्मासूयी जलिकृताणि तातुसगनास्तु विदिकृता विल  
 सिक्ता ॥ अथलास्यदगदिदमाहनाद नूदिनयत्र ॥ सुविदित्यामाहना जास्तु सुसम्पु हल्यन ॥ अहविद्यामाह विद्या ॥  
 सारुसयमदनि ॥ यस्यास्तु सक्तिरुक्तानि ॥ इत्वावृद्धस्य हाविर्क ॥ यथाय जालिगावकी ॥ लसिवास्तु सयाफ ॥ इलमलास

३२

माविद्याः मेस्तु न प्रकासिता यादृक् नास्ती मनेन्यस्त ॥ वृद्धवाक् संतु तालिता ॥ सुम्यान् वक्तव्या लन जकुपुगानस्तु व्यनि ॥  
 अग्निप्रकाशयित्वास्तु ॥ गृह्णित्वा सितसंवायान ॥ अस्तु मल्लु न संयुक्तान ॥ प्रकिस्तु वा हतासन् ॥ इस्तु उद्ध वतुदिक् रदिकृता  
 ववल्लमदक ॥ यदिकिप्रलम्पयलिदं ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥ इत्वा ॥  
 नि ॥ यक्रुदल्लु नस्तु ज्ञोता ॥ सुधादरिवनयास्यन ॥ मद्यगल्लु ॥ इविद्यनि ॥ विस्तु वयात विद्यनि ॥ यक्रुलागनयिदिसा ॥ अदकव  
 स्तिनायधनिनगर्क ॥ कदाचैननिधस नन्नयस्यनि ॥ कुथलन्ययसस्विन ॥ अस्मिने वलनलप्य ॥ निरुक्तं सैवा समागमा ॥  
 नयाललरितायाया ॥ नायक्रमल्लु ॥ साहजयमदनं ॥ इत्वा ॥ यायक्रानानवस्तु ॥ सुस्य वजयलकृद्धा ॥ मृदानस्तु सयि



ध्यनि। कर्कशकललनाजकास्यरुक्मि। किं धूलवायुसवधमनिकविद्यायास्यनदसे। असैसालगममिनः। सकेकरी  
 मावक्रमलुल्य। सियाविष्णुमाहनाजासमागम्य वसुदिर्घी। यमैसैनाहसन्नद्धे। निबल्लसुदपीथक। वृकलावृकयद्योया  
 डकिन्नालविकृद्धकायकिं स्यनविकृयाक। कथनावाकलादिर्घी। नास्मासमागतानाहि। कलितासुसासियाप्रसलिकनडासा  
 ध्यासर्वेहृदिसमागतावजासन्धयधन्नविमान्यवृकनिमित्तस्य। सुतावृकामहावृका। याकृलितानममस्ययि। सुवन्देयवृक  
 षामानियनिका। ईनसन्निकृगायमयनवइहूल। भलनाजवयुवैयिस्तु। यन्नेचंडालविवायि। नकस्यनीवालीतासुव  
 न्नुवनकायनलकलमयारता॥ सक्त्यालाकयुधासु। वृकनाकयितामहयसुतालाकनाथस्यलाकयालानयवयुविक

नयाग्रैलाकयाननी। यवदानीनूसासनी। वृतावृद्धाहिजायसु। वृद्धयुत्यकजाज्यिसमष्टिगा। जायसुवाकनानावव  
 वज्रगमवइयालगमा। लिखयवमहागागमन्सुसुमेलवाकना॥ अयात्तु। कालीयुव्याकै। वदसमानुषीयुजा॥ वाज्रलाम  
 वनेंइहृत्वालाकयानावृवाकननचम्यनमाहावाकननेचम्यकुलमहामून। नुसयिल्लाधयिकामा॥ सप्तगासागलावयस  
 थोरकम्ययिल्लासुधलनियुलीवसुववैयिष्यामभ्याह्वनवडसुयोतथानिल॥ नकृगानिबसवोनि। रगमइथाहसुनदि  
 षा॥ डिगडमइसनारासाप्रान्नमसर्वेडा॥ ययइगाहविष्यीसि। नवलाकहिगायता। नाकसयनपाठवरण्डकसुसु  
 कालनागायलोहवनिहृगानि। हिंससुमानुसियुजा। असुमन्नुहनाकासु। दसयतिपुलाक्रम। असिकाप्रयि



60

[illegible]



89

[illegible]







सिस्वलाऽयमं वस्त्रालवर्गिमी महाकन्दारवल्गुस्यनाऽकालनिलकयिस्काऽवः हलियिगलाऽष्टुविलामानिकसाऽवः लकला  
 सिस्वक्रियाऽसुक्रमानाविष्मन्निःकनयसीयुग्टकवो॥ किष्कुदसालकुरुसाऽमृष्टमकिस्वलादिवाशाऽज्ज्ञादिसुग  
 गाला॥ कृत्वाहर्कययुलिगो॥ वृक्राहृदयठकनिःजघनैरुक्रमानकाऽकललाहृकयादद्याः हलकयानीनोवली॥ ज्ज्ञादिसु  
 कर्लकायना॥ ग्रासयनिठनावद्रुनः ग्राहिल्यामानूवावमोः लाहिसनययुनिनी॥ विवल्गुमयसीयुग्टविधियनिदिष्ठमद  
 ठा॥ नगलाऽलीययस्ययुः विवियनऽकलाकर्लवाकयिन्कवृष्ट्यानीकाहृयनिवदुदिसऽकिसीमिष्टकगन्तः लाजयि  
 ग्रामहाहृयाशासधेसमागतास्यिः विद्यायास्यनकविताऽनमस्कयलुवाविलः नमस्कयलुवाविलः नमस्यामिजलिका

४३  
 ४४

लाबेदुमेलानोनमाकुसुमा॥ चलकिनगलाग्रमालासुलाठकलसुवायक्रुजोलाहलाधालानुमामकृषिवास्तिना॥ माहा  
 कायामाहाहिमाः माहामलमहावमाऽदसठावासरुसाकोऽमहाग्रमसमहाहृवाशाऽमहसावलिवालनः ४३ सुहृसासुहृल  
 वाऽज्ज्ञादिसुमैग्यहिसाऽवः उल्काहृसावतुहृजाऽउन्दहृसागसुहृसाऽसुलिनावज्यानानाऽउसास्यनिदिष्टाधीत्यद्विष्ट  
 त्वासुसमन्नैः प्रसन्नगुप्तकासधेऽइसनामालसिगाशाग्रसक्रमानूवलाकनलवायोसुथसुलाना॥ उष्ट्रमासेष्टवृद्धिलेहा  
 ग्रीगमऽकामल्यिना॥ सिधुद्याष्टवमहिषीऽरुमषलाष्टरुषिलगापक्रुद्विधिवृकच्यक्रमसगमलेउविहालकैऽकयेलाऽवकयि  
 पुर्वैरवन्नेहृकलकलेशाऽमल्यककैयकयेष्टवऽअयल्यकाककाकीलेशाहृमल्लुकगृहृष्टनादिः सुथसिमिगिलामायलो



रुसकायास्तुःसूर्येऽकाशविहंगम्येऽकाशेऽपि कलकलद्रयलयक्राऽयस्यसिमानुमानाः। सूर्यस्तोयत्कीवस्थलसंस्तुत्यतिजनाव  
हन्॥ कथाश्चिमानूरवसिर्भःसलीलैरवलकोट्कोर्यै। अथानहोऽवसाच्यदृश्यसुविकलाष्टया॥ विनग्नकामयालमात्रस  
मावगुलिता॥ पदंस्तिक्निऽउल्लयिताऽवसिऽयालिनाऽमृद्विनिऽअल्लर्नीऽवसिऽसंकायनिऽमायाजाऽ॥ विविक्तुल्लयाद  
इयन्तयावसिऽयानिसकृत्तिगयस्तिऽयद्वेगाऽवसिऽवकधलायल्या। संख्यागाऽस्तसदृसानिऽमूरवलाऽद्वल्लसुकोगाऽ॥  
उत्थादिगार्यादिमूरवारवल्लुद्वलाऽवलाऽकसाऽद्विन्ननासाऽद्विन्नकल्लुऽद्विन्नजिक्कावलिऽमूरवाऽ॥ संचिन्नरुसायाऽद्वव  
नसिऽरवाऽद्वलाऽकसाऽयद्वनिऽवाम्बगाल्लिऽउजाद्विऽसतिऽकिऽविऽया॥ मानुषानांसलिऽमूरऽसूरऽदृश्यसुगदृशानामा

[illegible]



नवस्यकः उहो नन्दो यनन्द को वक्रुनडावजमसि गगमसि वृद्धसागलः सुयुक्ती यदिल्लाजानः सागनी कारयनि ॥ नाग  
काकिमरुसालीः नागकन्यामाहाणगः अङ्गि लीसंयग्यकवेः लविर्वडावर्हावयिः नक्रस्य वलिवानीगी सुतल्लुयुय्यवयम  
इलशासुविनामावहयः म्यत्रयवयल्लमद्वलशाविहिरुनडवखाचीत्यः लाहिलाकडवन्नडवड ॥ यिगलडवन्नवस्यव कथिना  
कडववेदिन्या ॥ केशी इलडवमस्ययः ॥ उलस्यवदिद्योलयमदनसुगमद्वानसुयोमि सुडवकंदू ॥ सहाजनययध  
तः उकायक्राडवड हसावजयालीमाहायक्राडमेयानयपुललुलकयिलह सुडसेनाविष्णु यिल्लुलकल्लहमद्वलडक  
मीसायकिडवयिः पीयिकडवडिनवेसुडमह सनामहायकः लसुवाहमाहावल्लयमडवयमइसुडवः मालडवः

यिससेयकडहनीनामाहसोयक्राः यक्रकासियविगुहा वालिसिचससंन्या उगिलिडालिवयक्रली ॥ सीमल्लयामाहा  
सुजाहलिसिनामविहृता ॥ चल्लुवल्लुलकायवः पंचयसुडातावताः आकागाककोठिकालिः यइमायइमावति  
यव्यव्यडनिविसायावः रवलकल्लुवलाकसी ॥ वल्लुनाविष्णु नडवयिः रुनिथिगल्लयिगना ॥ कडुनानागडसुडवः नीमि  
मिगागुरुसुकड नाक्रसिमुडदसाडवः वक्रुनीनाविष्णु नागथ्य ॥ यक्राहलालुल्लुवदः नाक्रसयिडुडकंशासुन्यवसु  
गुरुत्वाथः गावाडवमृगमानूरवान ॥ सुक्रयसुडवडिचसारः आवसुडवडिहमडसयायकम्यमाना दलनिगावयसु  
वनस्यसिनः ॥ काडवयसुसिवाला मडयसु ॥ मीयजाडयल्लसुल्लसुह्यना विद्याहकासमागसा ॥ नमसुयुहवा







हमानीनकेकसिमासमागता<sup>१२</sup>वेरुनाहललेलहोःवेरुवेरुनलहोःविविस्वगीस्ववायसुडियस्वन्वसिस्विता॥०  
रुडहानयसादनउडगस्वप्रमानसगस्वकाहमप्रयासिन<sup>१३</sup>काहवेरुमनमूस्वस्वयवमयययनायनिसननासस्वि  
दीष्टादसस्वियस्वयकृपाहवेवःतथाडालकडालिका<sup>१४</sup>गडस्वअयीनस्यनिसिस्वियोरुयानिगताअयिनकस्वचन्द्रस्य  
स्वगहायथनिसालनासस्यविजैरुलस्वय्यीजैवर्द्धयानतायेनैःहमलक्षमनूयिलमूवानिविकलोतिवायकेविडस्व  
नाकवेलाकलहविगहा<sup>१५</sup>दग्धनर्द्धहनिस्वतिनीसवेहर्तैजैस्वस्वडागुलिनिगुलिःययैयनिसिस्वहनिवशासत्वा  
नीवियकृनिःस्वियनिसिवाडडोनियायकानस्वप्रापूस्वस्वानयिडयसिस्वचालस्वहवाकृतीकिलायका<sup>१६</sup>निसिस्वविविग

कथात्रयस्वहस्यास्वकामत्रयिनी॥चडानीनकस्वत्रयलसूयैगहत्रयनःवायज्जकासलूयनयिणिगाउस्वाका  
नालनूयनः<sup>१७</sup>गमललेलवत्रयनःविक्रमस्वअहयनःवृकावेरुवालेयवाडाथकमालत्रयनगर्लस्वसकनावनासडा  
वीगानीहयनःआलययथयव<sup>१८</sup>रुहानीनगलानीयचालमूवसिस्वयगहाहृहियाजिसंकार्यःकयउगायजसिस्ववा  
विविगालीवत्रयालीविविगालीस्वलनिवःलागमनिविगादडैयसिस्वयादिनवेकायसंस्विगावियलिसंवेदडैनिःसर्वेला  
ग्रयूलकनीयावस्वियकृतिलाकःसर्वोदडैयनिसिस्वअन्यथा॥सर्वेसमागतास्वयिवियास्वनकथिगा<sup>१९</sup>नमस्वयवाविलन  
मस्वयूलवालेमगानमस्यामाकलिकनाःहमनाजानमस्वगा॥स्वतावेरुनलमलाजाःउक्तिगाथकृतीलिशावकीकविस



वलन्यः यनिकाः नसन्तीसु ॥ लाकप्रधासकलनरः जगिकल्यमहाम् ॥ वक्रुवनि सरुसालाः यक्रानीमनकवलुताः निगृतायः  
कुलदिग्हागिदिदयस्मिन् इहवान् ॥ सुषादलुप्रनव्यामिलाकनाथस्यसंभरवः ॥ स्याद्यथ्यदः ॥ मलनिष्पन्ननिप्रवृत्तिनिप्रवृत्ति  
नीः विद्वमतिः किंप्रलुषः सकलालथासालवतिः उलद्धनलः उलद्धालनिः उलद्धवलन्यद्याववस्मिसालाग्युक्तनिस्वस्वम्  
ममसर्वसत्वानीः यद्येष्टीदिसिखाहा ॥ ॥ वक्रावायगकवलकयालमरुखलः ॥ यक्रस्यनायुक्तयः कालगिद्वस्य  
ठिकाः ०० दय्यः गद्यवयस्मिन् इहवान् ॥ माहस्मिन् वियोनसुठसीस्वपीः ॥ गद्ययोनवलनवः ॥ निरुक्तासर्वेलागम्यः सत्यम्  
ममसर्वसत्वानीः ॥ सर्वेभ्योपदवप्रसंगेष्टस्वहा ॥ नमस्तुप्रव्याविलः नमस्तुप्रव्याविलः ॥ नमस्तुप्रव्याविलः ॥ नमस्तुप्रव्याविलः

म  
धर्मोलागान्मुरु ॥ ॥ वक्रलावायिमाहनासकलाः सुलिसदस्मिन्म ॥ इहलसिलिवान्द्रसकनविक्कद्रसवलडाल  
गस्मिकाकिलनिद्वोवः स्यद्यदइस्मिन्गदिसुवः सुः ववस्मिन्सरुसानीः गद्यद्योनाक्रसाम्न्यः निसिताः यद्येदिग्हाग  
यिदियनिसुइहवान् ॥ तयादलुप्रः नव्यामिलाकनाथस्यसंभरवः ॥ स्याद्यथ्यदः ॥ धलनीष्पन्ननिप्रवृत्तिनिप्रवृत्ति  
निः विद्वमतिः किंप्रलुषः सकलालथासालवतिः सालवतिः उलद्धनलः उलद्धालनिः उलद्धवलन्यद्याववस्मिसालाग्युक्तनिस्वस्वम्  
गित्यास्वम् ममसर्वसत्वानीचः यद्यदिग्हागस्याहा ॥ ॥ लाजाविलद्धकव्यायिः प्रागलिकसुताः सुतः सर्वेष्टसर्वेष्ट  
वः सर्वेवादिप्रमदेलः सर्वेसमयकताचः सर्वेलाकविनायकः वक्रुवनि सरुसानिः कस्तुताप्रतपस्तनाः नीसार्यः इकिनयः







मालकस्य सवक्त्रकस्य सगमगवाक्कालीकायाः यजायाः सद्यवसानुवायाः वृद्धा रुगवन्ता लोकउत्पद्यका वैद्यविकित्सक  
 यलमाव्ययोः कृष्णालाहिषम्यानसुष्णीकिगुनेक सखस्याथयः नेकजनयद्यलाउत्पद्यका तल्लस्यहताः यस्याडिडिवृद्धा  
 गवन्ताविरुलनी नस्तुतामनूयामनूयविहययसुयामन्यनः रुगवस्तुभवविजयमानस्तिकः रुगवत्वालायिमाहलाडा  
 न्नः यैवयवमातानि ॥ दिव्यानिरुगान्तामादाय ॥ रुगवन्तः पीयूषदुपनामिस्तवन्तः उपनाम्यरुगवन्तः भववीजयमानो  
 स्तिगाः ॥ मरुत्सुलारयि यदयुताउच्छाविसतिष्ठः माहायकास्थनायसुयहः वैष्णालिमाहनगलिः सुनायसुकान्तः मयैतवम  
 यावैष्णाल्यामाहान्नगलयोः माहजनकायस्यीथैः कृताहविष्यनिवृद्धकार्येव ॥ अथरुगवानयुवोक्तकालसमयनिवास्यया

१०

रुचिबलमादायाः हस्तयाडगालिस्तस्के ॥ साहृगृद्धकटाख्यवेतादतादातिस्त्रयक्रमहानिस्त्रिचसयुक्तिकाः सयलिवालाः गम  
 यकानीययकीदयैः कृत्तुपनामीतवस्तिवीजयतिवस्तिता ॥ त्वन्दययहमलाहसत्यानाः याफारुगवाः ससक्तसंघाः  
 ह्येकतायवेतादयतिथ्येयनवेष्णालिमहनगलितनायसंकान्तः ॥ अडाकृत्तवन्तयनवेष्णालिकालिक्तवयाः रुगवन्तयातादिकेयसाद  
 नायसान्कन्दारीसान्कमानसायलमान्कर्मः दम्भेसयान्कः किस्त्रिदियेनातमिवसुदान्कः अरुमिवाक्तवियुक्तनभनाः विलेद्वान्किंकिमि  
 हायुत्रखलकलेसम्भल्लकृष्णान्कः ॥ अमितिहिष्णानूयाठनेः सैकसमिर्स्त्रिवियकस्तथगन्तः सलिर्जः ॥ अलनाजः ॥ वयव्यव्यस  
 ॥ सुयोवानिवाः यमस्तुताजाकुगालाः ॥ वाहकालस्तस्मिन्सायागिलिसीखलगस्तुजालनमहाभगिस्तः ॥ अगामाहानियववामिक



ला खलवलुगवम्यवरुगवनासकतयसि विलावक ॥ सरुदठो नादवर्वेसा लकालिकवया रुगवसा अफिकयेतीसियुसायया  
 मासुनयसनविसा यनमागेनरुगवानर्वेसालिमाहानगलियुविहासि ॥ सुस्मादिहमद्यनिसिमेसिवयनिसिमा समाज  
 यनीसा ॥ यथा वृक्षिर्न वक्रवैकिमा ॥ उद्धिगर्वेसद दामधेयमकसुधगयताकेनानागिद्वानिप्रयिर्सेकुला यनरुगवसुना  
 यसंकार्मफिसम ॥ उंसेकम्यरुगवकयावयनियसुनिसिमा ॥ अथरुगवात्सुहसीविकलुविल विलिरिवसु ॥ रुख्यनयमविव  
 गरुक्रसुमालेन यधेसुविसु लकनयविसुनयन न दिवाकल किललमसिलकययन यसुसुवदुल सिमसुसुह  
 सा निस्सालेन सुखालिकविनासिनाधि ॥ यलिमागेनरुगवात्सुमनूसा सिमा ॥ माहेसुमाहेषु माखागुयाहेमयागतायय

क म्यवानुर्कयाअयादायअनूकललनअहीसेवद्धोसिसुवसुत्वानीच ॥ हिस्सुवाया अथरुगवात्सुमलिमाहा नगलियुविसुमव्यम्य  
 याम ॥ रुदकिलेम्यवसुसु वक्रुदिसमवलाक सुवद्धे वल्लु वाहुसायो उरुना सीगकविवलिता वावयक विसुविसुमकासु यडिम्य  
 समयसुधेयदुलमासु तथागकसुलिद्धासु यजयव्यनिसुमध्वमाहा साहसुय अदली विद्यालाङ्गीसुधेगहयमावनियीपदमे  
 प्रयोयीगीमसितायुरयानी तथागस्तानीसुमध्वेवद्धानी वद्धवदिहि कुरि कुली यासिका उगुरिद्वनिसुवावयिव्यनिसुधेययनिसु  
 सुखासुधेवृति रुयायदवागुर्नोयायासा ॥ कलिकलरुविगुरुविवादानसुधेसुन्ययायकाआकसुलादम्या लकमिव्यनी ॥ अज  
 याध्वरुविरयनिसुधेविरुथकयथा एकअकवक्रासहायसि ॥ रुगवकम्यसुदवावह ॥ कसुमासाहवसु रुगवमहासाहसव







१३

५४३

४५१







यास्तु न सन्नयगत्यानी स दसन आयो माक स्याविवर्तनं म्ना कृद्धानानी ह दनं सस्कायदधिनी प्रयातुर्नमानयवे  
स्तु स्य सैसारवर्तसंज्ञालसम्पदस्य उच्चा ली सधै संसाल यस्मिन्नानामस्ति यवगानी कृदनी मालयासस्य उक्ता स  
नी मालयलिखद्र ॥ उगी लली मालवदिसस्य उक्ता लनि क्लसर्मा मास्तु यवे सनिनी द्यौ लनगलनिक्रामनि संसाल  
गृह्णित्वा दिति स्याद्यथो दी ॥ स्वर्गो ध्याय उच्चा यल मालथियुहयवियुल्युम्ह संकथ्यो ली विकथ्यो ली विषाग वस्ति ॥ ३३ ॥  
साध्व्यवन्नवस्ति वासस्थविह्वनि विद्यागम्य युऽउयुति युध्यग ॥ सस्मात्कुममसधै सत्वानी ॥ सधै युयायववाय ॥ ३४ ॥  
यायसगृह्ण ॥ स्यात् ॥ व्यामात्रा नम सासहस्यमद्वनि माहा विद्यालाक्षी सधै ग्रह्यमावनियसुसं ॥ ३५ ॥ गसिस्ता

परयागाना ॥ सुथागाना जहं सु संमर्क वदानी ॥ वद्धमद्राया म्निस्तु ॥ सद्यवमानूखा सुललाका न सुलनि  
द्यौ नयुर्वयविक्रयस्थवार्थियगं गसी कवाप्राथे जहं संमर्क वद्धे सावर्क स्वयवोति सैवद्यायुक् कवद्धाग्नवकामा  
गायीतु दक्रिनियागुत्तस्मानियायथो यासितावन्नयवीर्त्तु सिलनकि सैदाने दसं कुताया लमितायुलियनी ॥ साद्धि  
सावाद्धि सत्वयो ॥ साद्धि सावाद्धि याधियाताल सैद्गता ॥ यनातिगामानत्रय प्रज्ञा सहायसी सकवद्यवानामिद्रमा  
हाजाजान प्रकताग्यकमनकखलाहगवतनमस्यमाना उव ॥ ३६ ॥ जहा विद्या माहासाहस्यमद्वनी आभन का सधै  
सत्वानी वद्धमद्रावम्निदिसंमर्कार्ययदास्याम ॥ सगं साहस्यमद्वनिसुसंति सधै हतानी म्निदिया म्निदिया तायाया



मनुष्य इच्छाऽथ यस्मात्सामान्येन कृत्वा दत्तं यन्मया विद्यावत्तानि मिताः सन्त नृणां लोका  
 लनद्धास्मिन् ॥ अथ यथा ॥ कस्मिन् गाले दत्तं दत्तं ज्ञानं सिंह मया साक्षात्प्राप्य रुसंगमिनिमालिनिद्रुल्य  
 मिल्लुल्लयिद्रुल्ल ॥ रुद्रं दत्तं सुदनि ॥ वनागवति हस्तिन्यनवलमतिवल्गुलिवल्लुम्यवनावल्लुल्ल ॥ अस्याव  
 द्यन ॥ माहासाहस्यमदनिविद्यानां हायमानायां यति साहसमाहासाहस्ये लोकधातोरवदिकालमकय  
 फदिद्रुविदिद्रुहस्तानेनाकच्छाम् जक्रनाकसेनिनादयक्रसुधार्थवाचरवयनी समग्रहा इह स्वमाहाकयनना  
 हस्तगना वयाविनय हस्तं संघां यनितां सर्वेभ्यः अवसाऽयानिद्रुतानी सर्वेभ्यो मयस्वनाऽयवहसोलिविद्रु

१०१

निसेययनिद्रुहस्ता ॥ अथ हगवासीरुमिवजमय अतिनिमिता तस्मै ववस्तुदिसययलायनि ॥ अथ वला नामहानाज  
 ल ॥ वस्तुदिसमहासमतिद्रुतानाकच्छाम् अतिनिमित्तकवक्तव्यवाकाहायद्रुवनी ॥ अथ वक्रासहायनि ॥ अथामयामाकासा  
 समिनिमिता ॥ सुवस्तुगालमार्य ॥ वेहायसम्यद्वावति ॥ अथमक्रयवानामिद्राहोसलसकि क्रकत ॥ मलविक्रयद्रु  
 दृष्टि नृष्टिपुष्टि ॥ सुनवसमो यनस्युः सहायीनाकच्छातो यं जक्रसकसहसानिसनिययिताह्वि विद्याभायर  
 तानिद्रुना वेहाममतानिद्रुविद्रुहस्त रगवस्तुयादयासिनासिनियायाकवल ॥ सर्वेसुखरुतानकीयिसमनाग्नेस्तमो ॥  
 अथ वक्रसुगवानागुद्रुकाभेवाकल्लिस्म ॥ सिद्धागहर्लिकानयासासयागस्मातिद्रुतिनी ॥ अहंस्तुवास्तुकस्य



संघं रुच्यनया गतिः ४ संवद्धं वृष्टि विस्तृतं । लोहिकाया दकस्य वा । प्रीति यस्मिंति प्रथमं यदि भूदा क्रिय्य लोहि । सकट  
सूतां भूदा । अजकल्ये वमं ऊलि । संसृष्टाय कलुषा ग्यन विस्तृतं गतं हयमहि । सारुस्य भूदने भू सु यदि वै जिन ल  
यार्क । विद्यालार्जय वस्तुन खड्ग याव वयं यं कन वस भयन वं भाल्या । माहन गयो सध्वे कृति रथा यद वा य स ग्नीया ।  
या सायु निम सध्वा । यक्रा नाक समन न्था मन न्था । स्वर्क स्वर्क लोह । ल म्पति की ला । वेध न का जी ह्य ध्व सध्वे ला गवा  
या विनि भू ला । सध्वे भू रव समर्थि ला । वृद्ध भू रव य साध न । समल्ला गा वा व सुव । स सुक सैमी तं ल न्न सु क य द्वा हि ल  
ला । भू ला स्य न विरु ल न्द हं सध्वे क स लिका क का किल म य ल न्न क वा क क स ल नि र्व कि व यं कि गना । स वृ लं नि हि

निस्त्रयिगस्तु काययिदासायुल्लूस्ति कि नला ॥ अथयिस्तानिवनन ता दानि नला तिस्म हलि स्रवम् दं गमयनचला वविना  
 यवययथस्तु नस्तुयिः प्रवयुयाथानिस्मा दालिम्बविलामलकं च्यगुद्ध अस्त्रकं प्रककथिथ अवनसालतालमाल  
 ननी गिनक वम्यकट्ट नानागं वनयुम्भु स्तिस्मा ॥ दवतासहसं हिहिकाल ४ युम्भुस्त ३ अस्तुलिका द्वे यथ्यद्वयो म  
 एयुष्टु ॥ अमानुषा अगद्वना कया इहता ॥ थवत्वानामरुना ननया जलया ॥ ४ ह गवस्तुम्यत दवाचतु ॥ ४ मं ह दस्तु  
 गवकु मारुसा रुस्यमदनीयमावनीय वृद्धमृदा यमं यथोयय ॥ कचिस्थियायदाय लिगृहिस्तु ४ कारवाया द्वालि उगृष्ट  
 द्वा नयित्वा वययित्वा यथोवायलि स्त्रीगन्धीत्या द्वालयित्वा ॥ सर्वे ४ स्ति रयायदवा यसुगं याया सार्वलकली कह वि



गरुसुतन वद्धन विवादायावर्त्यसूचय्यायुका अक्रसनाद्धमौ नाति क्रमव्यक्ति ॥ ययध्वह विव्यक्ति सध्वगह विहंकल  
 तनवा सुस्यसीभावद्धकासे सुसागन गि सुक्रहक मूयवा मिखयलि वक्रि सुनसध्वमान्नवसिध्याय दयलि ग्यरु सुनसध्व  
 त्वमन्नवि सुन वस्फा हल न्यङ्कन ग्रामन गल निगमसीगा सुकक्रना चय ग सु संकाल कृता निरुत्वा मद्धमाया ना  
 उद्धान्नीयय्यावकि न्नाद्धन निरुत्वा नाना गंध यययी सुया ॥ वसु दी र्वरु स क च का ॥ सुस्त्रा क सुखी स्त्रा सुसु रु स्त्रा प  
 यय क थानिय वृद्ध न्नाव त्वा ना नल हा ठना ना गल्ल्या द क य य्य सु न य लि य नानि ॥ सुय य थि व थानि ॥ य यो सु काल समय उ  
 म्ना सु सु रु स किल न्य ॥ विद्या ग्ना व रु यी सुया ॥ दल ख स्कि क या सु सु क यि य यी ॥ लिखि त्या चालिकायी म्ना क्रि मा रु व र्व सु म

१७

हावृक व माहाध्वज यय सुया नाना यय्यो गद्धध्व य क्रमा र्क य ठा क य थ्या ॥ वला सुय लि मा वि ग्राह विव्य न वं जन य द ना सु  
 ना उद्धानि थान विहल य व क्रल क सु सा ना वृक रु ल रु सि रु ला म्ना ॥ सा ना या ॥ सुसाला न्यय ग सु संकाला रुत्वा र्व दि न व द ला ग्नि व  
 ठाल्य यय्याव कि न्नाद्धन निरुत्वा दाल साला ह म र्ना ना गद्ध य य थि गी रु त्या सध्व विठानि सध्वि वा स क्र य यि त्या ॥ व सु दि सी य क्रु सु या नि  
 अरु तै व यु वि सु या नि ना नाले गानि ध्व सु गानि ॥ द्वा ल्य वद्ध नि यानि ॥ गि यी रु ल गि रु लानि ॥ नि य्या स्य य न ॥ य य स य नि यानि ॥ विद्या ग्ना  
 व रु यि सु या नि ॥ लिखि त्या ग थ यि त्या वा द्ध म्ना य ॥ य उ नि या म्ना न स्य ॥ य ल ता वृद्ध य थि वि म्ना म्ना वृद्ध स लि न वा ॥ स म्ना रु क  
 म्ना यि थ वा र्व ना य य थि म्ना वा ॥ हा क य थि मि व व वा ॥ व सु म्ना ना ज य थि वि म्ना वा ॥ व सु म्ना म्ना क ला थ य थि सु या नाना यय्यो यय  
 गद्ध वृ म्ना सु क व सु मा हा ना ज म ह स्य य क सु ना य थि य क म्ना न ग्ना हा गि नी व मा सु र्वी नी ल न य र्ज क सु या ॥ त वा ठि य सु म्ना स्य स्य



मृगमसर्वसत्त्वानां च भूतानां सर्वेषां हि यत्नानां स्यात्तया त्रहोमयो मयत्रा नूयं विद्याया वसुधा विवदनाद्धो संवद्ध  
 लाक्रया लेख्यमृदिस ताजना निययत्ता लासुगताय वै ॥ दत्तानि मिता हवेव का मनीना राजनामरु ॥ गृह्णित्वा या मनीसाता होवद्ध ममिताय मी  
 नस्तनसत्त्ववाक्त्र अस्तु हवस्तु उद्धं हली माहायं वि ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र  
 मृगलस्य नृजाय हृद्धिना कनाका कस्य रुन नलिद्धाद्ध काध्यय सत्त्वसास्तु सिंहा वियोन ॥ हवस्तु उद्धं हली माहायं वि ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र  
 यो मिताय मी ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र  
 मृगलस्य नृजाय हृद्धिना कनाका कस्य रुन नलिद्धाद्ध काध्यय सत्त्वसास्तु सिंहा वियोन ॥ हवस्तु उद्धं हली माहायं वि ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र

१५

स्यादवतान संयुक्तं नय वृक्षं स्त्रिया वालक्षणा ग्राय वस्तुन ॥ ससातनय व्यावकि नाता नागद्य वयद्य नमि कृत्वा उस्तु यया र्क  
 रवस्तु लव दना गि वयुता ल्य सर्व विज्ञानि वस्तु दिसे ॥ यविस्तु ल्या निज ज्ञाय कस्तु यानि ॥ नाना लीगानि सुगानि गस्तु वास्तु लवा ॥ कस्तु य  
 वाकालु ववा ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र  
 कर्तुं मृवस्तु तस्य मृगस्तु कसाय वय कर्तुं विद्याय नियं ॥ सतन र्क सगु कं कित्वा ज्ञायं यस्तु कस्तु र्क ॥ दैव माहा सास्तु सयु मयना सुत  
 मृदा हत्या ॥ यस्तु क वृद्धा भावकानी वस्तु कला कया नाष्टय कस्तु सनायुति स्त्र ना कथाय कामान मी ॥ हलित्ति वस्यति का ॥ विज्ञान कस्तु  
 सास्तु र्क यतास्तु क मी क्रियस्तु न सिव जय नाना निवद्विद्ध न दारुक ॥ वास्तु नृजाय हृद्धिना कनाका कस्य रुन नलिद्धाद्ध काध्यय सत्त्वसास्तु सिंहा वियोन ॥ हवस्तु उद्धं हली माहायं वि ॥ गृह्णित्वा यत्नया मृगं सास्तु यस्तु वति दिव्य होवयो मृगताय मी ॥ गृह्णित्वा सत्त्ववाक्त्र नत्र



वाक्कनकारवा दकमोदक्यि ॥ नानागद्वतथायर्थो व्युदियुं तथायनः सर्वप्रायकाः ॥ तथार्थं रुम्यश्च खलिरखलना  
 किनिगम्यलेखाहा ॥ गद्ववखाहा ॥ प्रलंगनाखाहा ॥ सर्वकार्वा दकि सुवतालक दनिखाहा ॥ नर्ममंकय दाममसर्वसखा  
 नीव ॥ सर्वकार्वा द यतायोरवद्धिमेनुविष्य प्रयागमसर्वेदवैठक दिकाम्फुदिकाजितायुनाजिताखाहा ॥ गलगलु वैगय्यो  
 सानाम्ना दगदयि दक ॥ गदलविरवयायुकायुलिमावयि सुकाम्यन ॥ मासुनसुविह्विसुन ॥ सुदयाथसुन निरवन्तु  
 न ॥ यविद्याडदारुल ॥ सुठसामवे सुतानीयकजिन सुठसा ॥ सुठसाहर्वववीयोनसर्ववीमंकुमलि ना यझाया सा  
 लिय सुस्यमंगल्यववलिदिया ॥ चक्रवाचालि नृद्वस्य कस्यप्रस्य वरु ॥ गुर्लकीदिन्यद्वयाक्काव ॥ अत्रयस्य ॥ सुन

१०

मेग्रावेव्रक्त नष्टेव प्रव्येलासुक्ता ॥ <sup>॥ ह सुग</sup> विरव्यगेकयानी ॥ मरुखलवलनव ॥ सनायतिना <sup>वि</sup> ॥ र्थोनहालियावसम्बद्धायावीलसुठमाग  
 सी विषयसु विषयसदा सुकसं नृयदाम्फवस्तिनिविद्याविष इखना ॥ स्याप्रथय ॥ हलिकसिन्तकिल्य ॥ दहिनममनमलुला  
 यदलककककयना ॥ हसुइरवम्यइमनृगरुयखाहा ॥ म्रम्रइखाहा ॥ हिलमिलखाहा ॥ रुतागलु किलासावा ॥ वैगय्योवविचवा  
 का ॥ यि सुकाला हलिगामकक हवसुसुमी ॥ नागद्वरवमारुध्व नृगनाकगयाविद्यानिविद्या ॥ गवावद्धा ॥ वद्धसुयाहसीविद्यानाग  
 द्वरवमारुध्व नृगनागसुयाविद्याम्फगवाद्धमत्यजं विरव ॥ नागद्वयमारुध्व नृसुनागकृताविद्यानिद्या ॥ गवाताद्यासर्वेताजाहसुवि  
 विद्या ॥ दिवस्यमथाविमाताविषययुधिविधितायसुनसतवाकु नविद्या ॥ सर्वस्युर्थे विद्या ॥ सुमिसीकाम्फुविषयनयासीवास



ममविषयं स्मृत्वा ॥ अथ मम कलिकलविग्रहविवादयुल्लवक सकयनाजयनु कास्यनयद्वैमल्यवैययनाकस्तथा ॥ ॐ यं व मा  
हासारुमयमद निविद्यानाह्युधैस्तयिस्तथा ॥ वृद्धननिद्रिक्तमानाद्वयानवज्जम्भेतामैधनविजितागिथा ॥ ॐ धनअसूनादि  
ना ॥ असूलेष्वजिस्तुभामवेलास्तजनसागलव्यग्निनिनावजिता ॥ काय्याउदकनात्रियमाजिता ॥ वाहननीजिताम्रजानलव  
जनमद्वैस्तुसक्तनयवादिष्टुक्ति ॥ सतयुधिविथीता ॥ सतयुधद्वैमल्यवैययनाकस्तथा ॥ स्याद्यथादी ॥ अथ रुअगयव्य  
रुनलानिवालनिमद्योयसाधनिमयनाजिस्त ॥ हलहलनिगुक्तावस्तु ॥ रमेस्तुमगुक्तमोक्तिर्गोमनिस्वाहा ॥ यज्जकुनिस्वाहा ॥ ज  
यस्वाहा ॥ विजयस्वाहा ॥ जितायुधथातासवेयाया ॥ यनाजिताशततामास्तु ॥ स्मै ॥ ॐ मांगथाअहावस्तु ॥ अकाहनाजअवलाहस्तु

स्वला ॥ अमीतायननीलस्तना ॥ विम्वरुवठयस्तानामगृहितं सर्वेदानेर्वर्यं हास्तिन ॥ ॐ तिसुद्ध ॥ यत्र खववठानमाहायस्तिनाना  
मानिकिठयं ॥ अनूगृहायनस्तस्य ॥ अग्निन ॥ विरवनेस्तमन्ना ॥ कभीतकायकृपयुलिता ॥ सवयस्तम ॥ यकचउयथा ॥ ममकिकमत  
यद्वैकयसम्वरवी ॥ अनूसम्वरवी ॥ अनूसामलता ॥ अवलाकिनेस्वलास्तुल्ल ॥ स्तुल्लयुयस्तुयुष्टतासविस्तुउगृहिस्तामहवतस्त ॥  
हृजिस्त्वयामिद्वलनियुयय ॥ नस्तस्यकायनिठके ॥ यकीविदन्यस्तुकमोयलिसयनकृमो ॥ सगुदा ॥ ॐ स्तिमथाहाधिय ॥ नमामस्तु  
वृद्धअनुस्तुतावलाय ॥ नमामस्तुसययकासकाभून ॥ सस्तुयुतिव्याययजायमावस्तु ॥ सव्यवकामा ॥ सहलास्तुवस्तु ॥ ममसर्वेस्त्वानी  
व ॥ स्तुतामास्तुवास्तुताउयकृतीठलि ॥ स्वहाविता ॥ ॐ यमास्तुसाहसयमद्वैतीविद्यामह्युधक्रामिद्वमोनाजगुहाकली ॥ यनयय







च धारवन्त्यनकामिनित्यवकिवा ननयन ॥ सुकलनयनयस्तना माफिनदा विदालवयला ॥ कनियकिनीकथयानीककन  
नउत्रकमूरवमीदिका ॥ आनम्बाजम्फुलुव्यनयतासाठिगिदालकान्यसाठुकुहनाद्यानादालकानाम्फयकनात्रतासमानधिरवामा  
सुकयास्यनकविताठवदनानाम्द्ववीत्यकस्यनायकिमारुन ॥ सुस्यलेखद्वमृदाधदत्वाइत्यनय्यरवयताउगगकसमानल  
स्यताचधदसग्रहान ॥ केनमानिस्त्रायवम्बधनयिदितानिम्हानिविठनाध्यनियानिनीफवायदंयुन्यव्यामिसाकनीयस्यस  
मूरवमायस्यानजायस्ययुताजागावायस्यगृह्णफसीव्यासधर्मवलननयकमिसवम्बधगा ॥ वेसुस्ययुजयित्वा ॥ सन्नागासुर  
विहृतीता ॥ सव्ययानीकधननिययगंधसमाक्रनायवर्गगुयनयसिनीकानयसर्त ॥ अथवासु ॥ आगकाल्यमुक्रीहत्वाफ  
सव्ययानवृद्धनिमिस्त्रमिस्त्रावृद्धनावयकल्यलित्वा ॥ आर्वदादधवव्यानीक्रमानानीहिर्मकलि ॥ यन्मात्रिकमद्विधा

लु मि-  
सूर्यवृद्धननिम्फ ॥ सुकद्वस्यसाठमृका ॥ अठकमवमम्हलि ॥ स्याज्ययदंजंराम्बग्ग्रहंम्यहनन ॥ नदिविनदिमूलनिगिनगा  
म्वनागत्रनिसक्रुतागिलाग्यम्वयलावन्त्यनारवनसन्ध्या ॥ अथवाअगन्धअनयसुवदयुकव्यानिनीस्याक्रियेसनीकतांगहृत्स  
म्वम्वधनुंद्रिया ॥ गरुथस्रिवनाताम्मावनस्यजाफका ॥ सकीफतीगहकाल्यनयनीम्वयना ॥ नानालीगनिस्रतानितता  
होम्वसरवयान्न ॥ नताम्वयासमारयागाविलीजिवम्बदानका ॥ अथसासासधे ॥ म्वमीविद्याम्वयारुल्यदलकिहवसिफसुरवमाह  
फदालका ॥ स्यायथ्यदं ॥ वाक्कीवाद्धिमाहावाक्कीमफरुनिनिम्बदुहत्वा ॥ आद्यगाव्यासानवम्बसगल्यइवागयाइवागम्यठउव  
प्राफठउलम्बके ॥ अथहगम्हग्यहगानानिवावलीसाहा ॥ ततागुहा ॥ पुदसुद्धिवाठान्न ॥ नमहसा ॥ लिकजालाकनाथ



मोक्षवन्तः॥ यथेन गन्धर्वसुतः स्यात्वाग्देवतानां सुदानां प्रलियं यीयन्कर्मिणः सुहाविकैः॥ अनुविद्याम् विद्यां यथा सुमना हाम  
ना नमो हगवयं वृद्धाय नमो वृद्धाय सिद्धम् मयि कयदा सा लयम् ॐ मधिया माहावृक्षा नमः च म् स्वाहा अथ वेगवना  
माह्वना जात्रकासंगमगासंगरुत्वा कृताजलि हृद्गवस्तमस्य नवायय ४ कयिह दक सुगवहृगुम्वका ॐ दमाहा साहस्युमद  
नी ३ सुमृगृक्षाया द्वा नयधायल्य यो वा रुया ल्यवा हस्य कतिया गगा कलनीय ॥ वस्तु यजायल लविद्यन् ॥ नृमिव म् दृष्ट्या  
यं वदस्याय क्रात्या दालवै ल्यपगा रुत्वा ॥ विद्याव्याम गयि सुत्वा ॥ सुत्यात मयी यत्याना नयनू व्या माह्वना जाना यना सु ॥ सर्वे साहसी  
किनाम धारवय कि वक्तु दृष्ट्या वक्तु नाम मरुता ह्य दलस मत्वाह नति ॥ नाम धारवयनी ॥ यं दृष्ट्या स्वयमय वत्ताला माह्वना जा

नस्य मत्वाह रक्ति ॥ नाम गृह्णन् धारवय कि ॥ सर्वे सुख हि सान्निर्क यिवता वी ॥ रगवस्तु ४ ३ वकाय ॐ दमाहा सयमद न्ये सुफ  
मृगृक्षा ति द्वा नय कि लावय कि दृष्ट्या कि यथे वा द्या कि म् स्वव ह दक सुगवयं वत्ताला माह्वना जानन्वी वलयि दया सु स  
यना सन्नम नयत्य य हे वयं यलि काले लात्सु सर्व क निस्था प्र ॥ ३ ॥ सुमृगृक्षा यि क द्वा मानि नवला ह्य जा जामा हा मा म् ह  
विद्या निवृत्तिथे क म व न वाक्का नय निवा क काना यका मिस्ता मिग म् द गगा यि सु विरथ कि म् न सा द्धन क लय क न वा क ल द  
हिती वा सु वि ना ह वि तयी ॥ ३ ॥ काय ३ वि वस्तु विस्तर वक्तु ॥ नृक दस ह न क मा सु नृग ॥ ३ ॥ क द स य क न ह वि सु यी ॥ यस्मि व ह य गालि  
क सु य न सु ॐ दमाहा साहस्युमदली सुगं माव का यि य नि ॥ तस्मि वत्ताला माह्वना जानन् स्वयमय वल क वल न गृक्षि सै वि द्वा स्य



क्रियेर्वीरुद्धिकं मवन्ततगमलसाहसयमदनीमसुं यस्यायिगृह्णन्तु मोधिलादिदिवासेकययिथीनिलस्यसवसलयावदमन  
व्याजवकालललस्यनि ॥ नमस्यनियध्वहविव्यसी। सध्वेसु मगलस्य यं दं माहासुर्मदालयैफ कस्यवत्याला माहनाजाना म्रवमय  
दस्यव्यनि ॥ किंमगयनलिसुनयकलाकसाऽसकस्यहतायकविसुलाकविद्यासैविद्धास्यनिसत्वानाहितायं रूमातिमोयदासि। सि  
र्यावलस्यसुविलागाकमानि गस्तीलवियुलानयमानानिइलाम्बकलाताम्रसाहाननायियेधमोमूद्राप्रथयसहगदवनाजस  
वियति ॥ प्रीजलितानमस्कुलाकनायसमम्ववी सुहारवीला रूयैविद्यासध्वेनाकहियस्कली। विद्यामोहयवकभिभि मन्तोख  
यद्विसमागसाम ॥ गालिरवययमयामाम्नेमगन्कगलासुलैस्यल्ययम्यदमजिह्वासुकलिमोकाठी जयाखलिय्यनवलसंमि।

गी ३

लासामस्कं कङ्कलैवसा ॥ वंदनोवमकंकुगीनरवेवर्कवनायियेगुनावनास्यकोसव्ययावमन्त्रिनालीवर्ककमहंउ प्रसुगा  
यूकम्बनकं ॥ नवाध्वसैयगावसिऽसवगृहविमावनिसध्वेमुकविकालिषूयवाचतीजलिसृता गृहिगायमवमूयैकामह  
कवजयनेननेमाहायकैषूलसर्वमहावैसु गथेववायाहियुस्यतिकसालैसुह्यथानहयैगलसुनकहतानीयव्यमहि  
सैविना ॥ मूलिर्मरवमिदं गनियनवावायिनयय ॥ ब्रावकुयैतिसदास्यगससुहगमीदलाऽयक्रानिलययद्यायिप्रकिनाग्रामवा  
पिली ॥ यगासौवजमयैक्रियेसैयायिदिगसुनीथनमगमहतानामाचवामहिसुवीनी ॥ सुनिसागमादाय्यययक्रिययसुगवा  
सवगाशाजनसुसिसुतिहविव्यनि। अयिसनुनियार्कययुलजक्रसमागमासध्वेमोमसुल्यकर्वैसुसिनादनुनक्रसिगलगनु



नौ ॥  
 प्रवासाय सर्वे सद्यो यिथिस्तु कयुव ॥ स्तुतविद्यायिस्तु यिथिस्तु किं यमस्तु ॥ नस्तु नलय यमस्तु सर्वे कार्त्तव्ये ददने विदाया का  
 स्तु सिद्धं नाज दाने विव ॥ अस्तु सिद्धं सिद्धमाया निरुत्तु लस्तु मनिष्ठल अस्तु लस्तु यमस्तु अस्तु ना लस्तु लस्तु यावद्विद्या द  
 नस्तु नमस्तु सनति साद्वय ॥ नित्यं जानिस्तु कस्तु स्यात्तु कस्तु नेष्टु वविद्या लस्तु यमस्तु सान्ति कस्तु कस्तु मस्तु यदा स  
 निरुत्तु दस्तु मस्तु यमस्तु ॥ स्यादस्तु यमस्तु ॥ अस्तु मस्तु किं कस्तु लस्तु गस्तु यमस्तु निरुत्तु लस्तु यमस्तु निरुत्तु लस्तु यमस्तु ॥ सागस्तु वस्तु यमस्तु न  
 रुपिस्तु लस्तु लस्तु ॥ स्यादस्तु मस्तु मस्तु लस्तु वस्तु सद्यो विविदिगस्तु लस्तु ॥ निरुत्तु लस्तु सद्यो विविदिगस्तु लस्तु ॥ तताव मस्तु सद्यो विविदिगस्तु लस्तु ॥  
 याला मस्तु लस्तु ॥ यमस्तु नायस्तु यमस्तु लस्तु लस्तु वस्तु यमस्तु कस्तु ॥ नक्तु वाग्य कस्तु लस्तु अवायं यमस्तु लिकिता ॥ सहस्रं यमस्तु यमस्तु

वदयहास्य नसदवमान्वा नाक सर्वसक्तनयक मविन्वा सुप्रयुक्ता वय कना कसमर्द्ध लीना जयभावनाना प्रविद्यावेना  
कस्यायानि साहस्यमदनि सुक्त माहला जसुहा दयायुध मंगु मविनया सर्वसक्तयमदनि माहा साहस्यमदनी लाक  
लका सुक्त सुक्त म नमस्तु यत्र वा विनमस्तु यत्र वा क्रम ॥ नमस्तु मित्र लि कना द्यमै लाजा नमस्तु ॥ मथ सुगवा साया  
क काल सप्रयाय सेल याना मथ यही कना म कया नाम ॥ उगे क्र ४ यं हि कना माहा साहस्यमदनी सुगु धनयस्तु वा वयस्तु यय  
ययातक रुविन्यति सय वकस्य नाकस्य दिव्य नागु मथ यही साय सुखाय स्य सविहान नाय य ४ कठि विहि कना मम ४ वन ४  
माह सुग सुक्त रु विन्यति य लीगानं वक्षया ४ यनिगु रु सुक्त यत यय रुना निवजायन क्रिमं गयन ४ सुदिन्या न्यकस्य का







10



ॐ नमो गवसु अथो माह माययो विद्यालक्ष्मी ॥ नमः सावक प्रक क वद्धाय वाचि सफु ल्य ॥ संस्य र्क वद्धा नार्थ ॥ यम्य लय  
कृपायी ठगु ॥ सय सखा कृष्ण कृपाल ग्यय कृनु विरु सविखा ॥ का सु नति यमा कि ॥ नाना था ध्या यि य कि ह्य मनि सी नस्य  
कय यहावी ॥ माय नीना मठ सं ॥ गन गन सलि न र सु ता ह न मा मि ॥ ॐ ॥ मरु सं जी व ति य विः द्र ख स ख नि यान  
नी वेद्या ला गी मा हा ल्या नि ॥ माय मि यु न मा मि हो ॥ ॥ न मा व द्धाय ॥ न मा द्ध मा य ॥ न मा ॥ सं द्धाय ॥ सु का नी सं य स  
व द्धानी ॥ न मा ला क ह स्तानी ॥ न मा मि त्री य य र्ग र वानी वा चि स खानी मा हा स खानी ॥ न मा ना ग म मि नी ॥ न मा ॥ रु गा या मि नी ॥  
न म ॥ ह्म ता य ना नी ॥ न मा न म ख ल्या ॥ ॐ ॥ ॐ मी मा हा मा ला वि द्या ना डी ॥ य या ज या मि ॥ ॐ यं म वि द्या स म द्ध क र सि

न म्फु ल्क ग ना ॥ य क वि सु ॥ या था वी य ना र थ व ला ज न क्ता ॥ द व ना ग म ॥ अ र्क्ष ना ॥ म न र्क्ष ना ॥ ग न र्दा ॥ ग द्ध वा ॥ किं न ल म हा न ग ॥ य क  
ना क्रा सा ॥ य ता ॥ यि सा वा ह ता ॥ क र ता दा ॥ य र्क्ष ना ॥ क ७ य ७ ना ॥ कृ द्वा ॥ उ मा दा क्रा या ॥ अ य र्क्ष ना ॥ उ मा ल का गा ॥ ॐ नु म्प  
उ मा ल ना र्क्ष ग ना ॥ ग हा हा ला न दि हा ना ॥ म्ब स्या हा ला ॥ मी स्या हा ना ॥ म क्रो हा ना ॥ जा ता हा ला ॥ जि वि ता हा ला ॥ म्ब या हा ला ॥ मी स्या हा  
ना ॥ ग द्वा हा ला ॥ य या हा ना ॥ य र्क्ष ना ॥ रु ना हा ला ॥ स स्या हा ना ॥ अ र्क्ष ना ॥ य र्क्ष ना ॥ वि र्क्ष ना ॥ म्ब ता हा ला ॥ र थ स्ता  
हा ना ॥ सु स्या हा ना ॥ सि हा ना ॥ उ क्ति ता हा ना ॥ वा ता हा ला ॥ अ सु थ हा ला ॥ ह्य दि ना का हा ला ॥ या य वि न्ता ॥ इ क वि ता  
नी य वि ता ॥ पु न पु न हा ॥ ॐ मी मा हा मा य नि वि द्या ना डी ॥ य म्ब क्रा मि ॥ ग द्ध य र्क्ष ॥ य र्क्ष नि वि द्या ना मि ॥ अ य क्रा म नु म्प



यायवीरु इव विहा प्रलयानरुनाः सवेगुहाः डाडाहा ॥ इत्यनुमसोम्यविहः मेकयिरुः कल्यानविहाः इत्यनुम्यव  
द्वदमो संधारियसन्ना ॥ गद्यार्थकामांनिकनानिः कसुदिः संधी निः कमीनारिवलानिः रुमिकसिगामति  
रुनियुगलः नम्यपुर्लयाः कानपास्यदपिरयमइतिः यमनाकसिह गगुसनिः यतीकथामेगिद्वयययम्यमिर्वदास्यामि  
नकश्मीसर्वस्वाध्व सवहयायवववाजीवमुयवेहास्ययसनुठान दासतीसिधनुम्यमसुय दाः स्वाहा ॥ नवम्या  
सुतम्यकसिसुम्यः रगवान्नाः गवमीविलनीसि मजकम्वच्यननाथयिदस्यालाम्यः महताहीरु संधनसार्द्धः अन्यवेवा  
दिसले ॥ यन्नरवन्पुनः सभकनः सावसीक गजनाथयि दस्या नाम्यसातिः नामहि द्ययि वसीकिसा नवायकसु

70

त्रनाविनायवजिता ॥ मविनायसंपुत्रा इवालागकः रंर्यम विनयसंधस्याथक नाकदालनीयासुयमाना इत्यतम समास  
किदान्नसुरिकनानि कुम्यमहताक कसुयन दकिनयादीगुं दसुः सकसुकायाहमीयति सुः रंरवाहयमाना इतिनि ना  
पुलिम्यसुयमानसुयति अदाविदायमानान दः साकिनामहि दमावादि सुः इः रवीकं कान समनीहमीयति रंर नवाहयमा  
नाकिनीवयुलिम्यकमानं सयनं द्यवयवन्नः पुलिम्यनिगं कन रगवासुनायसंकान्कः डयसंकम्य रगवसु ॥ वाथोपि  
वसाकिमीदिवाः यकातथा ॥ उकामथीत्यायुष्यानीनं दाहगवकम्यक दवावत् ॥ इहासुगवान् सावसीकसुम्य  
नाइनाययिद वसालाम्यसाति नामहि द्ययि वसीकिसा नवायकतत्रना विनायवजिता विलायसंयनागज विनागत



करुयंछमेवियं संध्याथ ॥ जगत्कदाचननियान्तयमानाश्चरुमस्यातकिद्यात्रसुखिमानिक्रम्यमहताकिं कृष्येन यकिनयादी  
 गुह्ययसुहसकायाहमोयतिफुहृनीवाहयमानाश्चिनीवयुविम्वलुजमानाश्चयिगितसाहंरवनरयतिपरिपुत्र  
 यत्वेमस्तुगवानोयम्पन्नमानदम्ययवाच ॥ गच्छत्वमानेयतयमगस्तुम्वचनानयामाहमाययौविधानाह्लास्यगिरिकाम  
 मसर्वेसत्त्वानीवलकाक्रम्येसुगुफि यनिगानेयलिगुह्ययिगालर्त्तः ॥ गानिस्वस्ययनेयद्वयलिलननेसस्युर्लेविरव  
 इवनेविमनामने ॥ गामाम्येद्वनलीवयश्चक्र ॥ ॥ गद्यथायन्नगुह्यताः नागगुह्यताः असुगुह्यताः समरगु  
 ह्यताः गन्धदगुह्यताः गन्धवेगुह्यताः किल्ललगुह्यताः महानगुह्यताः जक्रगुह्यताः लाकसगुह्यताः व्यसगुह्यताः पोसावग

ह्यताः पुरुगुह्यताः कृशालुगुह्यताः पूरुगुह्यताः कस्तूरगुह्यताः उमादगुह्यताः क्रायागुह्यताः उयमालगुह्यताः उला  
 लकगुह्यताः स्फुयगुह्यताः रुह्याकामनकार्वायकिलनयतादविद्ययुष्कइहककइविसुइययाः इयारिवलुइनिरिव  
 नइलधिगा ॥ अम्यपूरुयान ॥ रुनायकाहिकाः धाहिकाः गियाहीकाः चामुथकास्त ॥ सनाहिकाः ॥ इमासिकोमासिका  
 दयासिकामोहिकासम्यस्वयिकानिधकनाधिवमकनात ॥ उतडालाः मानूरवडालाः दमानूरवडालाः धागिकायेगिकात  
 इक्षिकानसनियातीकातः सवेजानासिलागिमयाद्यावरुयकमोवायकमकिनागनासनागीसुखंवागकथनागीगुलुहंका  
 नडडन ॥ दयडुली ॥ रुयडुली ॥ यासुडुली ॥ उयडुली ॥ मनिहली ॥ गयहली ॥ मनिडुली ॥ उयहली ॥ जंथाहली ॥ यजनहली ॥



या नासुली यादसुली अंगययगडुली ॥ अयन ॥ तातो खतिविवाखसि खसि मय्यदिनरिह ॥ खसि सर्वेदकादिसनु  
 म्या ॥ तद्यथा ०० विठिकिठिलिमिलितिवि ॥ वाउयाउनाउमउदाइम्याइ नासु हलिनिल्यगमदिलउयिदिसू यासायिनि वरवनि  
 व्यानाहनी ॥ उलाहनि ॥ नलमलाकल ॥ वल ॥ ०० ॥ निलिमल ॥ तिलितिमिश ॥ इमरददम्य ॥ ०० ॥ तिमिनि विस्व अचयल विमल ॥ ०० ॥  
 अस्वमरवाकालिकलानीमाहाकालियकान्नेडि ॥ कुरुशवकुरुशकाकुरुकलुरुश्वकुरु ॥ वासाइम्यादाइम्याइमइम्याउमलाया जलाइ  
 यायलीयलाया ॥ यिउशरुलि ॥ ०० ॥ तिलि ॥ ०० ॥ हिलि ॥ किलि ॥ वरु ॥ ०० ॥ मरु ॥ ०० ॥ मरु ॥ ०० ॥ मरु ॥ ०० ॥ कुरु ॥ ०० ॥ कुरु ॥ ०० ॥ वा ॥ ०० ॥ या ॥ ०० ॥  
 जात ॥ ०० ॥ दमदमनि ॥ तयतयनि ॥ पययवनि ॥ कलकलनि ॥ ०० ॥ इति ॥ उठनि ॥ अरवनि ॥ रससुनि ॥ नयनि ॥ तायनी ॥ यवनि ॥ यावनी ॥

कात्रिनीकयनिमदनिमदिमयिकिकर्मकलीमकलीसंकलिः किलिः सकलिः कंकलिः डकिलिः सवलिसंकलीः केडोलनिः इम  
इम्यनिस्रक्रमुहनाया यलायायलवलाया करवमुद वडूँलिकिसिखाया मेतीमथ सुलाष्टम मेतीपलावच्यवचः विप्रयाकुष  
मर्मतीरुधुरासुमोकवयामनीनानागलाठव मतिवासूकिनावमे दद्यान्वसूनाम्यव यूनेरुघवमसदा न्यायनंदयाना  
उमे वक्तुवगायठास्विनोदवासूलमयिसंगमनूरुवनि महद्विकाः अन्नवतर्केनव यन्नयन्नवमेतिमन्नसुकनवा रुक्ककनव  
अनंस्तनत्थावासूकिमूर्वनव अयनाजिसूनमयमेतिः मेतिद्विखसूत्यानव माहाभनस्थिनानिफ तथैवमन्न स्थिना ॥  
कालका अयलालव रंगावानः ४३ मल्लक यदिमुखामनिजेवय दलिकादिगीयसि ॥ ककारुक्क ४४ रिदयालकसा ता



सर्वस्वनाथे ॥ नमो ययि यममैत्रीनागलाजनिह्यम् ॥ साकसकध्वकं रहील ॥ सविनामाकुर्यवव ॥ उवगमद्विद्यन्तकल्यनमैत्री  
म्यलिवीकन्तव ॥ तथययननकन्तनमैत्रीसकसुमरिवन्तव ॥ कालकद्वय ॥ सनयन ॥ बाणीयननमसदा ॥ नलयसुलम्यम  
त्रीलमूलकन्तव ॥ अमानुरवाध्वयनागमसत्यवागलमानुषा ॥ मृगालिवमाहनागम ॥ मयिलिदविह ॥ सु ॥ यिथीवियलाध्वय  
नागम ॥ कुर्यवजलनिठिन् ॥ अकलिकवनायव ॥ कवम्य ॥ समाधिना ॥ नकस्य ॥ द्विसिधरवम्यमैत्रीम्यथयनिह्यम् ॥ अयायक ॥  
म्यमैत्रीमैत्रीम्यद्विपदरव ॥ वरुयद ॥ म्यमैत्रीमैत्रीम्यद्विपदरव ॥ मयम्यदका ॥ मयम्यदका ॥ मयम्यदका ॥  
वमुयदार्मिस्य ॥ मयम्यदका ॥ सवनाम्यरवम्यमैत्रीयनागम ॥ यलनिठिन् ॥ सवनाम्यरवम्यमैत्रीयकविदीया

[illegible]



[illegible]

दोहका नी नमो इह सा खलयाल्य ज्यरवम देव ४ समस्त न दशमदि सा सूनमा वद्वानी खारु ॥ सायलेन समेवन न नयामा  
 लमाययो विद्यालाहलका खल्ययने ईरुला संखरु नाहिवन मयल कल्यकारि ॥ साद्वेताला मयना नामो ॥ उद्याननाधानी यम  
 सुयाखन यवेसु याखकाम्यरव गृह ॥ संकाभेय मरु ४ यमरु ॥ यमरु ४ यमरु ॥ नूविवल नयमा दम्यसा दन्यसु मयवे विम  
 लं नयुविषा ॥ ससु कृदिध नार्तु यथार्थ ॥ यनमिर्गुहिस कलप्रगाल यरवाहि मोरुज क्रमाले मयल यासु मयद्वग खमि सुम  
 व्यगसु ॥ स्रुति युगिलया ॥ नमाम्यवमालामायलि विद्यालाहली मनस्यकारवीसु ॥ नमा वद्वया ॥ नमा द्वा माय ॥ नमा ४ संघाय ॥ नमा मारु  
 मायनी विद्यालाहली ॥ नयथ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ नागल ३ ॥ नललल ॥ इमल ३ ॥ रुय २ ॥ विज २ ॥ थस २ ॥ गउ २ ॥ रुय जिनी ॥ वजि



नि॥ अंगद॥ यलाम्यला॥ वृंलिम्यला॥ वृंस्तमिस्त॥ वृंलिलिमिस्त॥ इम्य॥ सुइम्य॥ गोसुश॥ लमनाया॥ ययाया॥ ययूला॥ विमना  
वृंठिलि॥ हिठिलि॥ लिठिलि॥ नमावद्धानीविलिकिसि॥ गगदाहिकानी॥ नमाइहकानी॥ दालदालम्यवहुदवा॥ समोस्तनदससु  
यिसास्तनमावद्धानीखाहा॥ अथसरसाद्यासनायुम्का४स्वस्तिनाकुम्भनखविषयमनूयायु॥ वृमानियमस्तयुदान्यादरुलजिस्त॥  
नमावद्दाया॥ नमाद्यमाय॥ नमा३संधाय॥ नम४स्वनावरणसनाममयलनाजाय॥ नमामाहामाययेविद्यानाह्ने॥ तद्यथा॥ सिद्ध॥ सु  
सिद्ध॥ माचनि॥ माक्रनि॥ म्रक्काविप्रत्य॥ अमल॥ धिमनी॥ निमैया॥ अदल्य॥ युयला॥ मंगन॥ मंगनुहाहीलन्या॥ हीलनगरं॥  
लले॥ नन्नगाह॥ रुद॥ सुरुद॥ समेनुरुद॥ रा॥ रुद्र॥ सर्वोथसाधनि॥ सर्वमंगलसाधनि॥ सर्वाथयवोधनि॥ जस्रवति॥ मनसि

[illegible]



नसमयेनसुवनावरासनाममयनलाजावहमति॥ नवत्रयनसम्यदयर्थ॥ तस्यसहतालहमवानंदसुखनकालनगतनस  
यनसुवनामवरासानाममयनलाजावहमति॥ अस्याम्वनंदमाहमाययोविद्यालाहा॥ दंभसुहिंदुदयमनूयारयास्याम्व॥  
तथथा॥ वूलिमिलि॥ वूलिमिहि॥ किलिमिहि॥ वूलिकिलिमिति॥ किलिहमिहि॥ किलिमिह॥ मिमि॥ मिमि॥ मिमि॥  
मिमि॥ सुइवा॥ सुइवा॥ सुइवा॥ विलिकिसियाहिन्नमदि॥ नमावृद्धानीविलिकिसिइहि॥ यासुमले॥ वूलिहावलाहीसुमले॥  
म्या॥ सुमम्या॥ सुमम्या॥ कठोरमठि॥ कठोरमठि॥ मिल्कजमठि॥ अदकम्वर्था॥ म्वम्वदवसमसुन॥ नवमासानंदसमासानंद  
लिमिलि॥ किलिमिलि॥ किलिमिलि॥ किलिमिलि॥ इइम्या॥ सुइम्या॥ सुइम्या॥ वलिम्या॥ सुमम्वइ॥ वसइ॥ सुमम्वइ॥

वसवसल॥ २॥ नवमसुलक॥ सुकला॥ अकिलिम्यानके॥ लीक॥ निमोलिक॥ नवरवलीम्यधारय॥ रवलमरित्या॥ इति॥ सुकला  
मुम्या॥ सुमम्या॥ सुमम्या॥ नद॥ यनम्या॥ अलम्या॥ ललद॥ अलम्या॥ ललम्या॥ अलम्या॥ ललम्या॥ अलम्या॥ ललम्या॥  
नायाया॥ निहलि॥ ताया॥ कालि॥ कालि॥ वूलिमिनि॥ किलिमिनि॥ किलिमिनि॥ वूलिम्यसिद्धि॥ सुदामि॥ दामि॥ सुयदास्याहा॥  
॥ दमानंदमाहमाययोविद्यालाहा॥ दंभसुहिंदुदयमनूयारयास्याम्व॥ नवमासानंदसमासानंद  
सिककया॥ यथगसुन॥ नाठकलल॥ नमसिककया॥ वोलमध्यगसुन॥ अमिमध्यगसुन॥ उदकमध्यगसुन॥ यथयोवामंध्यग  
सुन॥ यथमिहमध्यगसुन॥ यथमध्यगसुन॥ अहिदसुन॥ यथमध्यगसुन॥ सुवृह्य॥ सनियान्नवमनकिककया॥







॥ यवावायवावा यवयुगावा यवइहितावा यवमरुलकावा यवमारुलिकावा यवयारवदावा यवयारवदिवा नागा  
 वानागावा नागयुगावा नागइहितावा नागमरुलकावा नागमरुनिकावा नागयावदावा नागयारवदिवा ॥ ॥ अ  
 सूनावा असूनावा असूनयुगावा असूनदाहितावा असूनमरुलकावा असूनमरुलिकावा असूनयारवदावा असूनयारव  
 दिवा ॥ ॥ मन्नावा मन्नावा मन्नायुगावा मन्नादाहितावा मन्नामरुलकावा मन्नामरुनिकावा मन्नायारवदावा मन्नायारवदिवा ॥ ॥ गन्नावा गन्नावा गन्नायुगावा गन्नादाहितावा गन्नामरुलकावा गन्नामरुनिकावा गन्नायारवदावा गन्नायारवदिवा ॥ ॥ गीद्वीवा गीद्वीवा गीद्वीयुगावा गीद्वीदाहितावा गीद्वीमरुलकावा गीद्वीमरुलिकावा गीद्वीयारवदावा

गीद्वीयारवदिवा ॥ ॥ किन्नावा किन्नावा किन्नायुगावा किन्नादाहितावा किन्नामरुलकावा किन्नामरुलिकावा किन्नायारवदावा किन्नायारवदिवा ॥ ॥ मरुलकावा मरुलकावा मरुलकायुगावा मरुलकादाहितावा मरुलकामरुलकावा मरुलकामरुनिकावा मरुलकायारवदावा मरुलकायारवदिवा ॥ ॥ यकावा यकावा यकायुगावा यकादाहितावा यकामरुलकावा यकामरुलिकावा यकायारवदावा यकायारवदिवा ॥ ॥ लाकावा लाकावा लाकायुगावा लाकादाहितावा लाकामरुलकावा लाकामरुलिकावा लाकायारवदावा लाकायारवदिवा ॥ ॥ यगावा यगावा यगायुगावा यगादाहितावा यगामरुलकावा यगामरुलिकावा यगायारवदावा यगायारवदिवा ॥ ॥ यिगावा यिगावा यिगायुगावा यिगादाहितावा यिगामरुलकावा यिगामरुलिकावा यिगायारवदावा यिगायारवदिवा ॥ ॥







[illegible][illegible]



नायस्फुलिहीशा यवानद। ज्ञासीमरुषदीनीनाम्यवृष्टकमानयय॥ कठिंयसुप्रद्वयिकाउयसंक्रामस्फिः ससुद्धास्यसु  
 ठाभद्धिभ्रजकस्येवमंठलि॥ सुप्रथा॥ किसिमूल॥ नललुमूल॥ समकमूलः नदनायः ज्ञयः नायः क्रगनाः ७ अड॥  
 नड॥ क्रसनद्ध॥ ०००॥ मि०॥ अ० दका॥ मलदका॥ ०००॥ लि० कि० सि॥ विलि० कि० सि॥ इम० दारुना॥ उ० र० र० मा॥ लि० म० द०॥ उ० द० मा० कि०  
 नला॥ नमाद्वद्धायस्यारु॥ स्वस्तिवाद्यियदारु०॥ स्वस्तिवाक्मुवमुय्यद॥ स्वस्तिवावठकीमा०॥ स्वस्तिप्रथागर्थेय०॥ स्व  
 स्तिवागोः स्वस्तिदिवा स्वस्तिमद्यिनस्तीरुः स्वस्तिस्वमहानागो॥ सवेद्वद्धादिसंमुम्य॥ सवेसुस्वस्तिवाहानु॥ मावेयी  
 यायमागमस्त॥ मे००॥ यितसमाथायकनामि० वि० व० इ०॥ सवेदि० व० सं० क० ल्याना॥ सवेन० क० र० द० का॥ सवेम० रु० दि० को० व० ४० सवे

७५  
 ७१

अ० रु० कानिनासावाशा॥ अ० न० न० स० ल० वा० क० न॥ स्वस्तिस्ववमु सवेसत्त्वानीवलकाकृन्धेमुजिवंठवये० हार्क॥ यस्यकुसलदागस्त  
 अ० न० या० मा० ह० मा० य० यो॥ वि० द्या० ना० द्या० म० म० स० व० स० त्त्वानी० व० ल० का० क० व० सु० जि० व० मु० व० य० स० र्क० य० य० उ० ल० दा० ग०॥ यवानदयकामा  
 दायका॥ स० म० द० क० ले० य० ति० व० सं० स्फि॥ य० व० स० म० य० लो० य० व० स० ना० गा॥ यवानंद॥ अ० न० य० व० स० ना० गा॥ यवा० र० सु० वि० स० न० वि० य० मा० ह० न०  
 दि० य० द० य० व० मा० ह० द० य०॥ क० य० व० मा० ह० क० य० व०॥ इ० व० न० य० मा० ह० स० व० य०॥ सु० दा० य० व० मा० ह० स० दा० य० व०॥ य० प० ल० य० व०  
 मा० ह० य० व०॥ गि० लि० गु० ल० म० न० य०॥ मा० ह० म० म० न० य०॥ य० त्वा० ल० य०॥ मा० ह० व० त्वा० ल० य०॥ ४० म० ड० क० य०॥ मा० ह० ४० म० ड० क० य०  
 न० ग० ल० य०॥ मा० ह० न० ग० ल० य०॥ ग० म० य०॥ मा० ह० ग० म० य०॥ व० न० य०॥ उ० य० व० न० य०॥ क० न० य०॥ य० थ० य०॥ व० म० य० थ० य०॥ य० थ० न० य०॥ य० थ० न० य०॥











गिमाहासेव्यामाहाम्भवाऽयनवक्रयमपन्या ॥ इद्रेवाज्रयनाठिताऽनिदिम्वनाग्रसिमोका वसुम्वतायसीस्विनः  
 दवास्त्रनमयिसंगम्यमनुस्ववस्मि मरुद्धिकाऽहय्यनयामाहमाय्यो विद्यानाममसवसत्यानोवः नक्राकर्वदु  
 गुरुयपितानेयलिगहंयनीयान्य ॥ ४॥ भिस्वस्वयने दनुयनीहलैस्यकयलिहलै दिवद्वयनेविषनासनेसिमा  
 वद्धद्वलनिर्म्यद्धकनासुजिवम् वयसर्गयसीदुसलदामर्ग ॥ स्वयथा ॥ नलम्यलेहिलिस्मिलिस्मलनलसिवासाद  
 इम्वइम्व वयम्पुदवऽसमथनहिलिस्मिनिऽदुम्पुदुम्पु ॥ जडु वडु यलमइलवधेदुदवागुत्रगुदायन ॥ अय  
 कम्बयो ॥ अमु सुदऽदुदाऽदुदुय ॥ वक्रमक्र ॥ नूविदिमिनिदिनिदिदि विदिदिऽदिदिदि ॥ विनिदि ॥ निदिविदिदिदि

२४

निदिमिस्मिलिस्मिन्ऽहोनीस्मिलिस्मिन्ऽस्वाहा ॥ उगक्रामानंदमाहायक्रथनायस्मिनीनामानिऽयद्वयन्यायमिस्वसं  
 स्मियधननीगतास्त्वानलक्रस्मियनियानयति ॥ नयथा गजययस्वक्रम्वलस्यसंठया नयवाहनऽमिथीतायायस्मिन्संगि ॥  
 दवसत्याययावकऽसायनयामाहमाय्यो विद्यानाममसवसत्यानी वलक्राकनादु गुरुयपितानेयनिगहंयनीयान  
 नेऽभक्तिस्वस्वयने ददयलिहानेस्यकयलिहानेविषद्वयनेविषनासनेसीमावद्धद्वलनिर्वधवकनासुजिवम् वयऽस्यस्व  
 सलदासर्ग ॥ नयथा ॥ वलकत्कलेमासुजि वादालियलुधनिविविलिनि ॥ उमेनीर्गद्धालि यकैसि वादालि ॥ मास्मिगिमा  
 नीनिस्मिलिस्मिन्ऽगस्मिन्मगतिऽमेलिगंल कस्मिकाववनीनिदि ॥ हिलिस्मिन्ऽस्वाहा ॥ कक्रकदऽयास्मिलिस्मिन्मव



सुनायी वयनाजि सुशसेना सुदयल यक्र ॥ उरुनायी वमानव ॥ वज्रयानि ना ज गुरु ॥ गुरु कठे कृतालय ॥ त्रिमुखावानु य  
 यै सुसागनाता म्य सुद्वना ॥ माहा म्वना माहा सेजा ॥ सुसायाजन विक्रमा ॥ गनुदाविक्रयायक्र ॥ यि सुक्र सुसिति मरवा ॥ ना  
 ज गुरु वक्र नायक्रा माहा सेया माहा म्वना ॥ का नायकाल कोय क्रो य संक ॥ कथि न म्वनु नायक्रा गो म्नि वृद्ध ॥ साक सु माहा म्नि  
 क मा म्व वा र्वा र्वा नायी विना ठ म्म ह स्वला ॥ वृद्ध सुसि ॥ सावयो ॥ साक सु सागना म्व संक ॥ म्वजा यद्ध ॥ ववे सा ली म्ने सु रु लि थि  
 गना ॥ वना न सी माहा काला ॥ व्व म्मा या व सुद सेना ॥ विष्टु यक्रा दाल काया ॥ दल चा दाल या लिका ॥ विसी यन साम म्वना म्वत्र गा  
 या ॥ मदन ॥ म्म सु यामा सु म्व कायक्र ॥ कय ना म्व रु धन क ॥ उ जं य न्मी म्व सुसाता ॥ म्व सुदु मि व रु ती व ॥ सुत्र कारु न क रु व ॥ नैदा

७३

नदयल था सु ॥ म्म ग्रा द क मा ल्या दल ॥ म्म नैदा म्व य य सु ॥ उक्र य द्वा ॥ सवा सु सु द ठ ना मा म न सि ॥ मा सु गि लि गि लि न ग ले म्मा स  
 वा य दि ॥ म्म म्म य ॥ ना रि सु क का थि य ॥ मा ना ला क म्मि सु सु ॥ वे सा सु रु स य वा रु ॥ क वि ग्रा म्म रु रु थ ॥ उक्रा द न व सु म्म रु न म्म  
 रु ना म्व ना न दाने व सु या ज क णि वि क सु म्म माल ॥ य म्म द व ना रि ता ॥ म्म म्म रु द्र व सा ल क ॥ सु दि क वा थि सु क ॥ सा य म्मा ला  
 य न सु ल ॥ म्म रि सु रु य रु द व म्म व सु रु दा व सा थि यी ॥ सि म्म सि व य ना धा ल सि म्म रु द द्र व रु थि य ने ॥ न्द्रु द व द य ल य क्र ॥ य य य क  
 सु सि ना य ने ॥ दा रु का दा रु क य ल क थि ला म्म स नि म्म मा नि म्म द्रा व म्म व र्वा य ल ॥ रु द य ता सु ना ॥ य म्म द न म्म ग म्म दाल ॥ सु क सि ना य रु  
 रु ने ॥ म्म ल या ता मा हा य क्र ॥ रु द व म्म नि वा सि क ॥ ति गु ता रु नू मा सि ता ॥ ना ल य व य रु क ल ॥ नै दि व म्म य न म्म म्व न ग ले नै दि व द



त्रयाधिनावायिहमायलमाककलरुयिय ॥ मथुमायीगद्वम्वकालंकायीकलखदल ॥ मलसूर्ययशयकागिलिमु  
 दवकासले ॥ विठयावेजयसुवदसय ॥ यादमाथले ॥ मलयप्रले कायक ॥ किल्ललंभुवकिननशयादयम्यधना  
 लावयतिथनयवखदक ॥ यासु कलेषमैकलीसुलैगवर्गीसुखायह ॥ नासिकसुदलायका ॥ संगसु न ककुक ॥  
 निदीकयायिगानदिवीलहाक ॥ लंभुदली ॥ कैलीग्यय ॥ कैभल्यीमाहासुठ ॥ सुसिकसुकावालातम्यीवयालक  
 सुदिसुदसुदकले ॥ खदलंभुवमन्ययहोवनायक ॥ मललायका ॥ साम्बयीयायदसन ॥ गममभनसिखदिवम्येदिस्यव  
 वलियाय ॥ कताकालंभुगिसुकै ॥ सिययोमकलदसु ॥ यलककमिसालाका ॥ गुलसुगवउडम्वले ॥ अनासागववसा

अना  
 ५०

यीसासिम्यत्रीविलावन ॥ अहिहसुवलिहक ॥ कासिलकयिलेसुथामेंवकुलउकिहान्यायमदयीयनसुसुथा ॥ ने  
 गम्ययययावाली ॥ यतहागजसाद्वयम्वलुनायीहृदहनुया ॥ वियवयलजैहय ॥ कलकसुवजकदाफलकैकसुलाकको ॥ यकी  
 रवातीवसर्गम्वमहाइहसुसुम्वखलायफियाकीनवसिअथेअसुविवलमासिन्नसुसिद्धयाक ॥ सुथसुधेथुलायीकुलयम्व  
 वयकासिहायलायीम ॥ सिधेंहयाद्यम्वलाम्वलीकासिम्वखसुलस्यन ॥ सुथयलयलजैहय ॥ यव्यदसुधवम्यायीमागधसु  
 गिलिउसुठमयाम्ययधताजक ॥ सुखनावीम्वनागले ॥ विलवाहयसाकसुकाकंदयासुखम्वह ॥ कौसायावायनयासौरदि  
 कायीवरुदिका ॥ यका ॥ यसुलियसुव ॥ मामीकसुमखसुथ ॥ अखकवम्वकाविम्व ॥ अम्वकवकसुकठ ॥ रुकककम्व



सिद्धाथमदकवाजिस्तंजया॥ अश्वदकमउरुस॥ सेदुम्वमनिकाननविकसकतावजयका॥ वसककयिलम्बमुनि॥ गम  
 लाकेनेकफिकादालका निकयाधम॥ यकासव्यमकियवसोसुदयामहयसा॥ वेलासक४सालायलजंमुकोमोत्रुमिव  
 यकृदयलखातसुथविकसकूफिया॥ वेमानिकादवसमोदलययवमदल४यर्कलवसकसिलवदकवजठायलेयावि  
 रुयतिनामाकुवेसंफसिंधुसिंधुय॥ यवयसुसगाजस्यमाहासीन्यामहान्यला४जय॥ यसुयीविकस्यवसकविनयमिषासक  
 धके००तिनामाकुसुगफकोसिकवसामुकयादकविग्यवमोदलामंदनासनकसलकेयिन्नामालिविनामकाकिया॥ द  
 मयालवसारवयवीगिखवमहाहज॥ जिनरवतामाहालाज॥ सिमीवंगुवनामज॥ जककोसिधलिवसुसुखालसुनिवासिक४  
 ४१

४१  
 ४१

मागागिलिरुमवताम्यससुसिंधुसागलातिसुलायानितियलकलिंगदुप्रमदन॥ यवासुगवादाभिलासिंदलवनसल  
 सुकम्रवयासुथायागालीकीकलावसुसगायहासल४यदलिकमसिंधुसुमालयलयह४नवदलययिगलाम्बलिम्यव  
 ससुववेनाम्यवनाधनमाफलिवेवकामदायसिंधुसुयवद॥ कायिस्यानिलकसल॥ यागालस॥ यासुलेयसकग  
 नेरुमंकल४वमयिकुववाधिककसककवयिगल॥ यनम्यद्वनयन४वकनासु॥ द्यादियानकाकोसुदल॥ कासल्य  
 रुमन्यमोकल४ज॥ विसुस्यनववाकाचलमथारवनामन॥ यिगलयमवेम॥ नासिन्धयनियेयीयदसन॥ कहिल  
 जकावाजगहविकुलसिनिम्यासिक४हयाससुसहयन॥ यकानाययौयासुअन्नहिकुग्रायीगयाला॥ अलका४तका



22



यो ॥ सुयो यहा ॥ सुयो काय ॥ इवि रूय ॥ इम्व ॥ इइम्व ॥ दाइम्व ॥ प्रियं कल ॥ लकेश स्वसत्त्वानीव ॥ लका कर्म मृगु किं य  
निगर्ह ॥ यलियालय ॥ साति स्वस्वायनी ॥ दंदय लिहलं सकय लिहलं ॥ विखइवने ॥ विखनासने ॥ शा मावद  
दलनिर्मद्ववकनाम् ॥ जिवम् स्वस्वसत्त्वानीव ॥ उगत्त्वामानंद ॥ अगु विसृतिना माहायकस्य नायसिनीना  
मानि ॥ यदसदिमालकृति ॥ यलियाययति ॥ ययस्यामानंददि सायीवत्याना माहायकस्य नायसुय ॥ युगिवसं सि ॥ यय  
दिसेलकृति यलियालयति ॥ तद्यथा दिचे ॥ सुनसु ॥ यन्ने कयिल ॥ ४६ ॥ सि ॥ यय नया माहायं माययो विद्यानाहामम  
सम्ब सत्त्वानीव ॥ लका कर्म मृगु ॥ गुरु किं यलितानं यलिगर्हय लियालने ॥ साय स्वस्वायनी ॥ दंदय लिहलं ॥ सकयलि

हानी विखइवने विखनासने ॥ सिमावददलनिर्मद्ववकनाम् ॥ जिवम् स्वस्वसत्त्वानीव ॥ उगत्त्वामानंद ॥ अगु विसृतिना माहायकस्य नायसुय ॥ युगिवसं सि ॥ यय  
दिसेलकृति यलियालयति ॥ तद्यथा दिचे ॥ सुनसु ॥ यन्ने कयिल ॥ ४६ ॥ सि ॥ यय नया माहायं माययो विद्यानाहामम  
सम्ब सत्त्वानीव ॥ लका कर्म मृगु ॥ गुरु किं यलितानं यलिगर्हय लियालने ॥ साय स्वस्वायनी ॥ दंदय लिहलं ॥ सकयलि



किं स्वस्वयं दयं दयं लिखनं सकृप लिखनं विष इव न विरवनीमनं सिमा मयं वलनि मयं दय ॥ कनाम जिवम मयं वमक यस्या तु सलदा  
सकं ॥ इत्युक्तं मानं दिसा यी वला नामा हा ना जा कि मयं कि ॥ उक्तं यी दिसं लक कि कथं ॥ वलन्या इल नदा उद्याग या ना विष्क वा  
लस्व कि ॥ रुय नया माहा माय यो विद्या ना हा मयं स मयं वलानी ये ॥ लकी कल गृफिय लिखनं यलिगहं यनिया लनी ॥ साक स्वस्व य ४६  
नी ॥ दयं दयं लिखनं विष इव न विरवनीमनं ॥ नामा मयं वलनि मयं दय कनाम जिवम मयं वमक यस्या तु सलदा सकं २०  
उक्तं ॥ ०० मयं नद माहा यक स्वनाय कथं यकि मयं कि यव दिसा विदिसा यकि मयं कि लक कि यलिया लनी कि ॥ गयथा ॥  
यो कि कथं या वाल गव सका गिलि रुम मयं वल पय कि रुय नया माहा माय यो विद्या ना हा मयं स मयं वलानी व नकी क क गृफिय

यविकाने यलिगहं यनिया लनी साक स्वस्व यनी दयं दयं लिखनं सकृप लिखनं विष इव न विरवनीमनं नामा मयं वलनि  
मयं दय कनाम जिवम मयं वमक यस्या तु सलदा सकं ॥ कथं ॥ वलन्या इल नदा उद्याग या ना विष्क वा  
इल निगता सिलाल क कि यलिया लय कि ॥ कथं ॥ रुम ४ सकं ॥ काल उय काल स्व कि ॥ रुय नया माहा माय यो विद्या ना हा मयं स मयं  
सलानी व लकी कल गृफिय लिखनं यलिगहं यलिया लनी साक स्वस्व यनी दयं दयं लिखनं सकृप लिखनं विष इव न विरवनीमनं  
नीमनं सिमा वल निमं दय कनाम जिवम मयं वमक यस्या तु सलदा सकं ॥ वलन्या इल नदा उद्याग या ना विष्क वा  
खान् सक कि यलिया लय कि ॥ कथं ॥ साम ॥ सयौ आशि ४ वाय इव कि रुय नया माहा माय यो विद्या ना हा मयं स मयं वलानी ॥



लक्रो कलाकु गुरुकियलिकानं यलिगहं यलियालनं ॥ अहिस्रययनं दंदयलिरालं स्रयलिरालं विरवइवनी विरवनासनी  
॥ १ ॥ मावंधवलनि म्वद्वयकलाकु जिवहुम्ववसं यस्यकुसलदाशकं ॥ उग्यकुलामानंद वैसवनस्य माहलाजस्य धर्मोहासुला  
नी जुकुस्यनीयसुयानामानि यस्यलककि यनियालयकि ॥ २ ॥ किवायदुवाउयसं गोवलाकस्य नाशलेनी ॥ नाकानुग हाथव  
लाकनू विचलकि ॥ रुयथ ॥ ३ ॥ साप्रसुयोम्वन्न ॥ युजायसि ॥ ऐलदालज ॥ ४ ॥ न ॥ वयन्नकामनिस्रयनिथस्र ॥ यीवाल  
गद ॥ सुप्रया ॥ पिथजक्रा ॥ सीयलियाल ॥ विस्रयनं वगीद्ववा सिद्धा ॥ लिवकि कथक ॥ स्रकिमाहास्रकि यिसुली वंममा सुलि ॥ नव  
यक्रामाहाजक्रा ॥ स्यनाया ॥ यलिनायका ॥ लिद्धिमोकायु किमीता ॥ वसुमंकाजडासिन ॥ अवासुलमधि ॥ मंगमनुस्रव कि मरुद्धा

४५  
२१

आ २  
का ॥ रुय्यनयामाहामाययो विद्यालक्रा मप्रसम्यसुखानीव लक्रो कलाकु जिवहुम्ववसं यस्यकुसलदाशकं ॥ १ ॥ मावंधवलनि म्वद्वयकलाकु जिवहुम्ववसं यस्यकुसलदाशकं ॥ २ ॥ किवायदुवाउयसं गोवलाकस्य नाशलेनी ॥ नाकानुग हाथव  
लाकनू विचलकि ॥ रुयथ ॥ ३ ॥ साप्रसुयोम्वन्न ॥ युजायसि ॥ ऐलदालज ॥ ४ ॥ न ॥ वयन्नकामनिस्रयनिथस्र ॥ यीवाल  
गद ॥ सुप्रया ॥ पिथजक्रा ॥ सीयलियाल ॥ विस्रयनं वगीद्ववा सिद्धा ॥ लिवकि कथक ॥ स्रकिमाहास्रकि यिसुली वंममा सुलि ॥ नव  
यक्रामाहाजक्रा ॥ स्यनाया ॥ यलिनायका ॥ लिद्धिमोकायु किमीता ॥ वसुमंकाजडासिन ॥ अवासुलमधि ॥ मंगमनुस्रव कि मरुद्धा



हाता यक्रगुहाका ॥ कक्रयक्रगुहाका ॥ स्कद्धगुहाका ॥ उमादगुहाका ॥ कायगुहाका ॥ अयस्मालगुहाका ॥ अकालगुहाका ॥ सर्व  
 गुहाका ॥ ममसर्वेसर्वेसत्त्वानीव ॥ लक्राकलासु ॥ गृफियलिनी ॥ यलिगृहं यलियालेनी ॥ शक्रस्ययनी ॥ दंदयलिहली ॥ शक्रयनि  
 हली ॥ विखड्यनी ॥ विखनासनी ॥ शामाव्यधलनिर्वद्धव ॥ कलासु ॥ जिवसु ॥ मखसकं ॥ यस्ससुसलयाशका ॥ लक्रसुमम  
 सर्वेसत्त्वानीव ॥ अजाहलित्या ॥ गृहाहलित्या ॥ कद्धिलित्या ॥ मायाहलित्या ॥ मयाहलित्या ॥ मजाहलित्या ॥ नगहलित्या ॥ श्व  
 जायाहलित्या ॥ जि विहाहलित्या ॥ वल्लाहलित्या ॥ माल्याहलित्या ॥ गंवाहलित्या ॥ वयाहलित्या ॥ रुयाहलित्या ॥ २३  
 निन्मा ॥ सखाहलित्या ॥ आह्याहलित्या ॥ ययाहलित्या ॥ कद्धिलहलित्या ॥ विहाहलित्या ॥ मूकाहलीया ॥ खकाहली

याम ॥ सुव्याहलीया ॥ सिहानकाहलीया ॥ म्याहलीया ॥ उक्रियाहलीया ॥ विविहाहलित्या ॥ म्वाहलीया ॥ असुयाहा  
 लीया ॥ स्यदनिष्काहलीया ॥ ममसर्वेसत्त्वानीव ॥ लक्राकलासु ॥ गृफियलीहानी ॥ यलिगृहं यलीयालेनी ॥ शक्रस्ययनी  
 दंदयलिहलीसक्रयलीहली ॥ विखड्यनी ॥ विखनासनी ॥ शामाव्यधलनिर्वद्धव ॥ कलासु ॥ जिवसु ॥ मखसकं ॥ यस्ससुशलया  
 शक्रा ॥ कित्यासुमनकाखादकिलना ॥ यक्राद ॥ उमादा ॥ य्यव्यसु ॥ इक्रु ॥ हसु ॥ इवलिक्रा ॥ इमनिका ॥ अमव्यसुका ॥ उमा  
 द ॥ अयस्माल ॥ विनासयसि ॥ ममसर्वेसत्त्वानीव ॥ नाजहयीका ॥ वालासुयीका ॥ उदकसुयीका ॥ यलवक्रहयीका ॥ इहीक  
 हयीका ॥ असुनिहयीका ॥ कालसुसुयीका ॥ मद्धकहयीका ॥ दलनिकयहयीका ॥ दंदमिस्करहयीका ॥ अमिहहयीका ॥ मेल



लक्षक

नसूयाक यरुथीकरुयाक सवेसूयाक ममसवेसखानाव दफकदकिमक्रस सुगदल यिससक कारुकायामा मे  
सय्यलाहलिंगसूयाका गालनागमयनसु अघासुदरु अलाचरु अकिनाग नासालाग अरवनाग स्कथलगी स्कनगा  
गी रुद्रालगी गलगहं स्कतेडुली रुदसुली पाखडुली यरुसुली उदसुली वथासुली गुयसुली यानिसुली यजनसुली  
उरसुली उंधासुली रुसडुली पादडुली अगयरुंगसुली गालमोयनयका नकाहिरुं द्वाहिरुं सिहियाहिरुं वरुथक  
सुकाहिरुं अद्धमासिरुं मासिरुं मोरुहिरुं निग्रकली विरवमठली मानुखठली अमानुखठली वाहिरुं येतीरुं  
इमिभिरुं सानियाहिरुं इरुं सम्यठली सवेरुं सम्यथादि सवगली सम्यविषं सवयायी सवेइखं सवेसूयावना

४३  
५३

सयसु ममसवेसखानाव खाहा द्वादसं दमानंदमाहा यिगाया याहिवाहिसखा आठकखीगका जाकायिलकिरु गायन  
स्करुमा द्वादसं रुयथा लीवाविलीवा यलीम्वा डालीम्वा हलिकि हलिकिसि हलियिगले नीलमृगिकाकि स्कलसुदनी  
विहि ००००० का द्वादसमाहायिगाया लिद्धिमोका अकिमगा वनेमोका यसगान्न घवासुलमयि संग्रममनसुवदु  
मोरुद्धिका गायनयामाहा माययो विद्यालाहा ममसवेसखानाव लक्राकरुं सुगुं यलिसुनं यलिगहं यालियाली  
नं भाकरुखययनी दययलिहली हासुयलीहली विरवइवनें विरवनीमनें गामावंधधलनिम्रीकव कनासु जिवदु अरवससु  
यससुसुलयागकी ००००० मानिवा मोरुयदा नि मनसिकरुया निसुवकि अरुयथा हलारवत्यखल मलामेल्य मलमद



यसि मेरु मयिकिं ॥ हल १० ॥ ल १० ॥ मयि ५ ॥ सिद्धि ५ ॥ स्वसि ५ ॥ ममसससससानी व लकी क क स्या ह ॥ अरु विमानं द  
 माहायिसाया मासस्यनिक ॥ सा जिक्का मनुरयानी विरुठि कायी सिवादि सलो मासु सुखिगका लक्रिगा जायमाना यिवकिः  
 सुकागायिलक्रिय कायन सुसमा ॥ रुयथा ॥ माहामदामयना अदासुका उयमदायकी उजा वलि निका असानि  
 वासि ॥ यसा मरु माहायिसाया ॥ षडि मोका ॥ यमका ॥ मनु मका ॥ यग सिन ॥ यवासुलमसंगम मसुवसु महदिका ॥  
 ययनया माहमाययो विद्यायाहा ममसवे सखानी वः लकी क क गयियलिकानं यनिग हं यलियालनं अक्रि स  
 यय ददयलिलालं अक्रयलिलालं विरवइयः विरवनासनी सिमाम्ब वधलनिर्ववकलासुः जिववववगह ययव

५०  
 १८

सुलदाशरु ॥ रुयथा ॥ हलरवलरवलमलमिलमूल मयक्रिकः ॥ हल १० ॥ ल १० ॥ मयि ५ ॥ सिद्धि ५ ॥ स्वसि ५ ॥ ममससवे सखा  
 नावः स्याल ॥ नूमा ॥ यनलानंद सकमाहायिसाया ॥ मासस्यनिसुगजिकामहं दिं नव्यानी लाजिकानी मायक्रा विगका ल  
 क्रिगा जायमाना यिलक्रु ॥ का ४ यनसुक्रमा ॥ रुयथा ॥ मरुमदिकलक्रिकिकाविका यिसाविकायनसुदिका अगिला  
 हि का ॥ वीसुकलिकिलक्रिस्कायक्रि ॥ नूयका ॥ सकमाहायिसाया लिद्धि मोका इसिमहा ॥ मने मका ॥ ययविन यवासु  
 लमयिसंगम मनुसुवक्रिमोहदिका ॥ ययनया माहमाययो विलाहा ममसससखानी व लकी क क गयियलिकानं  
 नं यलिगहं यलियालनं अमयससयलं ददयलिलालं सकयलिलालं विरवइयनी विरवनासनी ॥ माववध



लनियेद्यव॥ कलातु जिवेद्यवसर्गं यथ्यसुसलदासर्गं॥ गद्यथा॥ हलरवलरवलमलमिलामदिकि॥ हल॥ गल॥ मदि॥ सिद्धि॥ स्वसि॥ ममसर्वसत्त्वानीव स्वाहा॥ नृमायूनलाद यवमानाकस्यामासमानिकुहाजिकामनुरत्नानीविरुथाका  
 यादिवाहिसत्त्वामातुकक्रिगक्रा लक्रिकाजाकायिलक्रिक कायन्न स्ककमा॥ यव॥ गद्यथा॥ कथा॥ निस्कथा॥ विष्क  
 लाह्वेन स्कयिलावः॥ नृयका यवमाहालाकस्था यसस्वीन श्रवासुलमयिसंगममन्नसुवस्तिमहद्विका॥ कायनया  
 माह्वमाययोविशालाहा ममसर्वसत्त्वानीव लकीकलातु गुर्यिकेयलिकालं यलिगुह्यलियालनीं शास्त्रसम्पयने द  
 दयलिलाली सकयलिलाली विरवइवनीविरवनीसनै शमावेद्यवलनिर्घेद्यव कलातु जिवसुखरवडाकं यथ्यसुसलदा

सर्गं॥ गद्यथा॥ हलरवलरवलमलमिलमलमदिकिस्क॥ हल॥ गल॥ मदि॥ सिद्धि॥ स्वसि॥ ममसर्वसत्त्वानीव  
 वस्वहा॥ नृयविमानेयमाह्वनाकस्यामासमानिकुहाजिकामनुरत्नानीविरुथाकायादिवाहिसत्त्वो करवीगक्रालक्रि  
 काजायमानायिलक्रिक कायन्न स्ककमा॥ गद्यथा॥ नृमायिकांलंक्रिकिकांविगां यिसांविगांयन्तं रुद्रिकां अग्निलेक्रि  
 क्रिकां मिहंलिकिलेक्रिकांयक्रि॥ नृयका संकृमाह्वयिसांया अद्विमक्रोअक्रिमगां वन्नमका यंसंखिन्नं यंवांमं  
 लंसंखीसंगमनूरवक्रिमहद्विका॥ कायनया माह्वमाययो विशालाहा ममसर्वसत्त्वानीव लकीकलातु गुर्यिकेय  
 लिकालं यलिगुह्यलियालनीं शास्त्रसम्पयने दययलिलाली सकयलिलाली विरवइवनीविरवनीसनै







३३

दिष्ठा ॥ गायनया माहा माययो विद्यालाहा ममसर्वेष्टाननीच लकीकलातु गुर्कि यलिकाने यलिकहं य  
लियालनी ॥ शाकिखस्ययने दंदयलिहली सकयलिहली विरवइयने विनासने सिमावैयवलनिर्मदव  
कलातु जिवद्वरवसक यस्यमसलदाशकं राकयथा ॥ हलखलखलमल मिलमिल मयकि मातु मयिष्ठा ॥  
हल ॥ गाल ५ ॥ मयि ५ ॥ सिदि ५ ॥ खसि ५ ॥ ममसर्वेष्टाननीच लकीक मयिष्ठा ॥ द्वादशमानंदलाकसीया भा  
रिवादिस्त्रोमातु स्क्रुकिगुताजाय माना विलकिरु जाकायिलकिरु गायनसकयमाद्यादश ॥ रुयथा ॥ नना १॥  
मिष्ठा नामनाक सि ॥ सलद्वाना नामनाक सि ॥ नोदाना नामनाक सि ॥ हलिली नामलाक सि ॥ विद्याद्वलाना मलाक सि ॥

द्वनूधलाना मलाक सि ॥ सलद्वलाना मलाक सि ॥ अ सिद्धलाना मलाक सि ॥ हलखलाना मलाक सि ॥ वलद्वलाना म  
नाक सि ॥ वक्रवाना नामलाक सि ॥ सिखिलखलाना मलाक सि ॥ नंदयला द्वादशमाहालाक सी ॥ अदिमका यतिमका ॥  
यने मना ॥ जसखिल यवासलमयिगमममरुसकयकिमदिष्ठा गायनया माहा माययो विद्यालाहा ममसर्वे  
सखानीच लकीकर्वतु गुर्कि यलिकाने यलिकहं यलियालनी ॥ शाकिखस्ययने दंदयलिहली ॥ सकयलिहली ॥  
विरवइयविरवनीसने सिमावैयवलनिर्मदव स्क्रुमयि मजिवद्वरवसक यस्यमसलदाशकं ॥ रुयथा ॥ हलखलखलम  
ल मिलमयकि ॥ मरु मयि किष्ठा पाकल ॥ गाल ५ ॥ मयि ५ ॥ सिदि ५ ॥ खसि ५ ॥ ममसर्वेष्टाननीचखाहा ॥ द्वाद



सुन्दरमानंदमासुलादिस्त्रमातु ककिगहालकिगाजायमाना यिलकिगाजायिलकिरु या सखानुय  
 दवकि विरुथयकि गायन सुसुमा वाक्की लोदि कोमालि वैकु वि रुदि वालाहि कोलमि वाल  
 नि यामी वायिया अग्नयी माहाकालियकि गागाय नयामाहामाययो विद्यालाहा ममसर्वेसत्वानीव लकीकर्वुगु  
 कियलिकाने यलिगलिहं यलियालनी षाफिससयनी यंदयलिल्लं सुसुयलिल्लं विरुइय विरुनीसने षीमा  
 वीथवलनिर्वद्वं कलातु जिवसु मयसर्क ययसु सलदाशर्क ॥ रुयथा ॥ हलखलखलमल मिलमलमदकि मदिती  
 का ॥ रुल १० ॥ ल ५ ॥ मदि ५ ॥ सिद्धि ५ ॥ सुसि ५ ॥ ममसर्वेसत्वानीवखाहा ॥ अखावानंद नकजदनामलाक सिालान

नखलाकसखरायो समुदकु लयकि मयसि यान कलाया मसिकियाजनसहमानि रुदिलगद्वन रुदिकि क्रियायि  
 यादि सखामातु ॥ ककिगहालकिगा जाययिलकिगा सायन माहामाययो विद्यालाहा ममसर्वेसत्वानीव लकीकला  
 तुगुकि यलिकाने यलिगहं यलियालनी षाफिससयनी यंदयलिल्लं सुसुयलिल्लं विरुइय विरुनासने षी  
 मादीथवलनिर्वद्वं कलातु जिवसु मयसर्क ययसु सलदाशर्क ॥ रुयथा ॥ हलखलखलमल मिलमलमदकि मदिती  
 दकि मरुमादिक ॥ रुल १० ॥ ल ५ ॥ मदि ५ ॥ सिद्धि ५ ॥ सुसि ५ ॥ ममसर्वेसत्वानीवखाहा ॥ उगुदुमानंदमाहा  
 लाक सिनी नामानि ॥ रुयथा ॥ रुयिलानामलाक सि ॥ ययइमानामलाक सि ॥ मालिख नामलाक सि ॥ जननिमं नामक



सि॥ कलनिनामलाकृसि॥ हलिवदानामलाकृसि॥ लाहिनिनामलाकृसि॥ मालिनिनामलाकृसि॥ याननिनामलाकृसि॥  
कालिनामलाकृसि॥ कावीनामलाकृसि॥ मवानामलाकृसि॥ ग्रहनिनामलाकृसि॥ कालिनामलाकृसि॥ यरुगीनाम  
लाकृसि॥ यिंगवानामलाकृसि॥ कर्किनामलाकृसि॥ मदनिनामलाकृसि॥ असनिनिनामलाकृसि॥ गणहसिनाम  
लाकृसि॥ लुद्धिनाहलिनामलाकृसि॥ दडनामनामलाकृसि॥ उकासनिनामलाकृसि॥ अखादिनामलाकृसि॥ वाक्कीनामलाकृ  
सि॥ कृगागयालिनामलाकृसि॥ मजद्वानामलाकृसि॥ क्वथलानामलाकृसि॥ कृमालिनामलाकृसि॥ वखनिनामलाकृसि॥  
सुकिनिनामलाकृसि॥ विशाकृनिनामलाकृसि॥ जंगमानामलाकृसि॥ उकासनिनामलाकृसि॥ वसूद्वानामलाकृसि॥

कालनाहिनामलाकृसि॥ जमइहिनामलाकृसि॥ यमदुहनामलाकृसि॥ जमानानामलाकृसि॥ वायुनामलाकृसि॥ अमनाम  
लाकृसि॥ सवेवानामलाकृसि॥ उद्धकृनामलाकृसि॥ अकृरवानामलाकृसि॥ अकृवाहनामलाकृसि॥ वासुनिनामलाकृसि॥  
मदनिनामलाकृसि॥ माकृलिनामलाकृसि॥ चदानामलाकृसि॥ खदयालिनामलाकृसि॥ निखावनिनामलाकृसि॥ दिवसवना  
मलाकृसि॥ मदिकृमिनामलाकृसि॥ कथनानामलाकृसि॥ विहथकानामलाकृसि॥ दकानामलाकृसि॥ हिदिमानामलाकृसि॥  
सिमखलथलानामलाकृसि॥ कनादहिनामलाकृसि॥ मनामनामलाकृसि॥ वेयालिनिनामलाकृसि॥ सामानामलाकृसि॥ नि  
लानामलाकृसि॥ नीनानामलाकृसि॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥



[illegible]

सुनदावयक्रुनायाश्रीगुरुया॥ विदुःकाकसुमावेव॥ वमाम्बवनाचनाक्रुसि॥ यिंगनाययिसानावेव॥ द्दमावमुनाकुलाज्यायना  
ग्यानाहकासिनाजदावनाक्रुसि॥ उयकल्लेनकेठिवसंखमानावलाक्रुसि॥ मरुखीकिकामुरुककनायनागदगावसुनिका॥  
सुरुविक्रिमाहद्वियायुगनावथलाचनायक्रुदक्रुवजुखकायइमावकि॥ बावालकयिनावेनसिन्दासियहमद्वना॥ गिलिमि  
क्रुव॥ सुदल्लु॥ सुयेकनामहाग्रासा॥ विसात्राकाकदक्रिव॥ कसिनिलाहनासिका॥ मृगसुसिमाकासालिक्रुमिहवेवनाक्रु  
सि॥ कामाम्बक्रुतावविविकावेवलाक्रुसि॥ क्रुगिवद्वनानामनाक्रुसि॥ यइमावक्रिवनानामनांक्रुसि॥ वक्रामाहनासायक  
स्रील्य॥ वनागनावलाक्रुसि॥ सुरुदामथुनायी॥ सककेकतानाक्रुसि॥ कददक्रुताक्रुसि॥ नायसुयेकनाम्बसाकवहखी॥



निष्कालकायां खयिनायेन विदस्वीकृतिवार्ता यथावद्विद्विषादिनागलेधीक विस्मययथा उडा यथा वयिगल ॥ धिदिका  
मगुतातामसनायाकृतिवासिनि ॥ नयाकृता यथायावविमाचसं किनाकृति ॥ सुहियिपुलकनी ॥ नरुसिदि ॥ वृत्तयथायाव  
मनवर्षद्वमानेनिवा ॥ स ॥ इयतावक यथायक दिद्युतामिवा ॥ स ॥ अज्जात्राकृतिमार्थिगलानामकथक यवयस  
सर्गसाद्व ॥ सद्योमध्यनिदिनि ॥ कथयल्लक्रिता यग ॥ कथयल्लमनादक ॥ उक्रितायवल्लिवरुकावविद्यता ॥ गयमाना  
सिवाहलाविस्मयासुविद्विक्ता ॥ यिकृतालोहलिभावरुल्लवानिनासवा ॥ जगतायानरुनावाकसदामकवल्लिव ॥ सत्त्वानाम  
प्रयागायेय इत्यममवरुता ॥ याकिकस्यहोस्योहातिरुनामावपुका ॥ येवहि ॥ इदिहसकसिगक्यलितालिता ॥ यवमा

107

लीसहे ॥ वंययकसके ॥ यालिदितायल्लुक्क ॥ अनिर्णयवहियुक्तिकासर्गेविमानसदेगा इवसुविर्नद्धनलयासंयुक्तववल्ल  
प्रस्ययेनिवासिनीयता ॥ सताखलाकृया ॥ अरुद्धिक्क ॥ नाहाकृता ॥ अरुद्धिक्क ॥ मप्रस्यययविद्यक ॥ लालयखदा ॥ याहगनमवगस  
खेदवाकृति ॥ अनिसहस्यसासुतामद्धा ॥ अजाकथेवमउल्लि ॥ नमगल्लेप्रदानी ॥ खाला ॥ यथकद्वानी ॥ खाला ॥ अरुक्तानी  
खाला ॥ मक्रियस्यवादि सखस्य ॥ खाला ॥ अनागमिनी ॥ खाला ॥ रुरुगाग्रमिनिना ॥ खाला ॥ इभकायनानी ॥ खाला ॥ सैयभगानी ॥ खाला  
सैयभगिनी ॥ खाला ॥ प्रकृते ॥ खाला ॥ अयाय ॥ खाला ॥ यजाय ॥ खाला ॥ रुरुगाग्रमिनिना ॥ खाला ॥ अयाय ॥ खाला ॥ यजाय ॥ खाला ॥ रुरुगाग्रमिनिना ॥ खाला  
वल्लनाय ॥ खाला ॥ कथय ॥ खाला ॥ उवदाय ॥ खाला ॥ यमवना ॥ खाला ॥ यक्रीय ॥ खाला ॥ इल्लानाय ॥ खाला ॥ विमृद्धकाय ॥ खाला ॥







ग्रहं कर्तुं सुलं यस्तु सुलं हिंद सुलं यास्तु सुलं गद सुलं चक्षु सुलं गुद सुलं यानि सुलं यज सुलं उल सुलं जंघा सुलं  
 याय सुलं जंग यस्तु सुलं रुगां सवे जंघा सवे यायां सवे विवा सवे वायं सवे लिखं वदुं मम सवे सुखानी व सवे सिना को स्वसि  
 दिवा स्वसि मोह दिने या क उ स्वसि सवे महं लो गं सवे वृद्धा दि सं मुव न मा मु वृद्धाय न मा मु वृद्धाय न मा मु मं गाय न मा मु  
 कम ना रुका ॥ काखा द ॥ किल ना या गा या विना प्य रव का रुगा रुदा उ मा वा द्या या मय सखा रुगा सखा उ गा सा गला विरवा रुगा इ  
 रुगा इ ई या रुगा इ ध्रु क्रि ल इ लं धि ना ज म्ब वृगा रुगा सवे जाला प्र का हि का द्धि ति या य या हि का वा मु थै का स ग हि का  
 द्ध मा सि का य व मा सि का मा रु ति का नि य ठ ला रु क ठ ला ज मा नू र व ठ ला वि र व म ठ ला या ति का य ति का श्रु ति का

२६  
 १०३

सनियार्त्तिका रुगा सवे जाला ॥ य द्ध कर्तुं कि कि म क म यि क रु ग द ल या ॥ वे ष यो ला रु लिं ग रु ला मि त्रा व ति का ॥  
 न्द वान रु द क म ना व को म कि ना र्ग ना मा ना र्ग म्ब लो र्ग स न ना र्ग ग न ग्र हं क न सु लं य रु सु लं रु द य  
 शु रं या स रु लं ग द रु लं य कि सु लं गु द रु लं यानि रु लं य ज न रु लं उ ल रु लं जं घा सु लं या य सु लं ज ग य  
 र्ग सु लं रु गा ॥ सवे जाला सवे याया मवे विवा सवे वा द्य स लि रु द म म सवे सु खानी व स लि ना को स्व सि  
 दिवा स्व सि म य दि ने या ग्य इ स लि स व म हा ना रु सवे वृ द्ध दि सं मु व न मा मु वृ द्धाय न मा मु वृ द्धाय न मा मु मं गाय  
 य न मा मु मं गाय न मा दि ना य न मा वि म क य न मा मु सा ना य न मा मु सा रु य य वा क ना वा हि रु या य द्ध मा ठ म य



108

ककुनागवाजा॥ अन्ननागवाजा॥ मन्त्रनागवाजा॥ वायवनागवाजा॥ वदंशनागवाजा॥ सलनाग  
 वाजा॥ अस्मिन्नागवाजा॥ सलनागवाजा॥ अककुनागवाजा॥ सुवाङ्गनागवाजा॥ सुमन्त्रनागवाजा॥ सुय  
 यनागवाजा॥ वदयनागवाजा॥ एदकागवाजा॥ नन्दनागवाजा॥ गङ्गनागवाजा॥ विधासना  
 नागवाजा॥ सुसुनागवाजा॥ मन्त्रनागवाजा॥ विमनागवाजा॥ अलसिखानागवाजा॥ बलसिखाना  
 गवाजा॥ अस्मिन्नागवाजा॥ गवयसिखानागवाजा॥ मृगसिखानागवाजा॥ रुक्मसिखानागवाजा॥ नवसि  
 खानागवाजा॥ अद्भुतलिकानागवाजा॥ ऊनागवाजा॥ विहानागवाजा॥ विहासनागवाजा॥ विहस्य



नानागजा ॥ म्रविलिदानागजा ॥ म्रविलिदानागजा ॥ माहाम्रविलिदानागजा ॥ याव नानागलाजा  
वाधवा नागजा ॥ गिलिनागजा ॥ सिलिकानागजा ॥ नैमृकानागजा ॥ जनेरुनागजा ॥ कुरुका  
नागजा ॥ हलिककानागजा ॥ यादकानागजा ॥ यिंगनागजा ॥ प्रलयकानागजा ॥ यादवानाग  
जा ॥ सखानागजा ॥ जयवा नागजा ॥ कालानागजा ॥ उयकालानागलाजा ॥ यलधवानागजा ॥  
नायथनागलाजा ॥ कमलिनागजा ॥ मकलानागजा ॥ रुदिनागलाजा ॥ म्रदिसूतानागजा ॥ हिमान  
गलाजा ॥ विरव नानागजा ॥ वाकसानागजा ॥ डौवनागलाजा ॥ गगननागजा ॥ सिंकनागलाजा ॥ द

१०५

कनागलाजा ॥ मंगयानागलाजा ॥ सयुक्तिथानागजा ॥ यलाम्बनानागलाजा ॥ दलनिदलानागजा ॥  
निमिदलानागलाजा ॥ अथिद्वयानागजा ॥ म्रयानागजा ॥ सुरुयानागजा ॥ म्रसुरुयानागजा ॥ मनि  
रुयानागलाजा ॥ मनिकनानागलाजा ॥ दौकालकोनागलाजानो ॥ दौयिस्तकोनागलाजानो ॥ दोखस्तकोनागजा  
जानो ॥ मानिनागलाजा ॥ लकमानिनागलाजा ॥ म्रमसानागलाजा ॥ रुदयालानागजा ॥ उयवृथानागजा ॥  
जामस्थिथनागजा ॥ रवकस्तनागलाजा ॥ मनिस्तुतानागलाजा ॥ वस्तुतानागजा ॥ म्रकुरुकानागला  
जा ॥ विरुयारवानागलाजा ॥ वैसव नानागलाजा ॥ उयविस्तुनागलाजा ॥ सकुमयानागजा ॥ अद्विथानागलाजा ॥ क







हा माययो विद्यानाहा मम सर्वे सखानीव लकी कर्मभूमि उ किं यलिगानेयलिग्रहं यलियालने साहा स्वस्ययने दं  
 दयलिहलं ठा रुयलिहलं विखइखने विखनीसने ग्रामावधवलनिम्वेद्वक वा मुजिवमुवरवसुस्ययस्य  
 सलदागहं ॥ स्वसिहवमुममसर्वसखानीव उ किरुस्यममु सगकत किरुता निखनस्य जागगागस्य स्वसि नाज  
 रुयाक ॥ अग्रिरुयाक ॥ अकालममु रुयाक ॥ उदकरुयाक ॥ अद्वकरुयाक ॥ यथथीकरुयाक ॥ उमादरुयाक ॥ य  
 लवकरुयाक ॥ यथिरुयाक ॥ अकालममु रुयाक ॥ अद्वलनिस्कीय रुयाक ॥ नागरुयाक ॥ असलरुयाक ॥ मद्रु  
 रुयाक ॥ गत्रदरुयाक ॥ गीद्वरुयाक ॥ किनलरुयाक ॥ महालगरुयाक ॥ अकरुयाक ॥ नाकसरुयाक ॥ यरुसु

१०१

याक ॥ यिसावरुयाक ॥ रुकरुयाक ॥ कैलावरुयाक ॥ कठयसुनरुयाक ॥ सकद्वरुयाक ॥ उमादरुयाक ॥ कायारुयाक ॥ अ  
 यस्मालरुयाक ॥ अकालरुयाक ॥ स्वसि रुयाक मनकाखाद किल्लम्वताद विद्यय्य रवक ॥ यमुसु इद्वदिसु व या इ  
 रुकि सु इलि विरु इनधिगाम्वेद्व रुयाक ॥ स्वसि सर्वमठानाक सर्वेद्वदिसु व नमामुवद्वय नमामुवा द  
 य नमामुकाय नमामुसुय नमामुसाताय नमामुसीकय नमामुविमूकाय नमामुविमूतय येवाकनावा  
 हिरुया यद्वमोयम्वथीगासखाहिरुयाय निरु सुसुम्वकाकी किरुसमाद्वियका रुवाकनाकालयिरु समेथा नगुय  
 नमसुवममसर्वे सखानीव यलियालनेयुखाहा ॥ नूयैवानीदमाहामायलि विद्यानाही विद्यवा नासैम्वरुवद्वन



मारवीका वाद्य नूमादिका॥ गद्यथा॥ अलक्षकलया॥ मयमदम्वद्धन अवल सखल सुलखल सखल यनसखल  
 कुविरख विखाहा॥ नूयवाने दमाहा मायनी विद्या नाझी सिखिना संम्यक संवद्ध मनहारिवका॥ वाद्यनूमादिका॥ गद्य  
 था॥ ००६ मिठ खल विखल हिलिश् मिलिश् कमुमले अद्धनाम्बकि दक्षि सवल इय काइय हिलिश् कुविश्  
 मविश्खाहा॥ नूयवाने दमाहा मायनी विद्या नाझी विखलुवा संम्यक संवद्ध नहारवीका वाद्यनूमादितायक गद्यथा॥ मालिश्  
 कम्बदिमदिकिक रुलश्खले रवलश्खले रुलिनिदुक्ष दक्षिलसंकि मक सिनखनदिनिगा जिगखाहा  
 नूयवाने दमाहा मायनी विद्या नाझी कक कं दन संम्यक संवद्ध नहारवीका वाद्यनूमादिका॥ गद्यथा॥ हिलिश् रुलिमलि

क१

१०८  
१०९

सुव  
 कुलिश् अशयदक्षुदैकिले सकलिवक लिथक लिकावनम्ब किवल रखल ॥ धल ॥ वल दयखाहा॥ नूयवाने  
 दमाहा मायनी विद्या नाझी कनकमनिना संम्यक संवद्ध नहारवीका वाद्यनूमादिका॥ गद्यथा॥ कलरु कलेरु कल  
 कलकलेरु धल विजय विशखल अलठ विलठ विलजामसि मकिमालिनिमूदठालिमूदठाल ॥ दम्ब  
 किखाहा॥ नूयवाने दमाहा मायनी विद्या नाझी काखयन संम्यक संवद्ध नहारिवका वाद्यनूमादिता॥ अदल यद  
 ले मदल जंमूजंमू नदिजंमू मकि मयमदिकिक अमल सिद्धि ॥ यसु ॥ यस्यसिखाहा॥ नूयवाने दमा  
 हा मायनी विद्या नाझी मयायसु हिसाकमनिना संम्यक संवद्ध नहारवीका वाद्यनूमादिका॥ गद्य



भा॥हिलिमिलिकिलियिलि०० किलककल ककुले अदमकि उदयक रुदसलकवसव्य नलकयका मि  
निकंदलकि अरकलवन्नियकि सिदक मि लिफल ॥०० मिहास्य अवलहन्न मलिम्य वदिवदिक अ  
लकुम्य वदिकुम्य वरवकुशवसमकुनदससुदिसासुनमाहगवकु कदादकं हवीमु ॥ नमाहगवय ०० सिई  
य ०० दिहाय उमादाहिकाय हगमऽ सिकाय अन्न विमन्न विन्न वजनद्ध उदययीय अल गाल कश्चन  
नायायनियोनायनि यस्यानिसिद्धमुम्यमकयदानि स्यात् ॥ सयथीमया साकमनिनासंम्यकं वदन्नहारवीतावा १०  
० वाह्यनूमादिता अनयनहिदना स्याति हिदः खस्ययनं रुताम्यनसयसत्तानीवनक्रीकृताहव ० मुकिंयलिग

नेयलिगृहं यलियात्तनं सायिखस्ययनं यदयलिहालेगस्ययलिहाली विरवइखनं विरवनासुनं सिमावैध  
यलनिवद्धवकनामुजिमु वरवसस्ययस्यमुसलदासकी ॥०० यं वामाहामायलिविद्यावाही मेकियनवायिस  
खनहारिवहावाह्यनूमादिता ॥ तद्यथा ॥ सिलिरसिलिरय काकिदरय रुलय हलिनि दकि सम्वल सिव  
सुयानि वादि ॥ वादिसत्ययलियात्तस्वाहा ॥०० यं वामाहामायली विद्यावाही वक्रनावसहायकिना हा जहाय  
तिनाहाखितावाह्यनूमादिता ॥ तद्यथा ॥ हिहलिरमिलिरमि सिमाकि वकलि किलिग किलकवकलय ॥  
लल कलयक विदद्वय स्यदलेरसलरहलरहन्नज स्यात् ॥ हलविर्वनिहल विरव वद्धसुजाहसु विरव



यथ कद्रुशुजहक विरव नरुनयुगोहक विरव अनागममिथुगोहक विरव संरुगुमिथुगोहक विरव सा  
 गायकिगजहक विरव सगुवादिगजहक विरव वक्रदंदकजहक विरव दंदमजगजहक विरव विरु  
 दकसजहक विरव अग्निदाहगजहक विरव वननयासागजहक विरव असुलमायागजहक विरव ना  
 गविद्यासजहक विरव नदसुलहक विरव सुहृदिकिहक विरव माहामाययो विद्यानाहक विरव नि  
 हक विरव रुग्यासंकासकु विरव सुसिहवसुखाहा स्वासुहिकुसुवे विरवीकु वसनाह विद्यासु हनाह  
 विरवीकु कालककु विरवीकु दधु विरवीकु मल विरवीकु वले विद्याकु द्विह विरवाकु विद्यु विद्याकु

७७  
 ११०

ली ३

४२

मयसंककु विद्यासु सवेसुरिवक किठनरुकलह संद्रकमक्रिक रामलवलतिथ कद्र कनाठक किं विरवीकु मनु  
 मय विरवीकु वृथिक विरवीकु सीका विद्यासु डोरव विद्यासु विद्यासु सुसि सवे विद्यासु स्वासुहिकामम सवसु  
 नीयखाहा ॥ ०० यवानंदमाहामाय विद्या नाहो ॥ कनयवाना मिथनहा विगावाय सुभादिका ॥ गयथा ॥ जनाजकु  
 ले ॥ मायाजकुले वायाटीजकुले मथनि स्वसुनिगुस निहलिसिलिह ननवसि हाज ॥ सिंहहिकि वि  
 द्विहिकु नरसुसु सवल सवगुह सिवसुसुसि यिलिह कयिलमले सहिह सवे इसुयइगा  
 नीजहनीकनामि ॥ हसुयादानीयुगो निगहक लामि सहसुदसाहिंयथहिंउ द्विगिनिहलय किवसंकिवज



[illegible][illegible]



स्ययवानाग्रसुनागवृदागंथवाकिंनरामहालगायकानाक्रुष्यामव्यतायिसावा। कंहादायकनाकसुयु  
रुष्याउमादाकायाअयमाया॥उरुलका॥उजाहाना॥गहाहाना॥वदिनाहाना॥मासाहाना॥मयाहाना॥मजा  
हाना॥जागाहाना॥वत्याहाना॥मायाहाना॥गप्पाहाना॥यव्याहाना॥हल्याहाना॥ध्याहाना॥सत्याहाना॥आरु  
हाना॥य्याहाना॥विताहाना॥मूलाहाना॥श्रुतानकाहाना॥सिंहानकाहाना॥उच्छिद्यहाना॥वाहाहाना॥असु  
याहाना॥स्यदनिकाहाना॥नानाद्रयाहाना॥विद्रयाहाना॥जनकद्रयाहाना॥कामद्रुमदिविद्रुयानेवासिका॥यु  
तिवर्षहि॥तयानयामाहामाययोविद्यावाह्या॥स्वातिरिकाभेमसर्वेसुखानीव लकीकर्वतु जिवंमुववसुतयस्यतु

११२

सुलदाहाते॥उगङ्गाखमानयवेरुनाजानी॥नामानि॥तयथा॥सुखयवेनाजा॥हिमवानयवकुनाजा॥गङ्गमादनयवेरु  
नाजा॥सुरुष्टगयवेरुनाजा॥यासुलयवेरुनाजा॥रवेदिनयवेरुनाजा॥सुवनयासुयतकुनाजा॥निमिद्धनयवकु  
नाजा॥वकुवासुयवकुनाजा॥रुदसुलयवेरुनाजा॥प्रकालययवेरुनाजा॥ग्रामेकयवेरुनाजा॥सुदसनयवेरु  
नाजा॥वियलयवेरुनाजा॥ललाकनयवकुनाजा॥किमिदयवेरुनाजा॥मनिकुयकुनाजा॥सुयामविहयवकु  
नाजा॥म्वजाकनयवकुनाजा॥असुलयागुनयवकुनाजा॥हनुमयवेरुनाजा॥विद्युयुयुयवेरुनाजा॥असुलिरव  
रुयवेरुनाजा॥असुथयवेरुनाजा॥वदरुयवेरुनाजा॥रुदसुलयवेरुनाजा॥सुयेकीरुयवेरुनाजा॥विद्युय



वंरुनाजा॥ विष्णुयव्वरुनाजा॥ विरुक्कंरुयव्वरुनाजा॥ चदस्सलयव्वरुनाजा॥ सुवन्नेसिंगयव्वरुनाजा॥ पालिज्ज  
 यव्वरुनाजा॥ सुवाक्कयव्वरुनाजा॥ सस्ययव्वरुनाजा॥ साद्धस्सयव्वरुनाजा॥ केनास्ययव्वरुनाजा॥ मीरुस्सलयव्वरुनाजा  
 मालयव्वरुनाजा॥ मनिर्मरुयव्वरुनाजा॥ सुवाक्कयव्वरुनाजा॥ सुम्ययव्वरुनाजा॥ वक्कयव्वरुनाजा॥ ययगक्कय  
 वेरुनाजा॥ उमकनयव्वरुनाजा॥ विरुयव्वरुनाजा॥ खगयव्वरुनाजा॥ गयनयव्वरुनाजा॥ म्चनयव्वरुनाजा॥ न  
 र्हरुयव्वरुनाजा॥ विरुक्कंरुयव्वरुनाजा॥ सिंहयव्वरुनाजा॥ उयसिंहयव्वरुनाजा॥ सक्कयव्वरुनाजा॥ कालिजलिय  
 व्वरुनाजा॥ जियागिलियव्वरुनाजा॥ वदनयव्वरुनाजा॥ ककनादयव्वरुनाजा॥ गद्धेक्कयव्वरुनाजा॥

४३  
११३

न्नुत्तवास्सियि विमदस्सयव्वरुनाजा॥ न ॥ क्कंरुनाग्रचस्सुगामलुगागददाकिनलमहानगमयक्कनाक्कसा  
 य्थतायिस्सावा॥ हुत्तक्कंरुनादायक्कना॥ कतयक्कनाक्कसा॥ उत्तदा॥ क्कया जयस्माना॥ उत्तानकासिद्धा॥ सिद्ध  
 विद्याद्धनाजा॥ नस्सस्यनिवाना॥ नौकसिक्कायक्किसिक्कसा॥ ह्ययनयामाहामिाय्थोविद्या॥ नाहाममसव्वेस  
 लानीद॥ नक्कनाक्कनाक्कना॥ न्निबुद्धस्सस्सयस्समुत्तानदाहा॥ सव्वेयायाव्वनयक्कना॥ ययस्सयस्सय॥ ज  
 कल्लानयक्कनाक्कना॥ न्निबुद्धस्सस्सयस्समुत्तानदाहा॥ सव्वेयायाव्वनयक्कना॥ ययस्सयस्सय॥ ज  
 स्सस्सिक्कनाक्कना॥ न्निबुद्धस्सस्सयस्समुत्तानदाहा॥ सव्वेयायाव्वनयक्कना॥ ययस्सयस्सय॥ ज



यगगनवलसि अवशसक्ति गयथा ॥ रुकि कावा हि निवेव ॥ मगसिवादाव नवसु ॥ यव्यामगनसयना  
 ज्वाखारुवैकि सकमी ॥ नूयतासकनक्रुता ॥ यवद्याविकाथीता ॥ ययद्याविसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ न  
 यनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव लकीकनातु ॥ जिर्वमुववसु ॥ ययसुसलदासु ॥  
 मघावामिसुमयउयरुगु निरुथववहसु विरुविसारवाहुवैकि सकमी ॥ नूयतासकनक्रुता ॥ यव्यामघा ॥  
 विकाथीका ॥ ययडिमादिसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ नूयनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव ॥ ११६  
 नक्रुवैमु ॥ जिर्वमुववसु ॥ ययसुसलदासु ॥ ज्वाखारुवैकि सकमी ॥ नूयतासकनक्रुता ॥ यवद्याविकाथीता ॥ ययद्याविसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ न

उद्य ॥ अरिजिसवसुथा ॥ नूयतासकनक्रुता ॥ ययडिमादिसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥  
 ययनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव नक्रुकनातु ॥ जिर्वमुववसु ॥ ययसुसलदासु ॥ नून  
 सहिरावैवउयराययथीका ॥ नवकिवासिनिसव ॥ रुनिरवैकि सकमी ॥ नूयतासकनक्रुता ॥ उतनाद्यावि  
 काथीता ॥ उतनादिसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ ययनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव नक्रुकना  
 तु जिर्वमुववसु ॥ ययसुसलदासु ॥ उतनादिसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ ययनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव नक्रुकना  
 तु जिर्वमुववसु ॥ ययसुसलदासु ॥ उतनादिसैनक्रु कियलियात्रयसि ॥ ययनयामाहामाययो विद्यानाझाममसवसुखानीव नक्रुकना



गमनाग्रह ॥ वरुणग्रह ॥ मारुग्रह ॥ धूमक सुग्रह ॥ अकाविंशुलिग्रह ॥ सकसकदिदसा निथी ॥ गागाग्रना  
 नथपदीयवाकुकुमुयसकम ॥ सदैववदसुयोही ॥ सकलिंसकनवका ॥ उदयाम्हगशानेवक्रमनायध ॥  
 क्रयविद्धिकनावाकमाहायजामहदिका ॥ विद्यामनूमादयसुप्रसननयसुसा ॥ गयानयामाहमाययो विद्यान  
 ह्याममसुवसुवानाव ॥ नकाकनाड ॥ गुफियविगाने ॥ यविगुहं ॥ यमियावने ॥ अक्षिस्वसुयने ॥ दंदयलिहाने ॥ स  
 कयविहाने ॥ विषइरवने ॥ विरवनासने ॥ सिमावंधधसुनिर्बवकनामु ॥ जिर्वमुववसु ॥ यहीउसलदागक ॥  
 उग्रद्रुवमानदयवानीनामानी ॥ जह्यावामुद्धियकावाकधर्गोहवागययक निवासिनसुखानामानिकि

५५  
 ११५

कयीव्यामी ॥ नद्यथा ॥ मावाहनामायवा ॥ वामुमाहनाजकानामायवा ॥ गायगुंसा नामायवा ॥ कुविगानामय  
 वा ॥ बनिर्माकवस्वकिनायवा ॥ दुक्कायिकायवा ॥ आहासायवा ॥ यामानाययवा ॥ अयुमानाययवा ॥ य  
 विगुहायवा ॥ अयमानाययवा ॥ सुहुरुमायवा ॥ अनरुकायवा ॥ यनयसुवडवा ॥ नथासंगीनायवा ॥ अरुया  
 नामायवा ॥ सुहसा नामायवा ॥ अकनिगानामयवा ॥ आकासानयायनयवा ॥ विग्यानायवा ॥ अकनिष्ठाव  
 वा ॥ आकाशायवा ॥ विग्यानायवा ॥ नैवसंगायनायययवा ॥ ॐ ह्रीं गावानववामुमाहनाजकायिकार्य  
 वाकधर्गोहवागययक निवासिनायवा महदिका माहानूहावा ॥ यनमहभरयायवानेददवा सुवा यकि



वसीकि॥ नयनयामाहासायथोविद्यानाहामममदेसुखानीव नकाकर्वम्भुजिर्वम्भुवरवमर्हं यस्मिन्मूल  
दासर्हं॥ ठगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
दियसुयसानीमायायु॥ अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
नयथा॥ अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
महर्षि विस्वामित्तानाममहस्वी वसीकानाममहस्वी वामिकानाममहस्वी कस्ययानाममहस्वी रुद्रकास्यना  
ममहस्वी हिगुनाममहस्वी हंगुनाममहस्वी नीगुनाममहस्वी हंगानाममहस्वी हागीनथना

ममहस्वी अंगीलथानाममहस्वी अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
नाममहस्वी वसीकानाममहस्वी वामिकानाममहस्वी कस्ययानाममहस्वी रुद्रकास्यना  
हस्वी उगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
नाममहस्वी अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
कानाममहस्वी अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज  
सुक्रानाममहस्वी रुद्रकास्यनाममहस्वी अगृह्यमानेदयोनानीमहस्वी नीनामानिसिद्धिनीसिद्धविद्याद्वानी दियसुयसानीज



जिगुलिनाममहर्षी गद्यनाममहर्षी नृकसीगमनाममहर्षी काव्यायनाममहर्षी ऐश्वानाममहर्षी  
 ऐश्वामार्तगमनाममहर्षी कपीनाममहर्षी उमेतमानाममहर्षी मार्तगमनाममहर्षी नाहितासनाममहर्षी  
 सुनगानाममहर्षी सुननमीनाममहर्षी असिगानाममहर्षी वालिबील्यानाममहर्षी नावदानाममह  
 र्षी यद्यगानाममहर्षि कमिनाममहर्षि ॥ १३ ॥ ॐ ह्यं नानेदयो नानामहर्षया यदनाकमुवा ॥  
 मर्तानी प्रद्युम्नयिगाल सायानीदाता नडगुम्नगामाहायजसा सिद्धा सिद्धयवाक्रम ॥ त्वय्यनयामाह्व ॥ ११०  
 यथोविद्यानाज्ञाममसुखसुखानीव नकाकनामु जिर्वहु करवसर्क यथोदुष्टानदासर्क ॥ तद्यथा ॥ हि सि २

रवीलिश्मूलिश्मिलिश्मिलिश्मिलिश् ॥ दहृददहृगुस निमथनिदहनिध्राकुनि यवनिवायनि तयनिता  
 यनिहलनिदहृदालनिदाकुनिमाहनीर्कम् निखयं तु यस्मात् ॥ उगद्वस्वामानेदमहृयजायुहिर्ननाम  
 नि ॥ यद्यवानाग्रमवतासुनागवृदाकिनलमहालग्न यक्रनाकसा मनुष्याहियो ग्यानिखमेनलकसुतासुहृय  
 हाकिर्सेखयै ॥ स्वसि विस्वये केवाकवथाता पातयथा ॥ वक्रायजायुहि ॥ अग्नियजायुहि ॥ अरुययजायुहि  
 अक्रियजायुहि ॥ रुगुयजायुहि ॥ सुकृतयजायुहि ॥ सुनेदयजायुहि ॥ दहृयजायुहि ॥ सतृक्रमानयजायु  
 हि ॥ ह्यं नानेदमाहायजायुहिनी ॥ आवलर्जगमसुहृगुमस्यनकाथ्ययस्यथाता ॥ तय्यनयामाह्वमाय



११३

知



विक्र॥ ॥००॥ यवानंदमाहावृक्षा कुरुयिवयववता यतिम्वसि ॥ गायनयामाहामाययो विद्याना  
 झाममज्ञवेसुखानीव नकाकर्मदुःखं कियलिताने यलिंगहं यलियावनने साफिस्सुयनने ददयलिताने  
 डाफयलिताने विखड्डनने विखनीसनी ग्रामावद्धलनिम्बद्धव कनाम् जिबेदुवरवसुं यम्भुसलदास  
 ॥००॥ यवानंदमाहामाययी विद्यानाझासुहृ ॥ सम्यक्कं वद्धे हाखीतावाह्यनूमादिताव ॥ तथथा ॥ वियसि  
 नासम्यक्कं वद्धनहाखितावाह्यनूमादिताव ॥ सिखिनासम्यक्कं वद्धनहाखितावाह्यनूमादिताव ॥ विस्वह  
 वासम्यक्कं वद्धनहाखितावाह्यनूमादिताव ॥ द्रुक्कं दनसम्यक्कं वद्धे हाखितावाह्यनूमादिताव ॥ केकेमनि

५५  
 ११५

नावसम्यक्कं वद्धे हाखितावाह्यनूमादिताव ॥ कास्ययनसम्यक्कं वद्धे हाखितावाह्यनूमादिताव ॥ मयावेसुहि  
 साकमनिनासम्यक्कं वद्धे हाखितावाह्यनूमादिताव ॥ ००॥ यवानंदमाहामाययी विद्यानाझी मेरुयनवादिस्सत्वा  
 नमाहासुखेनहाखितावाह्यनूमादिताव ॥ वक्कनावसहायतिनाहाखितावाह्यनूमादिता ॥ सकेनयवाना मि  
 दनहाखितावाह्यनूमादिता ॥ वाक्कमीहाजिकास्सहाखितावाह्यनूमादिता ॥ हिक्कनाक्कं हाखितावाह्यनूमादि  
 दिता ॥ विवृद्धकनके हायमाहावाक्कनहाखितावाह्यनूमादिता ॥ विवृद्धकननागनाजनहाखितावाह्यनूमादि  
 दिता ॥ वेस्वनवमाहावाजनहाखितावाह्यनूमादिता ॥ नृतीविस्तिहिक्कं हायनहाखितावाह्यनूमादिता



न३ न३ न३ न३ न३ न३  
 अथाविं सति हिवज्जस्यनातिनामानीयावयस्कसयमीनेनहावितावाहनूमादिगा॥ इत्येवानेदमाहा  
 मायनीदियावाहो॥ जनसिकमयाह॥ दवग्रहागा नागग्रहो असुलग्रहो मनुग्रहो किननग्रहो  
 जक्रग्रहो नाक्रसग्रहो यक्रग्रहन यिसावग्रहन कृतादग्रहन हक्रग्रहन क्रोतादग्रहन कसय  
 ठनग्रहन स्कग्रहन कायाग्रहन अयस्मानग्रहन आकालग्रहन अनतिक्रमनिया स्वग्रहन अन  
 तिक्रमनिया॥ सवाजजाहालिनिति गहाहलिन्या इदिनाहलिन्या वसाहलिन्या मासाहलिन्या  
 मयाहलिन्या मजाहालिन्या जागाहालिन्या जिबिगाहलिन्या वयाहालिन्या वयाहालिन्या मासा

120

न३ न३  
 ल्याहलिन्या गंक्षहानीन्या ययाहालिन्या धयाहालिन्या रुयाहानीन्या स्याहानीन्या अद्रुयाहानी  
 न्या ययाहालिन्या विगाहानीन्या मगाहानीन्या ह्रयाहानीन्या सिंहानीन्या उक्तिगाहानीन्या वाताहा  
 नीन्या असुखाहानीन्या स्यदनिकहानीन्या नैसुत्रयाहानीन्या अनतिक्रमनिया कृषाकमकारवादकिल  
 नयागादविद्येयवक इहसुइवलिकु इकायाइ यरवीता इतिरिवकु इनधिगावंधूनेनतिक्रमनिया जा  
 लनयकाहिकेदिहियेन मेतिथकेन वामथकेन सताहिकेन अद्रमासिकेन यवमासिकेन मेरु  
 रिकेतन निशुजालेन विखजालेन हसुजालेन वातिकेन येतिकेन सूरिवकेन सनियाहिकेन



अनतिक्रमया सिनाया अद्यावदकं अवावने अखीनागं नासागं मुखगं कनगं हिदागं गल  
 गहं कनसुले दकसुले हृदयसुले यासुले धरुसुले उदयसुले गदसुले वसिसुले जानिसुले यज  
 नसुले उन्नसुले जंघासुले हृहसुले अगययगगुने अनतिक्रमनिया उदक किमिक्रसु मूर्गदव  
 गदयासु क वैस्ययाहनिग अनतिक्रमनिया सद्यथाहि हि सम्यविर्खे सर्वद्रुं सद्यहये सद्यकपि  
 कयहविग्रहविवायवायसुं यायास यवमानयमाहामाययी विद्यानाहो अतिक्रम्यकृतस्यवजयानिस  
 फडास्य इगाम निअजकस्यैवमंजवि हातयिकं किसवद्राक्षवाहि सत्ययकदृष्ट सायकानाहजसाना

१२१

वाकानरुवसुन आयोयंगवायन विस्वायगाहयसु अस्वायामाहमाजानायुं कनधनययोसै समनमा  
 कमकासनासुनमाययय सकवाययवानामिदया हिदसकूनययिहगावधनमक्राहिवकायावक्रसुजसाव  
 स्यविद्विषिकरसागकय स्ययवानंदमाहामाययी विद्यानाहो अक्राकियरुं सुतं यकिसवावावध्यसुं सद्ये  
 व्याकानददनुनमाक्रसु ददारु ग्रहावनयग्रहाह जाकास्यनया कासाहं ययिहायनेनययिहायनाह  
 यामहर्खेनयामहर्खेनाहं नवम्यवमाक्रसु नवायवाजदयं विरिषाहि नादकरयंर विक्रसि कासनकालेक  
 यकि नवायकायविषेनकमिव्याहि मुखं वसुयति सुखं वयति विहास्यथ स्वथानिययदवातस्वनिह

५१



[illegible]

नाव ॥ तथथा ॥ याव किम्वन किन गत्र सुलम्बसा हा ॥ नाहम द्वयव माहव नृत्वा कया विखा निखा रगवी वृद्ध  
द्वस सुहृत् विखे ॥ नाहम ल्पखव माहव नृत्वा कया विखा निविखा रगवी संघ संघ सुहृत् हयै विखे ॥ यद्व न स  
वदू धनी महता वीम्वयय स कथा ग सु स्यात्जन कका सु स्यायने मया ॥ स्वायत्त काम मसंघ सत्वाना व हयै विखे  
माहामाय यो विद्या नाह्मा स स्वनद स्वात हि क्री सु नाय स क्री सु उय स क्री सु स्वात हि क्री अनया माहामाय यो विना  
ज्ञाव काम का खि ॥ गु र्किय विगुने यु विग्रह ॥ यु विद्या लर्न ॥ अ कि सु स्यायने दयय विहारे सकुयनी हेली ॥  
विख इखन विखनी सन ॥ अमा वं धधन निम्वद्वय क गमी ल ॥ यथा रुवायू कान स्वात हि क्री सु स्यादा वा वाद



युष्मन्नावाननवनवक्रास्वस्वयनीकुरु ॥ • ॥ अथयुष्मानवनावासातिरिक्त्वायनम्गवीकुनायसकात् ॥ उयसी  
 क म्यहगर्वसु ॥ यादोसिलसोहिम्बेयहगर्वसु ॥ सद्यज्जअवगतनिथयहगर्वतानुद्गाकुनककुनिरवन ॥ अथखक  
 हगवीयुष्मसुमामसुयगस ॥ इतस्सुमाहामाययी विद्यावाह्यायुहाववृति ॥ सुथावादिनेहगर्वसुमाद्र्यायनेम्या  
 वाव किमिदंहगर्वन्नविदिसुहविद्यति ॥ सुगवीयूनववाव अथयानेयववावामाहासम्पदा स्वस्वमागव  
 याप्रीयावि आकासमूययसु ॥ यद्यादिथोता यथायीनियक तिनयीकयतिस्वतागकय नवसुथगताव  
 वनामनथाहायति ॥ • ॥ अथरवानायाकानेमामसुयगस ॥ सुस्माकहिस्वमानेदंमहीहामायनीविद्या  
 मा

६३  
 १३३

नाह्नी यस्सुसनीयुषयानीमावावयति ॥ हिक्त्वानीक्त्वानीनी उयासकाउयासिकानीवाहि ॥ सुधरवागवानिति  
 ॥ • ॥ अथयुष्मानानेदाम्गर्वसु ॥ यसीसुय ॥ • ॥ मांमाहामाययी विद्यावाह्यायसुसनीयुरवदामावाववा  
 तिसु ॥ हिक्त्वाहिक्त्वानिनी उयासकाउयासिकानीवसि ॥ • ॥ • ॥ दंमवहगवानायावस्वाहिक्रायवसु  
 सीयुषयिसनियुक्ति ॥ सन्निषना ॥ • ॥ दवानागा अस्वा गवदा किंनवामहावगा उज्जका नाकसा  
 यसा यीसाया मीनूया अमनूया सुसवेहगर्वसाहाविसुमहनदन्नि ॥ • ॥ अथोमाहामाययी  
 विद्यावाह्या ॥ सदाथसाद्यन्नि अविनद्रायकमस्वायुक्तिरुद्धासमाक ॥ • ॥ • ॥



धु०  
 धेधमोवाहसुयवा॥हयसुसर्व॥रुथागसु॥हवयसुसर्वयानि॥कहा॥पुवम्बादिमा॥हानमोनी॥  
 नमादधाय॥नमाधमोय॥नमा॥संघाय॥नमा॥नमा॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

५  
 १२६

ह० नमः॥गामाहर्मस्तानुसालना॥धमोनागयसुयवि॥जमकजगमाकवि॥वाववका॥विसानाक॥विकवाशयुहा  
 कलि॥यमनागयसुयवि॥नमस्तजगमाकलि॥ ॥ नमविद्यामाजाय॥नमसम्भयकद्वान्नीकसुहगवानायुका  
 मानेडमामेकयकिस्मा॥ ॥ गकानेयवेसापिगला॥दु० किलयादंशययला॥००मानिमाहामेना॥नूसालनि  
 मेकयदानिहावसुसो॥ ॥ ००माचगाथा॥विसयसु॥विसयसु॥माल॥ ८ ॥ दधनाकानुर्मीयक॥आह्वा  
 ययीकि॥सवेद्वदानुर्मकन॥सवेयसुकद्वदानुर्मकन॥समाहानुर्मकन॥सवस्ययानुर्मकन॥भावकानुर्मक  
 न॥ससेवाकानुर्मकन॥यसुकद्वदानुर्मकन॥काम्यसुवा॥नूसीकन॥००दानुर्मकन॥यवानुर्मकन॥अस



यदाद्रमं न ॥ सदा सुतानुमयन ॥ असलकी नमकन ॥ सवहुतानुमयन ॥ ॥ विसनसुगताय ध्याना ॥  
 वृद्धनाकानुकेयुस्तु आज्ञाययति ॥ भवति ॥ ६ ॥ सातिसुक्तुं वृद्धयसायसुक्तुं निरुक्तुं ॥ वृद्धयविसुक्तिमा  
 ह्ययवागिधवगुत्तुं सदावसक्तुं सुवृद्धका ॥ सयजायकिका यत्नाया ॥ नासुक्तुयाया यविसुक्ति ॥ अनका निवयवना  
 सहसानि ॥ अलदावअनका निव ॥ असनसहसानियविसुक्ति ॥ मृदुनिवहसु ॥ साहसानि ॥ रगवगाहियुपना  
 नियमवृक्ति ॥ सवे सत्त्वानामर्थसुधामानथसुक्तुलियति ॥ निगक्तुं ॥ ७ ॥ स्वीर्ययनायक ॥ जदियनैसुवीन  
 नयनायक ॥ नस्यसुक्तुं मेसु विनायायना वृक्षा ॥ मानुलका नूवसु यीसु कामा ॥ सुक्तुं सुक्तुं मेसु वयविसु  
 यं

म्येदकी ॥ सयलसुक्तुं थायमज्जयसमनसु ॥ सरव प्रियमकवोसु ॥ सयमंगिसु म्यमवे ॥ यदाऽतिवसु सक्तुयास  
 वेसु मी विसुल ॥ सवेसु विदिविद्वानिकालयेदीवकली ॥ वृद्धय कालक्यानि ॥ यसु विरुपु इयसि ॥ अवनयवक  
 रुथी नानाल कालसुयि ॥ हिक्तु वरु यल कयो इयसुक्तुं नसु यल ॥ वरुलसु मला नाज्ञा ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥  
 रवेसु ॥ वाक्रु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥  
 गमल ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥  
 सागभेनायील ॥ यसु यन्नलिथनि सुयै सविन ॥ सुनाया माहा ॥ उरुलिरिव सुयै म्ययनसु ॥ कृयाया ॥ यरु ८ या ॥ वरु ८ या ॥



हस्तस्वयं तदाः गुणित्वा स्वमहाकालं लिखतु वक्रं च वक्रं ॥ अथाऽवययि यथायुर्वे विविना कं समा लीखेत् ॥ लिखितं  
 त्वेवैययनेनः विविद्वद्वनकम्पेना वा ययत्तु कं कलुः सुदंस्तु रवि व्यस्ति ॥ अलागु विस्ता म्मा हा क्रयो म्ब  
 गाग्ययमसीत्तु न ॥ यमस्य कं लया स वक्रवायि सुथायुर्ल ॥ वरैयमं समा लिख्य म्म लयमो स सीरैः ॥ अकिर  
 लिखितं यमययथा म्बिदिषु दृश्येत् ॥ अनागु म्म नयः स वै ॥ विल्लु लिंगं समा कृत्वा ॥ यस्मै च्छाऽवक्रं सुथायथ  
 म्बिदिषु किं लीसाऽना नाऽवदु लिखः कायो म्मे नि हा लान वसिरो काऽस्तु यी स वै ययत्तु लहदि म्ब द्वा म्बिदि  
 साऽया था वा नां यली निस्तु सा थवा हा ली था द्वा ॥ विद्या उला नी स वै वा म्बिद्या द वि समा लिख्य सा रं दस्य ॥ १२॥

[illegible]



वनिकसुसहाकायनसुरवसंम्यन्नावललवमहाकथस्तु॥यथस्तुर्देजीनन्दाकैः॥वक्रवृत्तिरुविष्यसि॥आश्वातीतिद  
वानाग्रासनैद्विष्यसुस्याहविष्यत्यदीललमायस्यविद्यासुतामिसा॥नाहोहयसि॥समलनवीमेलनवाग्निना॥ना  
कालमयनैवास्या॥इत्यगवृत्तिसिपायकाः॥४४॥नात्यसेनाञ्चवगवनादम्बसर्वेस्तु॥तुस्तुगुरुम्विवादाश्चउदका  
गिरयतथा॥मृगमयाजहयानागमयाधयः॥सुदानूलः॥सर्वेहृम्विष्यसि॥यखाविद्यासुतामिसाः॥सर्वेधसर्वम  
लेस्तुः॥४५॥म्वक्रामितत्वस्तु॥यजयाहविष्यनीसर्वेसत्तास्तुमाहिस्तु॥४६॥॥आय्योमहाविद्यालाह्रीमहायुगि  
सलाया॥यथमकल्य॥समाय॥॥४७॥इस्तुअथगाविद्याधलस्थलकाविष्यनक॥ल्याथारथास्यामिःसर्वेस

त्वानुकम्ययायनलक्ष्मिविष्मननू सवसिद्धिहविष्यसि। वस्तुनयकृतालक्षाहवत्ववनसंभयः निरुपनिशाल  
 ॥ ३॥ स्वः सर्वगहनीवासर्ग ॥ सर्वकर्मकलहदः इहसंज्ञलरिवगर्वः सर्वसत्त्वगलकर्क ॥ इयुकिर्न। इलीरिव  
 र्गः कारवादीयवडात्रलभः वल्लुमनुकृर्कर्वदविषयकृर्कसआगलः सर्वसत्ययः स्वनीलक्षाफल्यससदा ॥  
 यथैगिलावियद्यस्याविद्यासम्पत्तिकम्यस ॥ यलवकाडात्रलभय्ययियथमिगामहाहया ॥ सर्वसुयल्ययानीयति  
 सलासायसक्तिगः ॥ वल्लुमनुकृर्कर्वदविषयकृर्कसआगलः ॥ लक्ष्मिपुसकवद्वः ॥ स्वकाध्वमहासयाः ॥ अनव  
 वद्विषयहयायवानागामहयिका ॥ लक्ष्मीकर्वेसितमिम्यः ॥ अमित्युक्तस्यनित्यसः ॥ अस्याः ॥ वलमाफलविद्याला



ह्यमलासुमा॥ निहयाहासि सध्वेस ॥ १० ॥ यवमनिलवर्मासा इत्यया इ ॥ ११ ॥ गायवठयसंगो ॥ सुदानना ॥ १२ ॥ धाविस्मृमहा  
 लागमयगतालाजयक्रीनः ॥ अन्यलम्बुरुविधा लागमगलु ॥ १३ ॥ लाविवचीका ॥ १४ ॥ सुकया ॥ १५ ॥ यवगहसुमानुषीयुडी  
 अनूष्यालम ॥ १६ ॥ साथरित्सका ॥ १७ ॥ सुदालुलम ॥ १८ ॥ सध्वेसवियलस्यनिलकायसुमलम्बला ॥ १९ ॥ अनयाकुसलकुरुः ॥ २० ॥ वध्ययाप्रा  
 मिमृथय ॥ २१ ॥ गुरुवृत्कालयास्यनलीसु ॥ २२ ॥ अयिममालय ॥ २३ ॥ आयसुस्यवि वधसुस्ययुसि सलालिखलमदयि ॥ २४ ॥ यलिषिना  
 यस्वायसुसगुरुमसुनवव ॥ २५ ॥ यावलिखसुमासुनसदिम्वफिनसंसय ॥ २६ ॥ अथवा ॥ २७ ॥ वलमासुनवृत्तालकाविधानसु  
 ॥ २८ ॥ स्वसिप्राप्रासि सध्वेससुखजिवयि वयया ॥ २९ ॥ अथवनि सरुमानिकासिनियसुसललीवसुययि ॥ ३० ॥ अथयय ॥ ३१ ॥ सध्वे

२५३  
 सुकयलागमाः ॥ नकाथसुस्यसत्त्वस्य ॥ ३२ ॥ समुयुसि ॥ ३३ ॥ वत्तावालाकयाला ॥ ३४ ॥ वजयानिमलम्बला ॥ ३५ ॥ विद्याकल ॥ ३६ ॥  
 सु ॥ ३७ ॥ सायलकाकुर्वनि ॥ ३८ ॥ सासुसुमना ॥ ३९ ॥ सुय्या ॥ ४० ॥ वक्रावीयु ॥ ४१ ॥ सुसुल ॥ ४२ ॥ यममि ॥ ४३ ॥ मानि ॥ ४४ ॥ सुवम्बलधवामहावल ॥ ४५ ॥  
 पुन ॥ ४६ ॥ सुदामहाविलाहलिमि ॥ ४७ ॥ वसयसिका ॥ ४८ ॥ या ॥ ४९ ॥ शल ॥ ५० ॥ या ॥ ५१ ॥ क ॥ ५२ ॥ वकासि ॥ ५३ ॥ केयागल ॥ ५४ ॥ स्वल ॥ ५५ ॥ सिलसि ॥ ५६ ॥ वमहायवि ॥ ५७ ॥  
 वलवसलसुसि ॥ ५८ ॥ रिब ॥ ५९ ॥ निय ॥ ६० ॥ दसि ॥ ६१ ॥ वसुथ ॥ ६२ ॥ वकज ॥ ६३ ॥ सायिवा ॥ ६४ ॥ धन्या ॥ ६५ ॥ तामहा ॥ ६६ ॥ हागल ॥ ६७ ॥ काकुर्वे ॥ ६८ ॥ सिनि ॥ ६९ ॥ सु ॥ ७० ॥  
 जननिगके ॥ ७१ ॥ लान ॥ ७२ ॥ विम्व ॥ ७३ ॥ नि ॥ ७४ ॥ लकायम ॥ ७५ ॥ हसि ॥ ७६ ॥ स्यया ॥ ७७ ॥ व ॥ ७८ ॥ व ॥ ७९ ॥ वि ॥ ८० ॥ वि ॥ ८१ ॥ वि ॥ ८२ ॥ वि ॥ ८३ ॥ वि ॥ ८४ ॥ वि ॥ ८५ ॥ वि ॥ ८६ ॥ वि ॥ ८७ ॥ वि ॥ ८८ ॥ वि ॥ ८९ ॥ वि ॥ ९० ॥  
 ल ॥ ९१ ॥ हा ॥ ९२ ॥ सि ॥ ९३ ॥ दे ॥ ९४ ॥ व ॥ ९५ ॥ हा ॥ ९६ ॥ द ॥ ९७ ॥ म ॥ ९८ ॥ नि ॥ ९९ ॥ वि ॥ १०० ॥ ता ॥ १०१ ॥ अथया ॥ १०२ ॥ यवि ॥ १०३ ॥ न ॥ १०४ ॥ थ ॥ १०५ ॥ सु ॥ १०६ ॥ लि ॥ १०७ ॥ व ॥ १०८ ॥ ना ॥ १०९ ॥ ध ॥ ११० ॥ व ॥ १११ ॥ म ॥ ११२ ॥ व ॥ ११३ ॥ स ॥ ११४ ॥ त ॥ ११५ ॥ थ ॥ ११६ ॥ ग ॥ ११७ ॥ ता ॥ ११८ ॥ वि ॥ ११९ ॥ ला ॥ १२० ॥ क ॥ १२१ ॥ सि ॥ १२२ ॥ न ॥ १२३ ॥ वा ॥ १२४ ॥ यि ॥ १२५ ॥ स ॥ १२६ ॥ त्वा ॥ १२७ ॥ म ॥ १२८ ॥ हा



दिकाः यस्य स्ववदयस्तस्य पुन्यमायुर्विम्बयस्तु । दनधन्यसमृद्धिर्विद्वद्विद्वत्सिद्धिर्वासीस्यः । सूर्यस्य यिस्तिम्यधविस्सुखं  
 प्रसिद्धिविद्वदस्तु । अथ ॥ सर्वसत् नो सर्वे हस्तगन्धलयिसंग्रम्यवस्तुमात्रस्य जया हस्तसिद्धिर्वासीस्यः । विद्यायीष्टमा  
 नायाभिर्यल्ला अत्रुस्तलासुखं साधर्म्ये विद्याविद्युनेत्यस्तु हस्तसिद्धिः ॥ सिद्धिनि सर्वकल्याणव्यवस्तु सर्वमनुत्तम  
 क्रियुक्तं समयस्तु सा हस्तसर्वस्तु सिद्धिर्विद्वद्विद्वत्सिद्धिर्वासीस्यः । नो गुरुनधन्यस्तु ॥ सर्वमंगलसंयुक्तं । सर्वसिद्धिमनालथ  
 अस्यालिविस्तुमास्तु न सर्वसाखीसमृद्धिस्तु ॥ सूर्यकालक्रिया कृत्वा हस्तस्य ग्रेयलायनी एव वा देकलहस्तवविग्रहयलम  
 गन्ध्या । सर्वे हस्तविनिर्माका दिनस्य वचनेयथा । निर्णयस्तु सलाहस्तु जातो न सर्वेष्टायः लाजाना वसगास्तु सत्यसास्तु

१२६

पलमहजनेः समान्यस्वहस्तनिर्णयः साधुर्लोककर्मस्तुः । सर्वोवाक्क्रियया हस्तसिद्धिर्वासीस्यः । यद्यवायवमानुषाः । ललास्तु सक्त  
 लिप्यनिदिवालाग्रे वनिहस्तः ॥ अस्तु अग्रेयदासिद्धासंम्यक्तवृद्धतायिस्तुः । नमावधायः नमाधर्मोयः नमः ॥  
 संघायनमाह गवस्तु साक्तु अनिया मरुकात्रुनिकायस्तु अगताया लहस्तु संम्यक्तवृद्धाय । नमस्तु सक्तु ॥ संम्यक्त  
 वृद्धयः । रावनेयानमस्तु सक्तुः । वृद्धसासन्नवृद्धयः ॥ अस्तु मृदानियुम्बकासिद्धिर्विद्वद्विद्वत्सिद्धिर्वासीस्यः ।  
 गामहावलपुत्राकमी । यस्याहविस्तुमाताया अनिनी वज्रमेयासनमालाऽवमालकायाऽवगहस्तु सर्वविनायकाः । विद्वत्  
 इव सनियकविरुक्तु नादिलयगस्तु ॥ तद्यथाऽगिलिर्गिलिनिर्गिलिवर्णिर्गु नवस्तु आकासवस्तु आकाश



[illegible][illegible]











[illegible]

नौकमनामनसावावायलुस्यैयजलमस्रजस्रहंवद्रुविविकिर्किरुसर्वकयथिवास्मि। समलनमव्यनार्द्धवडगुहहल  
खनादयि। यंथनाद्वावनहवेवःजयनायलदसनास्रहविविधस्मि। विलनमस्रसर्ववममगर्किगस्रः। नववममेलस्यपा  
फयायागद्वस्मि। सैरुयैमिथनसर्वकायोनिमनयथादियुयै। सर्वमृष्टकयथवादानीस्रहविविधनि। नाजागिल्लद  
कहवेवःविद्वद्वास्मि। लयिवा। यद्वसंगमकलहाडुयुः। नायवडास्मि। सस्रयलयैयानि। वियालकजायुस्रः॥  
विद्यामिमायलासिधसर्ववद्विद्यसिता। किस्मिमानालसिदस्मि। वादिसंहालयलय। सर्वमृष्टकयथवाः॥ मां  
विद्याययागयास्मि। यानिद्येद्विकिस्मोनिस्वयलाथेयसिधयासिदस्मि। ययवनः। विद्यागानास्रसंवायः॥



[illegible]

यं वनं गी क सु सु न वि नु य सं लु लं शु ए ॥ य नु क म्हा स्व म्हा लः यं व मं म ल्य मं लु ल ॥ य य ध्यां स्व ग धा स्वः ड स क य  
सु म लु लं ॥ य य न व ड न व वः य क्का गु र स थ न व ॥ य व सु के ना म्हा इ क्का स्वः ड स क य नि भि धा न सुः ना ना वि धु ना  
य य निः य य कालं य य म्हा धि ॥ स व य य ह ल वी कि ग ल्य इ यि सु म्हा लु ता ना द्वा त मा कि क इ ल्यो स्वः य म्हा के या  
य सा दि हिः य ल य द नी के ए स्व ॥ ल क ना धा सु मं ग ना न ॥ स्था य य द्वा म्हा ना डि क्क यं व मं म ल्य मं लु लं ॥ य य नी याः ॥  
ना वा स्व को ल य ग इ य लि नाः स्व लाल कि न का ध्या यिः खा डि ना द्वा द्वा यी ताः यं व लं गी क ड सु सु नः य त यि न्वा वि य  
क नः स म्हा वि ता ग न मा य ता नि ख च्वा लं लु ना धिः ॥ पु वं क्क लालि ख दि यः य डि क्क सा दि मा ल न ॥ ड ड क्क हा क न ड







四

नीविरवैमूलविवै॥ अन्नविवै॥ यान्नविवै॥ सवेद्रधानीसुजसाः मूलश्कवलकः म्वलकविहिश्चिहिश्चिनिश्चिहिवि  
 यैः नीहयविवैः नासिविवैः सकानीसम्यक्प्रधानीः सङ्गम्यकसंधानाः सुजसा ॥ जलाम्बलाः ०० लाम्बला ॥ किलि  
 म्यलानिलिश्चम्यलासिमि ०० लानिलिमासिमाइमादिमासिमाप्रसूकंस्कावसूकंस्कावसूकंस्कावसूकंस्का ॥ समनकम्या ॥ आद्यनादः  
 किलिक्रौञ्चनाद्य ॥ वर्षम्पुदवलिक्लिप्तासमस्तत् ॥ नवमासनिदसमासात् ॥ मीरुम्यसवेससव्य ॥ विसलः विसयसव्यनिनिः  
 वदालिनिश्चसद्वदालिनिविदालिनि ॥ कम्पड ॥ ३ ॥ कम्पुमूलः नमाहगवस्तः ०० दुरामिसिकाय ॥ ०० डिनाय ॥ हम्  
 दाहिकाय ॥ हं नालिकाय ॥ अल ॥ सुल ॥ कसुल ॥ अह ॥ नह ॥ कनह ॥ अल लह ॥ असन ॥ यायनिकल ॥ नमाप्रधानी

137

[illegible]



सिद्धिगम्याजिनादिना ॥ सर्वव्यापकानां हिहकानां वहितिभिर्नी ज्ञानेनात्मात्मनाय नथाद्वशकृयायिव ॥  
जगतामिहयस्यो ॥ साम्यगत्वानाग्यसम्भव- विसृष्टिकायस्यकला विक्षताविनवीकला साकयकुरुनायास  
सर्वेस्वस्तिकनिष्ठाहि ज्ञाजगमाक्रमार्थोसि ॥ निश्चसक्तिनायक यसकसर्वेद्वसोनासर्वेस्वस्तिकनिष्ठाहि ॥ गतिक्यो  
जगतासाकुरुस्वस्तिकनसर्ववद्रा अथायसर्वेस्त्वानासव ॥ स्वस्तिकनीष्ठाहि ॥ यनसर्वेजगवेवमेकविस्मनताय  
नायानीस्वस्तिकनसर्वस्वस्तिकनीष्ठाहि गतिक्योसर्वेस्त्वाना ज्ञानेदीय ॥ यनायनं संसालेवगमानानां स  
वः स्वस्तिकनीष्ठा ॥ यावाद्वासर्वेस्त्वानां सविसंवादक ॥ ३३वि ॥ ३३विवाक ॥ ३३विकन ॥ सर्वेस्वस्तिकनीष्ठाहि यमिडे

[illegible]



वा. स्वस्ति मध्यदिने थीरु. सर्वे स्वस्ति वा शनीरु ॥ मार्वे रवी पायमागमन ॥ सर्वे सत्वा सर्वे याना सर्वे हुतावकावना सर्वे वेस  
 र्वोन संभु. सर्वे संभु निनामया ॥ सर्वे रुदा नियस्ये ॥ माक वित्वायमागम ॥ यानि रुहानि समागतानि. स्तिगानि रुमाव  
 धमास्तिस्य. कर्म मंगी सुरु संयका सुदि वावना गो जवेले सुवैमो ॥ ॐ गी री रुद सुथाय यमाना न दाह गवैस ॥ य  
 हि सुथ ॐ द किले या दै था यु चित्वा ॐ मा नि मा हा म कान सालनी. मग य दानू हा व रु स ॥ ॐ मा य ग म था. विसल सु  
 ८ ॥ वद्ध ना कानू र्कै प्र क. आश्रय री हि सर्वे वद्ध नू र्म गन. य रु क वद्ध नू म रु न. स्वाह नू म रु न. सर्वे स्वयानू म रु  
 सर्वे सत्यवाकानू म रु न. य रु क वद्ध नू म रु न. का म्य स्वयानू म रु न. ॐ दानू म्मो यन. सवि सुवानू म रु न. असल

ययानू म रु. सर्वे रुगानू म रु. विगल ८ ॥ वद्ध ना कानू र्कै प्र क ॥ आश्रय री हि ॥ मूर्वरु ८ ॥ मा नि सु रु ॐ तिथय साम्भु ॥  
 निगक रु वद्ध य विगलि. महाय व रु स्या दाय द वा स व रु का स य जा य रि का ॥ सक्याल वा क या मा यु ति म्भ स रि. अन कानि  
 द व ता स रु सानि. असल दाय. असुन स क स रु सानि य वि स रि. म्भ रु नि रु स रु सानि रु ग वी गा रि य स ना प्र य क रि  
 सर्वे सत्वा ना म थ्य वा मा भ्र म थ्य ॥ क रि थ्य ति ॥ निगक रि ॥ ८ ॥ क्रि री य ना य रु य दि य री. इ य वि रु नू य ना य रु. न स रु  
 य मे रु वि रु ना य रु का मा रु का वा नू रु यि रु. का मा रु ति रु म रु. व यु वि स रि वृद्ध ना कानू र्कै प्र क ॥ वृत्त म रु य य रि ॥  
 स म रु ८ ॥ स म रु ८ ॥ ८ ॥ म रु ८ ॥ य वि स रि वृत्त म रु ॥ म रु ८ ॥ म रु मि नी १३ ॥ म रु वि नी १३ ॥ वि वि वि नी वि वि नी नी नी नी



नीनी॥७॥मिलि॥हसिमिचि॥मिचिमिमि॥कककककक॥कककककक॥कककककक॥कककककक॥  
 कनीकनीकनीकनी॥यनि॥नीनी॥लरुसालिरुलिदुनी॥दुनी॥अनाथनाथनीनीथीदुनिसुनीप्रसुली॥  
 अनाथनाथनिगकसुलियेनिगकसुयवायसुयदियूर्यइवविहोनायकनस्यसुदधनाकानूसक्यकअनमा॥  
 शाययकि॥यविसति॥॥सधेसत्वाहिकाव्यसया॥मेकिवीहानिकरुनावीहानी॥मदिताविहनी॥ठय्यव्यावीहनी॥  
 नरुमरुयकसिद्धासिद्धिगमथिनादिका॥सधेयायनहानीहिरुताना॥हिरुखीनी॥अननाथरुमानाय॥सुथादमो॥  
 लयायिद॥अगगानिरुय॥सधेसाम्यत्वावाग्यममुच॥विसिस्त्रिकाय॥हिरुविक्षसुविललीकतासाकवितादुनायासवसु॥

[illegible]











ॐ नमः शिवाय ॥ शिवो ॥ वेदयोः सुखनीहासामनात्सुकविहमा ॥ कारवाडाद्वदनिहकिनमामिदिवय  
 नी ॥ नवीमोयासुख्यकमिमा ॥ समयहगवां नाजगद्विहवेहिसे ॥ सीकवसुमाहासमसानरुधिककनय  
 धसि ॥ कृतायुष्या नवाह्वारिक्विहथुसु ॥ यवग्रहे नाग्रहे यक्रग्रहे अस्रग्रहे महानग्रहे किन्नरग्रहे  
 गलुदग्रहे गीद्वमग्रहे महालग्रहे मनुष्यामोव्यग्रहे हसुय्यग्रहे यिसावग्रहे द्वियिहि काक्रमडा  
 काकेठनकेकिठ ॥ सलिसियो लनवमनुष्यामनुष्ये मनुष्यायुष्या नाह्वारिक्विहथुसु ॥ रुनायसुक्राह उग्रसे  
 सुम्य ॥ हगवेरुया इसिनसामदित्वा हगवेरुकिप्रड किनिकुं सु ॥ हगवेरुयुनका नडनसु नियम्यरुकेसु ॥

182  
 442

अथ हगवाननाजाननमवनाह्वारिक्विहथुसु ॥ किंलैनाह्वारिक्विहथुसु ॥ थीला असु नियम्यरुकेसु ॥ नवीमूक  
 जायुष्या नाह्वारिक्विहथुसु ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥  
 धिकायसुनययुदस्यसुहगयन सुकविहथुसु ॥ यवग्रहे नागजक्रसुसु ॥ गीद्वमग्रहे किलनलव्यक  
 रुक ॥ यिसावक्रमायेग्रहे द्वियिहि ॥ काके ॥ उग्रके ॥ किंलैनाह्वारिक्विहथुसु ॥ नवीमूक  
 अथ हगवाननाजाननमवनाह्वारिक्विहथुसु ॥ किंलैनाह्वारिक्विहथुसु ॥ थीला असु नियम्यरुकेसु ॥ नवीमूक  
 जायुष्या नाह्वारिक्विहथुसु ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥ हगवेरुम्यकडवाव ॥  
 धिकायसुनययुदस्यसुहगयन सुकविहथुसु ॥ यवग्रहे नागजक्रसुसु ॥ गीद्वमग्रहे किलनलव्यक  
 रुक ॥ यिसावक्रमायेग्रहे द्वियिहि ॥ काके ॥ उग्रके ॥ किंलैनाह्वारिक्विहथुसु ॥ नवीमूक



गायसूखाययागंक्रमायहविष्यमि॥रुयथा॥जंगमम्वीगमकंनिर्गमहंगमम्वरूगमसंसावसुनंगमसासुसंगम  
मृगमजसुनानककनंगमजसुनविनाड्डाड्डकिमनाहंगमहंगकिमनागमविंनविनाकनकनविनाक  
लविनाकनकनविनायिविसनामाहकिनाविहथीकाकात्रकिनाजगमडवाजयाजयायिकायवात्रादिना  
लिविलिहिलिहिसुमसिमसुमसिद्वननकननसुद्वननसुद्वलनाडिहालिसुकिरकलिसुकिरसु  
निसुकिरगमविगधालिवंदानीयताविमार्गगीववसिद्धनीधालनीकलनितावनिउकमालीकवका  
विद्वककवकाविद्यववनातिथकाकविथकननमतिनक्रमतिम्वनाहकलमकगुडयलकनविलकल

[illegible]











ॐ ॥ सर्वं मा ठ्ठं लिपुं सुत्रकायुली समाक ॥ यममो वा रुद्र प्रहा वा रुद्र प्रहा ग था गा ॥  
रुद्र द रु वा वि था नि रा छ ॥ न व वा दि मा हा स न म न ॥ ॥ ॐ ॥

जाभा न रुद्र

148

ARCHIVES

१५७



148

Handwritten text in Arabic script, likely a library or collection number, located below the printed number 148.



